

सं० 8]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 19, 1994 (माघ 30, 1915)

No. 81

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 19, 1994 (MAGHA 30, 1915)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 4 [PART III--SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी को गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूवनाएं सिम्मिलित हैं।

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व वैक

केन्द्रीय कार्यालय

सरकारी और वैंक लेखा विभाग

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी: 1994

भारत के रापपत्न में 20 अप्रैल 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल 1954 की अधिसूचना सं०एफ (8) 70 बी/52 और भारत के विनांक 21 फरवरी 1990 के असाधारण राजपत्न सं० 67 के अन्तर्गत यथा संशोधित लोक ऋण अधिनियम 1944 की घारा 28 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा बनाये गये नियमों के नियम 18के अनुसरण में 30 सितम्बर, 1993 को समाप्त माह के लिए निम्नलिखित सूची खो गयी आदि ऐसी प्रतिभृतियों के बारे में एतद्द्वारा विज्ञाप्ति की जाती है, जिसके संबंध में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम वृष्टया आधार मौजूद हैं कि प्रतिभृतियों खो गयी हैं और आवेदकों का बावा न्यायोचित है। नीचे लिखे गये संबंधित दावेदारों से इतर सभी व्यवित जिनका इन प्रतिभृतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा जिमाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, बम्बर्व को संसूचित करें। सूची दो भागों में विभाजित की गयी हैं। भाग "क" में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभृतियाँ शामिल की गयी हैं और भाग "ख" में पूर्व विज्ञापित प्रतिभृतियाँ शामिल की गयी हैं।

			सूची	<sup>((क्</sup> ))				
ि————————————————————————————————————	म्ह्य ६०/ग्राम	निम्न नाम से जारी की गयी		ज्धारित किये की तारीख	डुप्लिकेट आरं भुगतान मूल्य <b>घवायगी के</b> दावेदार (रों नाम	की <b>निए</b>	जारी कियेग की सं० तथ	_
1		3	-	4		5	<u> </u>	6
			नई वि					
		राष्ट्रीय सु	रक्षास्वर्णबंध	पत्न 1980 "	ए'' श्रु <b>ख</b> ला			
डी एच−010553	18 ग्राम	श्री गुरबचन ि	सग	27-10-67	श्री गुरबचन		पी डी ओ 93-94 2-9-93 (प 3/92)	दिनांक ं
			हैदराबाद	: मं <b>ड</b> ल			3/ 92 )	
		राष्ट्रीय सु		।पत्न 1970 ''बी'	''श्रुखला			
एव डी <b>-</b> 002158	9 ग्राम	के <b>० सी० रंगना</b>		ारी करने से तारी	_	रंगनाध्यम		3 विमॉक 9⊶1993
			मद्रासं स	<b>ंड</b> ल				
		राष्ट्रोय रक्ष	रास्वर्णधाः	र 1980 " <b>बी</b> "	सिरीज			
ए <b>न</b> एस013584		एम०नंगय्यामं (अब मृत) तिशत राहत बांड 1		27-10-66	एम० लीला	वती	डीएम/डी <b>व</b> दि० 7−9	
एम एस-001086	<b>ষ</b> ა 20,0	00/— बाला मणियन (नाबालिग) एन० वी० एस० पिता और नैस संरक्षक द्वारा प्र निधित्व	जा मणियन वि र्गिक	7–2–93 तक री किये उत्तर देनांकित <b>वा</b> रंट	बाला मणि (नाबालिग एन० वी० प पिता और व संरक्षक द्वार निधिस्व	) रस० मणियन सिर्गिक	डीएम/डीव वि० 30-	
			सूत्र	वी ''ख''				
प्रतिभृतियो का कनाक	म्ल्य घ ऽ/ग्राम		ब्याज धारित किये जाने की तार ख	ु डुप्लिकेट उ	विदार/		नियम के अव के प्र तारीय प्रतिभृ बार	ऋण अधि- 1944 तर्गत सूर्च काशन क ब [जिसग् ति पहली प्रकाशित
1	2	3	4	5		6		7
· · ·		<del>-</del>		 तामंडल रिवर्तन ऋण 19	46			
सी ए-335844	500	बनमाला सेट	16-9-	80 <b>बनमा</b>	लासेंट }	धायुक्त प्रबंध	ान का	-
सी ए-335845	1,000/	⊸वही	–वही	_ ⊸	1	स्रादेश डीव		***
सी ए-335846	1,000/	⊸वही⊸	वही			एल सीओ 4	18/	
सी ए- 335847	1,000/	–वही−	–वही		यही-	93/94 दिन 28-8-93 माई 24 <b>7</b> 2	ांक 3 फाइल सं०	_

	-		
भाग	Ш.	<b>_#</b> 08	4]
			-

(एल एन 2301)

#### 1837 2 5 3 7 मद्रास मञ्जल राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बांच 1980 ''बी'' सीरीज टी ०एम ० चिम्मासामी 7-1-66 टी॰एम॰चिन्नासामी जे एम/डी वाई सं॰ 99 राज्यत की प्रतिय एम एस-001002 12 जाम दि॰ 15-2-93 प्राप्त नहीं हुई। (एल एन 2365) राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बांड 1980 "ए" सिरीज पी०के०कोमलांगी 27~10~67 ए० चिन्नन, जेएम डी वाई सं० 116 ए एम एस-039769 4 ग्राम ए०सी रेमा देवी दि॰ 4-3-93 (भ्रयम्त) ए०सी० उमा देवी (एल एन 2630) (वैध उत्तराधिकारी) राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बांड 1980 ''बी'' सिरीज वी • कृष्णस्वामी 27-10-72 वी० क्वाष्णास्वामी जे एम/डी वाई सं 153 एम एस-046250 13 ग्राम <u>-चही</u>--वि॰ 10-5-93

भारत के राजपत्र में 20 अप्रैल 1946 को प्रकाशित सथा 29 अप्रैल 1954 की अधिसूचना सं०एफ (8) 70/बी/52 और भारत के दिनांक 21 फरवरी 1990 के भ्रसाधारण राजपत्र सं० 67 के श्रन्तर्गत यथा सशोधित लोक ऋण श्रिधिनियम 1944 की धारा 28 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा बनाये गये नियमों के नियम 18 के अनुसरण में 3 अगस्त, 1993 को समाप्त माह के लिए निम्निशिखित सूची को गया आदि ऐसा प्रतिभृतियों के बारे में एतब्द्वारा विज्ञाप्ति की जाता है जिसके संबंध मे इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम दृष्टिया श्राधार मौजूद है कि प्रतिभृतियां खो गयी हैं और प्रावेदको का दाव। न्यायोचित है। नीचे लिखे गये संबंधित वावेदारों से इतर सभी व्यक्ति जिनका इन प्रतिभृतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, बम्बई को ससूचित करें। सूची दो भागो में विभाजित की गयी है। भाग ''क'' में सभी पहली बार विज्ञाप्ति प्रतिभृतियां शामिल की गयी है और भाग ''ख'' में पूर्व विज्ञाप्ति प्रतिभृतियों की सुची दी गयी है।

सूची 'क"

प्रतिमृतियों का कमांक	मूल्य <b>रु</b> ०/ग्राम	निम्न नाम से जारी की गयी	इयाज धारित किये जाने की तारीख	डुप्लिकेट जारी करने/ भुगतान मृ्ल्य की अदायगी के लिए दावेदार(रों) का/के न	तारीख
1	2	3	4	5	6

#### कलकत्ता महल

# 3 प्रतिशत परिवर्तन ऋण, 1946

सी ए-335844 सी ए-335845 सी ए-335846 सी ए-335847	500 1,000/ 1,000/ 1,000/	बनमाला सेट	16-9-80	बनमाला सेट	संयुक्त प्रबंधक का आदेश डी वाई सं०एल सी ओ० 48/93-94 दिनांक 28-8-93 फाईल सं० प्राई-2472
--	-----------------------------------	------------	---------	------------	--

1838	·	भारत का र	ाजपत्र, फरव <b>रा</b> 19	, 1994 (माथ 30,	1915)	[भाग 111 विजेड
~			सूची-	''ख''		
प्रतिभृतियों का कमांक	मूल्य रुः।	ग्राम निम्न नाम से जारी का ग <b>ई</b>	ब्याजधारि जानेकात	ाराखा तथाभुगतान अदायगो <sup>ं</sup>	मूल्य की एवं जार हेलिए करने क रों) का/के तारीख	ी नियम 1944 के ो अप्तर्गत सूची के
1		3	4	5		6 7
			कलकरत	ा मंश्रल		
			8 प्रतिशत	भूटण, 2011		
सीए–0020 सोर्⊸0020					∫ डीवाई सं √ 289/92	धिक का झादेश ० एल सी ओ / 
			मंत्रास	<b>मं</b> हल		
		राष्ट्	ेय रक्षास्वर्णकोड	1980 ''बी'' ऋखला		
एम एस~ 035	5316 2 ग्रा				जे एम/डी वा दिनांक 12-1 (एल एन 26:	10-92
र्म एस~016	3504 103	गाम जो०सभापति	27~10~	66 जी०सभापति	जे एम/डी वार दिनांक 29→1 (एल एन 22:	0-92
			सूची	ः (ख्रुः)		
प्रतिभृतियों का क्रमांक	मूल्य ६०/ग्राम	निम्न नाम से जारी की गयी		डुप्लिकेट जारी करने तथा भुगतान मूल्य की अवायगी के लिए वावैदार/रों का/के माम	मादेश सं० एवं जारी करने तारीख	लोक ऋण अधिनियम 1944 के भंतर्गत की सूची के प्रकाशन की तारीख जिसमें प्रतिपृति पहली बार प्रकाशित की गयी षी
1	2	3	4	5	6	7
एम एस- 0010 <b>02</b>	12 ग्राम	टी० एम० विन्नसा	ਸੀ 7 <b>~1−</b> 66 ਫੀ	०एम० चिन्नासामी	जेएम० डीवाई सं० दिनांक 15-2-9: (एलएन० 2365)	3
एम एस- 046250	13 ग्राम	वी० क्रुष्णस्यामी	27-10-72	वी० कृष्णस्वामी	जेएम० डीवाई सं० दिनांक 10~5-9 (एलएम 2301)	

1	2		3		4	5	6	7
			राष्ट्र	य रक्षा स्वर्ण	बांड 1980 <sup>~</sup> "ए"	, 25	खला	
एम एस- 039769	4 ग्राम	वी०के० कों (मृत)	मलागः	27-10-77	ए० विन्तन ए० सी० रेमा वे ए० सी०उमा वे	वी	दिनाक 4-3-93	
			_				मुख्य लेखाकार भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय सरकारी और बैंक लेखा विभा ऋण प्रभाग, बम्बई-400051	ग, केन्द्रीय

## (भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

### प्रधान कार्यालय तिरज्वनन्तप्रम

### सूचना

## तिरुवनन्तपुरम, दिनाक 2 फरवरी 1994

सं. एमा क्री/एजी एम/1224— सूचना दी जाती है कि स्टोट धैंक आफ आक्षणकोर के शेयरधारियों का रिजस्टर शेयरों के अंतरण के लिए 1 अप्रैल 1994 से 15 अप्रैल 1994 (दोनो विनो को शामिल करकों) तक बन्द रहोगा।

के. रामकृष्णन

प्रबन्ध निवंशक

## वी इन्स्टीट्यूट आफ चाटर्ड एका अन्टेन्टस आफ इन्डिया

#### नई विल्ली-110002, दिनांक 21 जनवरी 1994

सं 13-सी ए० (परीक्षा)/एस०/94--वार्टबं एकाउन्टेस्टस रेगूलेशन, 1988 के रेगूलेशन 22 के धनुसार दि कॉसिल धाफ वि इस्टीट्यूट श्राफ वार्टबं एकाउन्टेन्ट्स घाफ इंडिया को नोटिफाइ करने मे प्रसन्नता है कि इंटरमीडिएट और फाइनल की परीक्षाएं निम्नलिखित विधियो तथा केन्द्रों पर होगी नगतें कि प्रश्येक केन्द्र मे परीक्षा के लिए पर्यान्त संक्या मे परीक्षार्थी उपस्थित दोते हैं।

#### इंटरमीबिएट परीकाः :

युप I

: 2, 3, 4 भीर 5 मई, 1994

पुप II : 6, 7 धौर 9 मई, 1994

भाइनस परीक्षा :

ग्रूप I

: 2, 3, 4 और 5 म**ई**, 1994

सूप II .

: 6, 7, 9 फीर 10 मई, 1994

### परीक्षा केन्द्र :

- 1. आगरा
- 2. ग्रहमदाबाद
- 3. इलाहाबाद
- 4. ग्रम्बाला
- 5. बंगलीर
- 6. बड़ीवा
- 7. बेलगांव
- ८. घोपाल
- 9. बम्बई
- 10. कलकत्ता
- 11. कालीकट
- 12. चुण्डीगढ़

- 13. कोयम्बटोर
- 14. কইক
- 15. विल्ली/नई दिल्ली
- 16 इरनाकुलम
- 17. गोहाटी
- 18. गाजियाबाद
- 19. हैवराबाद
- 20 इंदौर
- 21. जयपुर
- 22. जम्मू
- 23. जोबपुर
- 24. कानपुर
- 25. फाठमांबु (नेपाल)
- 26 कोट्टायाम
- 27. लखनऊ
- 28 लुधियाना
- 29. मद्रास
- 30. मबुराई
- 31 मंगलौर
- 32. मेरठ
- 33. मस्कट 34. मैसूर
- 35. नागपुर
- 36. नासिक
- 37. पट**ना**
- 38 पूना
- ३१. रायपुर
- 40. सेलम
- 41. सूरत
- 42. तिरूचिरापल्ली
- 43. सिमूर
- 44. जिमेश्वम
- 45. उषयपुर
- 46. विजयवाड़ा
- 47. विशासापटनम
- 48. यमुनानगर

परीक्षा शुल्क की राशि किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक के बिमान्ड ब्राफ्ट द्वारा इंस्टीट्यूट के सचिव के पक्ष मे होनी चाहिए धीर उसकी अवायनी नई दिल्ली पर हो ।

परिषदं प्रपते विशेषाधिकार के धान्तर्गत किसी भी परीक्षा केन्द्र कोः विषा कोई कारण विए रह कर सकती है।

उन्त परीक्षाम्रो के लिए मानेदन निर्मारित मानेदन पक्षों पर ही दिया जाना चाहिए, ओ कि इस्टीटयूट माफ चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट्स माफ इंडिया के वरिष्ठ उप सचिव (परीक्षा) के इन्द्रमस्य मार्ग, नई दिस्सी स्वित कार्याक्षक से 5 स्पए प्रति प्रावेदन पत्र भुगतान करने पर मिल सकता है। उपगुक्त प्रमाण पत्नों भीर मुल्क के साथ विमान्छ कृपट लगाकर प्रावेदन पत्न इस प्रकार भेजा जाना चाहिए कि वह वरिष्ठ उप सिवव (परीक्षा) के कार्यालय में 3-3-1994 तक पहुंच जाए। भावेदन पत्न वरिष्ठ उप सिवव (परीक्षा) के दिल्ली कार्यालय में 3-3-1994 के बाद 11-3-1994 तक 50/- रुपये दिल्ली कार्यालय में 3-3-1994 के बाद प्राप्त प्रावेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। भावेदन पत्न इंस्टीट्यूट के कार्यालय में स्वयं भी झाकर दिया जा सकता है मा रीजनल कांउसिलों के बम्बई, मझाल, कलकत्ता, कानपुर तथा कांच प्रवृत्त के जमा कराया प्राप्त प्रीर पूना के कार्यालयों में 3-3-1994 तक जमा कराया जा सकता है। इन नगरों में रहने वाले परीक्षाध्यों को इस सुविधा का फायदा उठाने की सलाह दी जाती है।

विभिन्न परीक्षाओं के लिए देय शुल्क इस प्रकार है:---

### इंटरमीडिएट परीक्षा :

केवल एक ग्रुप के लिए : रु० 200/— बोनों ग्रुपों के लिए : रु० 350/~

#### फाइनल परीकाः

काटनांडु केन्द्र से बठने वाले परीक्षार्थियों को रु० 500/-- या इसके सममूल्य की विदेशी मुद्रा का गुल्क घटा करना पड़ेगा जाहे वे इंटरमीडिएट/ फाइनल परीक्षा के एक पेपर या एक युप या वो सुपों में बैठ रहे हों।

मस्कट केन्त्र से बठने वाले इंटरमीडिएट घीर फाइनल के परीक्षाधियों को कमशः \$ 30 घीर \$ 40 या इसके समयूल्य की भारतीय युद्धा का शुक्क भवा करना पड़ेगा चाहे वे इंटरमीडिएट/फाइनल परीक्षा के एक पेपर या एक युप या वो धुपों में बठ रहे हों।

#### हिन्दी में उत्तर सिखने की एडिउकता:

इंटरमीडिएट घौर फाइनल परीक्षाओं के उम्मीववारों को उत्तर हिन्दी माध्यम से भी वेने की सुविधा दी आती है । विस्तृत जानकारी सावेदन पक्ष के साथ संलग्न सुवना पक्ष में उपलब्ध है ।

> जगबम्बा प्रसास बरिष्ठ उप सचिव (परीक्षा)

# बम्बई-400005, दिनांक 2विसम्बर 1993

सं 0 3-खंडरम् सी ०ए० (4)/1/93-94-- चार्टर्ड प्राप्त लेखा-कार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 की उपधारा 1(अ) द्वारा प्रवत्त गिक्तओं का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिवद ने अपने सवस्थता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सबस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा विया है।

#म सं∘	सदस्यता सं ०	नाम एवं पता	विनाक
1	2	3	4
1.	000322	श्री इटालिया होरमध्यी पिरोजमाह, हबीब एण्ड कं०, पठारिया पलेस, 75 मोहम्मद अली रोड, बम्बई-40000	10-6 <b>-9</b> 3 3
2.	000831	श्री कोरके यसवंत विस्वक, : बाई टी० कोरके एण्ड कं०, 186 ईस्ट रोड धरमपेठ एक्सटेंसन, नागपुर	l 4 1 2 <del>8</del> 2
3.	002183	श्री दस्तुर नेहरामका करसेटजी, बीठ सीठ दस्तुर एण्ड कंठ, 269 बॉ बीठ एनठ रोड, 3रा मजला, बम्बई-40000	2 <b>0—4- 0</b> 3
4.	003210	श्री चोकशी नवनीतलाल धनसुक चोकशी एण्ड कं०, 501 भाग्य लक्ष्मी, 18-सी, केनेडी किंक, वस्वई-400004	ī, <b>8—8—9</b> 2
5.	003821	श्री श्रॉक पुरुषोत्तमदास जिभ, द्वारा हबीस एण्ड कं०, 75, मोहस्मव असी रोड, सम्बद्ध-400003	2-10-92
6.	007321	श्री झाम्बेकर रमेश रामचन्द्र, आर० टी० जोशी एण्ड कं०, कर्वे विस्डिंग मेन रोड, नासिक	5 <b>- 4- 9</b> 3
7.	017884	श्री बिलीमोरिका तावक कावसजी, प्लेट नं 1; 11वां रोड, पामस्त्रीगंस; 157 कफ परेड, कोलावा, बम्बई-400005	29-1 <b>-93</b>
8.	033077	श्री पुनावालाओ हेरमोहम्मद- भाई, जैंड० एम० पुनावाला एन क्रि. 5वां मंजला, रूम नं० 70-	

मोहम्मदी मंजिल,

बम्बई-400003

70 मोहम्मद अली रोड,

संजेटरी

1	2	3	4
9.	036437	श्री स्वामीनायन मुरारी,	7-5-93
		1223, शुक्रवार पेठ	
		सुभाष नगर रोड⊸4,	
		पुणे- 411002	
10.	000745	श्री जोशी दिनकर गणेश,	7-6-92
		8, मेचदूत, 162 तेकलवाडी	
		रोड, माहिम, बम्बई-40001	3
11.	004339	श्री देसाई भालुमाई गोपालजी,	12-4-93
		जीवन गृह, गडकरी स्ट्रीट ,	
		नवसारी	
<b>1 2</b> .	007315	श्री सादीकोट पक्टीन समसाद,	19-10-92
		रूम नं ० 13, करीमजी बिल्डिंग	
		19, भंडारी स्ट्रीट,	•
		बम्बई400003	
1 3.	07783	श्री कोठारी कन्हैयालाल	21-01-93
		मानको, कोठारी	
		कै० एम० एण्ड कं०,	
		71-73, अपोलो स्ट्रीढ;	
		2री माला, बम्बई-40002	3
1 4.	030218	श्री नादार विजय गजानन,	
		साई प्रसाद, 3रा माला	
		रामानंद सोसायटी के नजबीक,	•
		सुभाष रोड, एक्सटेंशन	•
		विले पारले (पूरव).	
		बम्बद्दै-400057	
15.	030220	श्री दवे विपक भिखाभाई,	3-12-92
		दियक दवे एण्ड कपनी,	
		30, एम्बेसी मार्केट,	
		विनेश हॉल के नजबीक	
		अ।श्रम रोड, अहमदाबाद-	
		380009	
1 Æ	031700	श्री रादादीया कालुमा <b>ई जेरा</b> ण	at
	001700	के अविरावादीयः एण्ड, कं	
		312 अक्षर बायमंड मार्केट,	
		अपो । नवरतन विश्वित,	
		मिनी दाशार-5	
		सूरत-375006	
		444-010000	

1	2	3	4
17.	036937	बी - 32 जुहू सन एम 0सी	28-7 <b>-93</b>
		जपाटंमेंट, 23-ची जुहू उ जुहू, मम्बई-400049	िंड,
18.		श्री माह भारत कांतीलाल, 17, क्यीन्स लान 3रा, मा एम०, व्ही० आर० विसे प सम्बई400056	ला,
		v.	के वजनवार

केन्द्रीय भविष्य निधि शायुक्त का कार्यालय नई दिस्ली-110001, विनोक 19 जनवरी 1994

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/455—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भविक्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि-नियम कहा गया हैं)।

चृकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि बाब्क्त इस बात से संत्रष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई बक्रण अंशदान या प्रीमियम की जवायगी किये बिना जीवन दीमा के क्य में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य नाओं से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

जतः उक्त अधिनियमं की धारा 17 की उपधारा 2 (क) वृंवारा प्रवेत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रांक्य, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दशायी गई हैं, के अनूसरण में तथा संख्यन अनुसूची-2 में निधारित कर्ती के एहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रवान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनकी नाम के सामने वृंशीया गया है ।

## अनुसूची-11 ह

			34			
कम सं०	स्यापना का नाम व पता	को <b>इस</b> ं०	भारत सरकार के ग्रधिसूचना दिनांक व सं० जिसके द्वारा छ्ट प्रदान की गई	छूट की प्रभावीतिथि	छूट बढ़ाई गई तिथि	कै० भ० नि० शा० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
	मै॰ इण्डचेम इलेक्ट्रोनिक्स लि॰ 47, डेवलपड ज्लाट फार इजेक्ट्रोनिक्स एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स मन्नास-96	टी ए/11109	2   1959   जी ०एल ०आई ०   85 दिनांक 1—8—90	26-2-9	0 1-3-90 28-2-93	1 - 1 - 1 - 1

1	2	3	4	5	6	7
2.	मै० शिवाकामी प्रेसिंग, प्लाट नं० 6	टी ए/	2/1959/डी ०एल ०आई ०/89	28-2-90	1-3-90	2/2736/90
	इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पुरुगुडी, मद्रास-96	17466	दिनांक 1-8-90		28-2-93	डी०एल आई०
3.	मैं० आर० एम० ट्रेडिंग कंपनी	टी ए/	–वही <b>-</b>	28-2-90	1- 3-90	2/2737/90
	156, थाम्बू चेहटी गली मद्रास⊸1	22300	दिनौक 29→8→90		28-2-93	डी० एल० आई०

# अनुसूची- 2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी स्विधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति को 15 दिन को भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) को खण्ड--क को अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षिण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक ब्रहार किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमौदित सामूहिक शौमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचमा पट्ट पर प्रविद्यात करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भिषय निधि का या उक्त किभीनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जातां है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसकी नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- ं6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृजित रूप से वृद्धि किएं जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक बनकुल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मवारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्म-चारी के विधिक बारिस/नाम निवाधितों को प्रतिकर के रूप में वोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना महीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोवन वोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना सिध्टकोण स्वष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर देगा ।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय अीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रख्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत हारीक के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निद्देशितों या विधिक वारिसों को जो मीद यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के बन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उक्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधिकों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्यित करेगा।

सी. एन. सोम, कौन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

#### विनांक 20 जनवरी 1994

सा. का. सं. 2/1959/डी. एल. आर्ह. /एक्जाम/89/भाग-1/463— जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें- इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिवटण निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि-नियम कहा गया है)।

चूंकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि जायुक्त इस बात से संत्ष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ख्वारा प्रदल्त कित्यों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सम्कार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिमचना, संख्या तथा निधि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शांगी गर्ड है, के अनसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निधारित शती के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अनधि के लिए छूट प्रदान करता हुं, जैसा कि संलग्न अनुमूची-1 में उनकी नाम के सामने दर्शाया गया है।

			ग्रनृ <b>स्</b> ची—I			
कम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं ०	भारत सरकार द्वारा दी गई अधिसूनना संव दिन क	ेष्ठूट समाप्ति तिथि	छूट प्रभावी ः तिथि	के०भ० नि० आ० फा०मं०
1	2	3	<del>-</del>	5	6	7
1.	मै० रेल इण्डिया टेकनीकल एण्ड एकोनोमिक सर्विस, लि०, नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ल	5633	एस-35014/112/83/ भी • एफ/2-6-86	20-5-89	21-5-89 20-5-92	2/666/83/ होिऽ एलाऽआ <b>ई</b> ०
2.	मै॰ सेन्ट्रल काटेज इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन आफ इण्डिया लि॰, जनपथ (ए) बैरक्स, नई दिल्ली— 110001	डी एस/ 1361	2/1959/डी एल आई/ एक्जम/89 29—1—93	30→9-90	1-10-90 30-9-9	' '
3.	मै० जय इंजीनियरिंग वक्स लि० कस्त्रवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली 110001	डी एस <sub>/</sub> 26 <b>9</b> 4	⊣वहीं 29- 1- 93	31-5-92	1-6-92 31-5-93	2/4396/92/ ত্তী ১ एল ১ সার্ছি ১
4.	मै॰ सोना फैशन्ज (प्रा॰) लि॰, एफ-163, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, न्यू दिल्ली- 110020 (साथ में इसकी शाखाएं)	डी एल/ 955उँ	-बकी- 2 2−1 2−92	31-12-9	1 1-1-92 31-12-94	, ,
5.	मैं ॰ फोरमोस्ट डायरीस, लिं ॰ 72 जनपथ, नई दिल्ली • 1	डी एल/ 3455	υн-35014 (149)/86 21-4-86	20-4-89	21-4-89 20-4-92	2/1442/86/ ভাঁতি एলত আ <b>ছ</b> ি
6.	मैं ० नेशनल काउनसील फार होटल सेनेजमेट एण्ड केटिरग टैक्नोलोजी लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा कम्प्लेक्स नई दिल्ली	ए.ल/ 9119	1/ 1 9 5 9/डी एल आई/ एक्जम/ 8 9/ 2 7— 7~ 9 2	30-11-92	1-12-92 30-11-95	2/4291/92 डा०एल०आई०
7.	गै० प्योर ड्रिक्स (न्यू दिल्ली) लि०, मोहन सिंह बिल्डिंग, कनाट लेन नई दिल्ली-110001	डी एल/ 1091	-वही 12- 12-90	28-2-93	1-3-93 29- <b>2</b> -96	2/996/93/ ही ० एल ० आई ०
8	मैं ० इण्डियन आयल लि ० स्कोप काम्पलेक्स कोर 2, ७ इन्स्टी- टूणनल एरिया, लोधा रोड, नई दिल्ला-110003	डी एस/ 1338	~बर्श- 1−8−91	22-5-93	23-5-93 22-5-96	2/131/78/ ডি. ন্ট্ৰিডসাইড
9.	र्तं ० केगफारमस लि ०, ४३१ प्रतोर, इरोस अगर्टमेंट, 56 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली—19	धी एल/ 3630	-वहीं 2 2- 1 2-9 2	31-1-93		2/4323/92/ ভীতদ্লত আইত

# अनुसूची II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियंजक (जिसे इसमें इसके पर्धात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आगुक्त, को ऐसी विवरिणयां भेजेगा और ऐसे लेका रक्षेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाएं प्रधान करेगा जो केन्द्रीय भिवष्य निधि अगुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उस्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के लण्ड-क के अधीन समय-समय पर निवर्ण करें।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना. विगरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदार, लेखाओं का अतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने बाले सभी व्ययों का वहन नियोजक दुवारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति नथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचना पट्ट पर प्रदिन्त करेगा।

2-169GI/93

- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्था-पना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उस्की स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक दीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आयश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदन्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों की उपलब्ध लाभों में सम्चित्त रूप से बिद्य किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुक्र्स हो जी उक्त रकीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हारे हाए भी यदि किसी कर्मचारी की मत्य पर इस स्कीम के अधीन संदंय राशि उस राशि से कम ही जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, निगोजक कर्मचारी के निधिक बारिस/नाम निटांशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपवंधों में कोर्ब भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निश्चि अध्यवत के पर्व अनुमोतन के बिना नहीं किया जायेगा और जन्में कियी मंद्रोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभारना हो, बबां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोतन होने से पर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का यिक्त-यक्त अवसर दोग ।
- 9. यदि किसी कारणवृक्ष स्थापना के कर्मचारी भागनीय जीवन शीमा निगम की उस सामहिक हीमा स्कीम के. जिसे स्थापना पहले अपना चकी हैं अधीत नहीं रह जाता है या हम स्कीम के अधीन कर्मचारियों को पाप्त होने बाले नाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रखद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश निगोजक उस नियत नारीस के भीतर जो भारतीय जीवन कीमा निगम निगम करें. प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता हैं और पानिसी को त्यपगत हो जोने दिया जाता है तो छाट रदद की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधिकों या विधिक वारिसों को जो गदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के लधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निवासितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्चित करोगा।

वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/471—जहां अनस्ची-1 में उिल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थाणा कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत कट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भिष्ठिय निधि आयक्त, इस बात से संतर्क हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंद्रदान या प्रीमियम की अवायगी किए जिना जीवनडीमा के रूप में भारतीय जीवन डीमा निगम की स्पान्तिक डीमा स्कोम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहववध डीमा स्नोम. 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्कल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) दवारा प्रवत्त शिक्ताों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भिविष्य निधि अग्रक्त की अधिस्ताना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के समने दर्शाणी गई है, के अनसरण में तथा संलग्न अनसची-2 में निर्धारित शतों के रहते हुए में, बी. एन. सेम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 यर्ष की अवधि के लिए कट प्रवान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसची-1 में उनकी नाम के सामने दर्शाण गया है।

जान !	विभाजाताही तो छट्ट रेंद्द की जासक	कती हैं।	उनको नाम के सामने दशीया गया है । अनुसूची—I				
*कम स <sup>*</sup> ०	स्थापना का नाम व पता	कोड संख्या	स्थापना को छट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं ० तथा तिथि	छूट की समाप्ति की तिथि	ग्रवधि जिसके लिए और छ्ट दी गई है	 के० भ ० नि० आ ० फा०स ०	
1.	मै० कृष्णावेली कानन, 243/3 मीनाओं नगर,अरुप्कोटाई मेन रोड मदुराई-12	टी एन/ , 955—ई	2/1959/डी एल/एक्टेंग0 89/भाग-1 दिनांक 14-3-90	30-11-91		से 2/2446/91 डी०एस० आई०	
2.	मैं∘टी॰ आर० डी॰ सेनथाई कुपार, वीर बहाथारपील्परी कम्पाऊड मेन रोड, मब्राई – 12	टी एन/ , 955—ई	दिनांक 291 <b>-</b> 90	30-11-91		2/2458/90, 4 ছীত্তলত্ত্বাইত	
3.	मैं० के० दिख्या वाई एफ एण्ड जी०	टी एन/ 955 <b>ए</b> ल	<b>–</b> वही	−वही	⊶वही	्र्यं 2 4 5 9 / 9 0 डी० एल० आई०	
4.	मै०टी० आर० एस० विजयराम, 11 वसन्त रोड़, मद्राई—2	टी एन/ 8911—बी	- वही	⊸बही-	वही	2/2467/90/ ৱী০ एল০ সাई০	

## अनुसूची - 2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परवाह नियोजक कहा गया हो) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, को एसी विवरिणयां भजेगा और एसे लंखा रखगा तथा निरीक्षण की एसी सुविधाएं प्रवान करोगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त, समग-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियंजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के सण्ड-क के अधीन समय-समाग पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लंखाओं का रखा जाना, विवर्णाण्यों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमिणम का संदाय, लखाओं का जन्तरण, निरोक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी वायों का वहन नियोजक व्यार किया जाएगा।
- 4. नियोजक, कोन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उस कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बह संख्या की भाषा में उसकी मूख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा ।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्स मिधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा रकीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी वाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाओं में समृचित रूप से वृद्धि किं। जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अमृज्ञेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राहि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती तब तक उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/हाम निद्निश्तों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिष्टिय निधि आयुक्त अपने अनुमेदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भिष्टिय निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इन्दिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी करणवश स्थापना के कर्मवारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता हैं या इस स्कीम को अधीन कर्मचा रयां को प्राप्त होने वाले लाभ किसी राति स कम हो जात हैं तो यह रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता है सो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम को दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छाट दी गई होसी सो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर हुगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्रिक्तिं/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आहं./एक्जाम/89/भाग-1/511—अहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इस्में इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चृंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्स इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारों को हैं अलग अंकदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन की मा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जोिक एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

यतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्यारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि वायुक्त को अधिस्चना संख्या तथा तथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई हो, के अनुसरण में तथा संल्यन अनुस्ची-2 में निर्धारित कर्ती के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपवंशों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुस्ची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

# अनुसूची--1

			3%			
क क स०	स्थापनाकानाम अपता	कोड सं०	भारत सरकार के अधि- सूचना दिनांक व सं० जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई	 छूट की प्रभावी तिथि	 छूट बढ़ाई गई तिथि	के०भ०नि०आ० फा०सं०
1.	मैं आधा प्रिटर्स लिं पार्वार राव 712 लक्ष्मीपेट विजयाबाडा-320010 (एरपीर)	ए०पी०/ 1480	2/1959/डी ०एल ०आई ०/ एक्जम/89/भाग-1 विमांक 7-4-93		29-9-92 28-9-95	2/1473/86 डी॰एस॰आई॰
2	मै ० होटल मनोरमा 27-38-61 बन्डर रोड, विजयाबाडा-520002	ए०पी०/ 4343	त्रही दितोक 29-192	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/4386/92 <b>-</b> डी०एल०आई०

# अन्सूची- H

- ं उक्त स्थापना क सबध के नियाजक (जिसे इसमें इसके व्यक्तात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भीवव्य निधि आय्वस को एकी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाए प्रवान करोगा जा केन्द्रीय भीवव्य निधि आयुक्त समय-समय पर निधिष्ट करों।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोग जो केन्द्रीय सरकार, उन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निद्यास करों।
- 3. नाम्हिन बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत ने बाओं का रका जाना, जिबरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीम्थम का सदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्यारा किया जाएगा।
- 4. नियांजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बौमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें सद्योधन किया जाए, तब उस संदोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का वा उक्स अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहलं सं ही सदस्य हो, उसकी स्थापना मो नियोजित किया जाता ही तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप मो उत्तका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक शीमियम भारतीय जीवन बीमा निगर को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उनस स्काम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्काम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृत्धि किये जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहैक बीमा स्काम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर्ल हो जो उक्त स्वीम के अधीन अनुद्धे हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी वर्ष किसी कमचारों को मृत्यू पर इस रकीम के अधीन संदेष रेखि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेष होती जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिश/राम निदींशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अहर वराबर राशि का सदाय करगा।
- 8. साम्हिक वीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, बहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अत्रसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रखद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारी के भीहर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यापनत हो जाने विया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों वा विधिक व्यक्तिकों को जो यदि यह छूट दो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निक्टिंशतों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्क्रित करेगा।

बी. एन. संस्म, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

# दिनांक 25 जनवरी 1994

सं. 2/1959/डो. एल. आई./एक्जम/89/माग-1/526—जहां अन्मूची-1 में उिल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे एसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहां गया है)। कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के बिस्सार के लिए आबेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पञ्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संस्टूट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंदादान या प्रीमियम की अदायगी किये दिना जीवन दीमा के रूप मा भारतीय जीवन वीमा निगम की सामृहिक वीमा रकीम का लाभ उटा पहें दी, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी मिहार महत्व्य बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उत्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 2 (क) द्यारा इयत्त इवित्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रातय भारत सरकार/केन्हीय भिष्टिय निधि अधुक्त की अधिसूचना संस्था नथा निधि को प्रत्येक स्थापना के गास के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण मा तथा भलग्न अनुस्ची-II में निधारित हार्गों के रहते हुए मैं, बी. एन. रोग, उक्त स्कीम के सभी उपअधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष को अनिधि के लिए छूट प्रदान धरता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

### अनुसूची-H

क्र स∘		कोडस०	भारत सरकार की अधि- सूचना सं० व दिनाक	छूट समाप्त तिथि	छूट प्रभावी है तिथि	के०भ०नि०आ० फा०सं०
1		- टी॰एन॰/ 10649	2/1959/डो॰एल ∘आई० <sub>/</sub> एक्जम/89/10→12-92	30-11-90	1-12-90 30-11-93	2/4412/92- दी०एल०आई०
2	. मै० श्री दिग्नेश्वरा इंजीनियरिग 1095 अवनाणी रोड, पी०एन० पाल।यम, क्षोयम्बटूर–37	टी ०एन ०/ 11985	बही 28 5 90	31-12-90		2/2682/9 <b>0⊶</b> 3 डी०एल०आई०
<i>i</i> .	मै० राजधी स्पिनिग मिल्स प्रा०लि०, 6/7 कज बेल फुरुचो रोड, पीलोमीड् कोयस्वटूर – 4	टो॰एन॰  1 <b>75</b> 05	त्रहो 6-4-93	31-1-91	1-2-91 31-1-94	2/4611/92 <b>–</b> डी॰एल०आई०
4	. म० श्री जक्ष्मी गायत्नी इजीनियरिंग वर्ग्स लि० 360 मैंन रोड करमार्दं गोयम्बद्र641014	टी॰एन <i>॰।</i> 1 <b>92</b> 50	बही 2-1-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3303/90 डी०एल०आई०
5	. मै० एम० एम० सस टैक्सटाइल्स सोरो पालायम, पो०आ० कायम्बटूर641028	टो०एन०/ 21346	पहीं 2ङ 1 9 1	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3246/90- क्षी उएल ०आई ०

# अनुसूची- 11

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरोक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अदिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के पेशन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विविरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोबित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संज्ञोधन किया जाए, तब उस संज्ञोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहू-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सृचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त जाधानसम के अर्थान छूट प्रान्त किसा स्थापना का भावत्य निधि का पहल स हा सबस्य हा, उसका स्थापना मा । नया जिता ाक्या जाता हा ता, नियाजक साम्। हक बीमा स्कोम क सबस्य क रूप में उसका नाम सूरन्त दर्ज करणा और उसका बाबत आवस्यक प्रीमियम भारतीय जावन बीमा निग्म का सदल करणा ।
- 6. यदि उक्त स्कोम के अधीन कमचारिया का उपलब्ध लाभ बढ़ाए जात ह ता नियाजक सामृहिक बामा स्काम के अधीन कमचारिया का उपलब्ध लाभा म समूबित रूप स वृष्ध किए जान का व्यवस्था करगा, जिसस कि कमचारिया के लिए सामृहिक बामा स्काम के अधीन उपलब्ध लाभा से अधिक अनुकृत हा जो उक्त स्कोम के अधीन अनुकाय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम मा किसी बात के हाते हुए भी याद किसी कमचारा की मूत्यू पर इस स्काम के अधीन सदय राश उस राश स कम हो जा कमचारा की उस दशा मो सदय हाती जब वह उक्त स्काम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के वि। धक वारिस/नाम निविधितों को प्रतिकर के रूप मो दानी राजियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृाह्क बीमा स्काम के उपबन्धों में कोई भी सशोधन संबाधत क्षत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमदन के बिना नहां किया जाएगा और जहां किसी सशोधन सं कम नारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़न को सभावना हो, बहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना शिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होंने वालं लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रवद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का संवाय करने मो असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।

- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसा व्यातकम का दशा में उन मृत सवस्या के नाम निर्देशकों या व्याधक वारिसा का जा था याद यह छूट न वा गई हाती सा उक्त स्काम के अन्तगत हात, बीमा नाभां के सवाय का उत्तरदायिक नियाजक पर हांगा।
- 12. जनत स्थापना क सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाल किसी स्वस्य की मृत्यू हानं पर उसके हंकवार नाम निविधितां/विधिक बारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त हान क एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

भी एन सोम, भोन्द्रीय भनिष्य । निध आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/534—जहा अनुसूची में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसक पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया हा) कमचारा भाषण्य निधि आर प्रकाण उपबन्ध आधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया है (जिसे इसमें इसक पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया ही)।

जूंकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मवारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहा है, जांकि एसे कर्मवारियों के लिए कर्मवारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पहचात् स्कोम कहा गया है)।

कतः उक्त विधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) व्यारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई हैं, को अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित धार्ती के रहते हुए में, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्कत स्थापना को और 3 धर्ष की अविधि के लिए छूट प्रवान करता हुं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनस ची----[

फ्रः० स्थापनाकानामं व पता सं०	कोड सं०	भारत सरकार की अधि – सूचना दिनाँक व सं० जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई	छूट की समाप्ति तिथि	छूट <b>बढ़ाई</b> गई तिथि	के०भ०नि०आ० फा० सं०
<ol> <li>मैं० रायल कलकता ट्रफ कल्ब</li> <li>11, रुसल स्ट्रीट कलकता—71</li> <li>मैं० एरिम मेटल इण्डस्ट्रीज प्राठ लि०</li> <li>23, कान बेंट रोड कलकता—</li> <li>700014 तथा इसकी शाखा सहित</li> </ol>	¥क्ल्पू०बी०/ 9400 ''/1864	2/1959/डी०एल०आई० एक्जम/9-1-90 बही 30-7-92	30-11-91	30-11-9 1-1-92	2/2308/89— 4 डी०एस०आई० 2/4339/92— डी०एस०आई०
<ol> <li>मैं० स्टोत आफ इण्डिया लि० सैन्ट्रल मार्कीटिंग आरगेनाइफेशन इस्पात भवन 40 जे०एन० रोड कलकत्ता-71</li> </ol>	"/9057	<b>म</b> ह ' 1 <b>4-2-9</b> 2		6-9-90 5-9-93	2/1053/84 <b>→</b> डी॰एल॰आई०
4. मैं किर्नोस्कर इलैंक्ट्रिक क लिंक 3 री मंजिल, 7, कैंमक स्ट्रीट कलकत्ता-700007 शाखा सहित	"/14118	चत्रहोंच- 2 2च7च91		17-1-91 16-1-94	2/269/79 <b>-</b> डी॰एल०आई०

### अम्स्ची- II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजन (जिसे इसमें इसके प्रचात् नियोजन (जिसे इसमें इसके प्रचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विकरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा किरिक्षण के लिए ऐसी सूविधाएं पदान करोगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करों।
- 2. निवाजक, एसे निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जे केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लंड-क के अधीन समय-समय पर निवाँ करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के पंचान में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रसा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहर नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनमेनित सामिष्ठिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उत्पर्ध संबोधन किया आए, तब उस संबोधन की प्रति तथा अर्मवरिण्यों की बहा-संस्था की भाषा में उसकी मृत्य बातों का अनुवाद स्थापना के राष्ट्रा पहुट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उन्नस अधिनियम के अधीन काट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना भे- निर्पार्टिंग किया जाता है तो निर्पार्टिंग सम्मित्रक दीस्र स्कीस के स्वस्य के स्था में उसकी नाम सरन्स दर्ज करोगा और उसकी ब्राइस आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निरम की संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- जारियों को उपलब्ध लाभों में समिचित रूप से बिद्ध किए असे की व्यवस्था करेगा. जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामित है बीमा स्कीम के अधीन जपलब्ध लाभों से अधिक अनकाल हो से उक्त स्कीम के अधीन जपलब्ध लाभों से अधिक अनकाल हो से उक्त स्कीम के अधीन अनुजों हैं।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बाह के होते हाए भी यदि किसी कर्मचारी की महम पर इस स्कीम के अधीन संदोर राजि सो कम की जो कर्मचारी की उस दशा में संदोर होती जब तक दह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के सांधिधिक बारिस/नाम निदांशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रिशयों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आग्क्त अपनी अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और उन्नां किसी संशोधन से कर्राचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, बहां क्षेत्रीय भिज्ञिय निधि आयक्त अपना अनमोदन दोने से पर्य वर्षचारियों को अपना हरिटकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवर स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन सीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहणे अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश निरोजक उस नियन तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा जिनम निरास करों, प्रीमियम का संदाय करने मो असफल रहता है और पारिसी हो व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियक के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक म की द्या में उन मूल सदस्यों के नाम निष्यिशियों या विधिक यारिसों को जी यदि यह जूर ए दी गई होती हो। उन्हें स्कीम के अरूरी होते, बीका राभों के संदाय का उन्हराधिता नियोजक पर होगा।
- 12 उन्हें स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीर आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्विक्तों/विधिक बारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निष्टिक करोगा।

बी. एन. सोम, कृते केन्द्रीय भरिष्य निधि आयक्त

मं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/542—जहां अन्सणी-1 मो जिल्लिखित नियोकताओं ने (जिसे इसमें इस हे परचान् उन्तत स्थापना बहा गया है) कर्मचारी भिक्षिय निधि और प्रकर्णि उपबन्ध अभिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपभाग २(क) के अन्तर्गत छूट के विश्वार के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके परचात् उकत अभिनियम कहा गया है।

चृकि मैं, बी. एन. सोम, केंद्रीय भविष्ट निधि आयुक्त इस बात से संगष्ट हां कि लक्द स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंगदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भागीय गीवन बीमा निगम को समित्रिक नीमा स्वीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेद स्हबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अनार्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमो इस्ने पश्चार्य स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्न अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदेन शिक्तयों का प्रयोग करते हुए स्था श्रम मंत्रालय भारत सरकार फेन्द्रीय भिवष्य निधि आगवत की अधिगजन संख्या तथा निथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शी गदी हैं, के अन्सरण में तथा संलग्न उनस्ची-II में निर्धारत शर्नी के रहते हुए में, बी एन सोम, उक्न स्कीम के सभी उपवन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की भविध के निए छट प्रवान करना हूं जैसा कि संलग्न अनुस्ति । में उन्हों नाम के सामने दर्शीय प्रया है।

	अनुस्ची−ा							
क क सं ०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं ०	भारत सरकार के अधि- सूचना दिनांक व संख्या	छूट सभारत तिथि	छूट प्रभावी तिथि	के <b>०भ० न०आ०</b> फा०सं०		
1.	मै । किनारीवाला डाईगैम इण्डस्ट्रीज एस- 52 मैन इण्डस्ट्रियच एस्टेट बानू नगर अहमदाबाद	जी बजे ब/ 1285	2/1959/डी०एल०आई०/ एक्जम/89/भाग→1/ 15→5→90	31-1-92	1-2-92 31-1-95	2/2357/89- डी०एन०अ(ई०		
2.	मैं ० हरी हुया पेपर कम्पनी 647, काडियचार सस्ता नवा दरवाजा कोड अहमदाबाद	"/6686	त्रही विनांक 31-3-91	30-6-92	1-7-92 30-6-95	2/ 3380/ 91 <b>→</b> डी०एल०आई०		
3.	मै ० हिमातनगर नागरिक सहकारी दैंक लि०, हिमात नगर–383001 जिला–सहारकान्था	"/14376	वही दिनांक: 15778	14-7-91	15-7-91 14-7-94	2/1772/88~ डी॰एल०आई०		

# अनुसूची ।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया हैं) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवरय निधि आयुवत, को ऐसी विवर्णणयां भेजेगा और ऐसो लेखा रहोगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निरीक्ष आयुक्त, समय-स्थय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की सम्पण्ति की 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उन्न अविनीन्त्रम् की धारा 17 की उपधारा (3-क) के नण्ड-क ने अधीन समय-समय पर निर्दोश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेलाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियय का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय जादि भी है, होने बाले सभी अवशें का बहुन नियोजक दशारा विवया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्यारा अन्मोदित सामृहिक दीगा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जन कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस मंशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की उत्तु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अन्दाद स्थापना के रूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भिष्य निधि का गा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिष्य निधि का गहले से हो सबस्य हैं, उसकी स्थापना में नियंजित किया जात हैं तो, निरोजिक तामृहिक बीसा रकीम के सबस्य के हम में उसकी बाबन अवश्यक पीमियम भारतीय जीवन की गा निगम को संदन करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाग बढ़ाए जाते हैं तो निर्गेजक साम्हित बीमा स्कीम के अधीन अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाभों में समितित रूप से बिट्य किया जाने की अक्रमण असीग, जिससे कि उपलब्ध लाभों में अधिक उपलब्ध लाभों में अधिक उपलब्ध लाभों में अधिक उपलब्ध लाभों में अधिक उपलब्ध लाभों में अधिक

- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन सदेय राणि से कम हाँ जो कर्मचारों को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निदांकितों को प्रतिकर के रूप में वीनों राशियों के अंतर बराबर राशि का मदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोबन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किमी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आणुक्त अपना अनुमोबन दोने से पूर्व कर्मचारियों की उपना एष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिय्वस्त अवसर दोग ।
- 9. यदि किसी कारणबंध स्थापना के कर्मचारो भारतीय जीवन ग्रीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना रूकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किमी रीति से कम हो जाते है शो यह रखंद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस तारील के भीतर को भारतीय जीवन बीमा नियम नियस कर, श्रीमियम का सदाय करने में उसफल रहता है और पालिसी की व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो श्रुट रवृष् की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा शीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की देशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक विरिसों को जो यदि यह छुट न वी गई होती तो उक्त रकिए के अंतर्गत होते, हीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हककार नाम निविधियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एस. सोम, केन्द्रीय भविष्य सिधि आयुक्त

#### दिनांक 27 जनवरी 1994

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एवजम/89/भाग-1/582—जहां अनुसूची-1 मे उल्लिखित नियोक्साओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया हु) कर्मभारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गर छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्तः अधिनियम कहा गया है)।

मृक्षि मं, बी. एन. सोम, कन्द्रीय भविष्य निश्व आयुक्त इस जात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंधादान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हुं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभ स अधिक अनुकृत हुं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा रणा हुं)।

अतः उन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा अवल सिन्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत राजार/हेन्द्रय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसृष्वना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई ही, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुमूनी-१ के रिधित देशी के रहते हुए में, बी. एन. लेभ उका स्कीम के सभी उपबंधी के संवालय से प्रत्येक उक्त स्लागना की और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा ा संलग्न अनुमूची-1 ने उनकी नाम के सामने दर्शीण एका है।

## अन्मूची-1

ऋ∘ स•	स्थापना का नध्म व पना	कोड सं०	भारत सरकार द्वारा दी गई अधिसूचना सं० व दिनांक	 छूट समाप्ति तिथि	 छूट प्रभावी तिथि	स ०भ० नि०आ० फा०सं०
1.	मै० गुजरात ट्रांसफामसं प्रा० लि० मनेजा, बङ्गीदरा— 390013	जी जो ०/ 2524	2/1959/डी०एन०आई०/ 89/भाग-1/15590	31-791	1-8-91 31-7-94	2/2359/89- डी०एल०आई०
2.	मैं० पोलीचेम लिं० ए०बी०एस० प्लान्टस, 18पी०सी०सी० एरिया, पो–मेट्रोफाइल्स, बड़ौदरा–391347	"/10032	⊸-बहो⊸- दिनांक 29-890	28-2-90	1-3·90 28-2-93	2/891/83- ৱী ৹ एল ০ <b>সাৰ্ছ</b> ০
3.	मै० अंजालिम इजन्टरप्राइजेज प्रा० लि० 101 बी०एन० चैम्बर्स आर०सी० दत्त रोड	"/10481- ए	·वही दिनांकः 4-4-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3390/91 क्री०एल०आई०
	मै० श्री नरहरी आरोग्या केन्द्र नारायण भवन फतेहगंज बड़ौबा–390002	"/11743	वही दिनॉक 5493	311292	1-1-93 31-12-9	2/4450/92 5 डी॰एल॰आई॰

# अनुसूची- $oldsymbol{H}$

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचात् नियोजक कहा गया हैं) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा सथा निरौक्षण के लिए ऐसी सृषिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, जक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वोक्ष करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के पेंशन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय खादि भी है, होने वाले सभी क्षायों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्यारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

3-469 GI/93

- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भिष्य ितिथ का या उनत अधिनियम के अशीन छूट प्राप्त िकसी स्थापना की भिष्य ितिथ का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में दिये जित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सूरन्त वर्ष करोग और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम शारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्य करोग ।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बहाए जाते हैं तो निगोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समचित रूप से बद्धि किए जाने की बावर्या करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल को जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकेष हैं।
- 7. रामितिक बीमा स्कीम में किसी बाल के हांते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती उन तक उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के सावधिक बारिय/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी गंशोधन संबंधित के त्रीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अनमोदन के जिना नहीं किया जाएंगा और उहां किसी संबोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निभि आयव्त अपना अनमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्ति-गुक्त अयसर दोगा।
- 9 यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीगा निगम की उन सामितिक बीमा स्क्रीम के जिसे स्थापना पहले अपना चकी है अधीन नहीं रह जाना है गा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं नो यह रदव की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस के शीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करों, प्रीमियम का संदोग करने में अरफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता ने शो छाट रहद की जा गतती है।

- 11. निगोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्दिशाती या विधिक वारिकों को जो यदि यह छूट न दी गई होनी तो उकत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदसा की मृत्यू होने पर उसके हकवार नाम निद्विधित विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक बाह के भीतर सनिष्टित करोगा।

वी. एत. सोम कोन्द्रीय भविष्य निरिः आयुक्त कृते : कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

ग. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/590—जहां अनुस्ची-1 में उल्लिखित नियोक्सओं ने (जिसे हामें इसके पश्चात् उत्तत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उष्टन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के ब्रिन्तार के लिए आयेक्स किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं. थी. एन. सोम, केन्द्रीय भिष्ण्य निधि स्वायक्त इस बात से संत्ष्ट हुं कि उन्त स्थापना के कर्मचारी कोर्क अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए दिना जीवन दीमा के रूप में भारती। जीवन दीमा निगम की सामहिक दीमा रकीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एमें कर्मचारियों के निगण कर्मचारी निक्षेप स्टब्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लागों से प्रिक अनुकाल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कना गया हैं)।

अतः उक्त विधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ध्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त की अधिसचल संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने ध्वारी गई है, के अन्सरण में तथा संलग्न अन्मची-II में निधिरित करों के रहने हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविधा के लिए छूट प्रदान करता हां जैसा कि संलग्न अन्स्ची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाण गया है।

अनुस्ची-1

क्र सं ०	स्थापना का नाम व पना	कोड सं०	भारत सरकार द्वारा दी गई अधिसूचना सं०व दिनांक	 छूट समाप्ति तिथि	 छूट प्रभावी तिथि	के०भ० नि०आ० फा०सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैं • इण्डो जर्मत प्लाटेशन मशीनरी कं प्रा० लिं ॰ सं० 22-एं 3री मैंन रोड फर्स्ट फेस पी०अ ई०ए० बंगलीर	के०एन०/ 2438	2/1959/डी ०एल ०अ.ई०/ 7-4-93 7-4-93	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/4573/92- श्री ०एल०आई०
2.	मं ० ग्रोवेल इण्डिया प्रा० लि ० सं ० २१ ए अरी मैन रोड फर्स्ट फेस पी०जे०ए० बैंगलूर 58	"/2524	⊶-वही 7493	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/4574/92 <b>–</b> डी०एल०आई०
3.	मैं बो॰ जें ० एन्टप्राष्ट्रजेण प्राव्ति ० सेंट पैटोक्स कम्पलैक्स अरी मंजिल क्रिगेड रोड वैंगलीर-25	"/8168	वही 25-9-89	31-3-91	1-4-91 31-3-94	2/1930/88→ डी०एल०आई०

1	2	3	4	5	6	7
बी बेल 5. मैं० डेरि	बम्बई ब्रूस बेलगांव प्रा० लिं०  -3/बा-4 एंजल इण्ड० इस्टेट गाव-8। जा० एण्ड जॅ० कोमनीकेशन वस प्रा० लिं०	" /11455	2/19 59/डा॰एड 17-11-90 बही 7-4-93	•	28-2-93	90 2/3085/90- फ्री॰एल॰आई॰ 2/4776/92- फ्रा॰एल॰आई॰
सन	क्ताडाकडे बंगलौर⊸560091					

# अनुसूची-][

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेका रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंम्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के पेंशन में, जिसके अंतर्गत सेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, कोन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाक स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारि ों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए रामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध साभों से अधिक अनुकर्ल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामूहिल वीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किमी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब तक उक्त रकीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निद्भेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के उन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपबन्धी में कोई भी संशोधन संस्कृतिक क्षेत्रीय भिवन्य निधि आय्यस अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हि। पर प्रतिकृत प्रभाग पड़ने की संभावना हो, कहां क्षेत्रीय भिवन्य निधि आय्कत अपना अनुमोदन बोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिव्दकीण स्पष्ट करने का युवित्युक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहल अपना चुकी हैं अधीन नहीं रहे जाता है या इस स्काम के अधीन कर्मचारियां को प्राप्त हाने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो छुट रहद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियंत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसों को व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द को जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक की द्या में उन् मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक यारिसों को जो यवि यह छूट दी गई होती तो उक्स स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभा के सदाय का उत्तर्दायस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अमधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने प्र उसके हकदार नाम निद्रिकां/विधिक वारिसो की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्कित करोगा।

बी. एन. सोम, कन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्स कुले: कन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सा. का. सं. 2/1959/ड. एल. आई/एक्जाम/89/भाग1/598—जहां अनुसूची-1 में जिल्लिखत नियायताओं ने (जिसे इसमें इसके पहचात् उक्त स्थापना कहा गया ही कर्मचारी भिक्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अतगत छूट के विस्तार के लिए आववन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

ष्ंिक में, की. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से सतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

बत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त की अधिसूषना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में संध्या संख्या तथा कि सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में संध्या संख्या अनुसूची-2 में निर्धारित शतीं के रहते हुए मैं, बी. एन. साम, उन्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 धर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हो जैसा कि संचय्य अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शीया गया है।

उधाना-394210, सूरत।

			अनुसू <del>ची</del> I			
क ० स ०	स्थापना का नाम घ पता	कोड संख्या	भारत सरकार की अधिसूचना सं० व तिथि	छूट समाप्ति तिथि	छूट प्रभावी तिथि	के∍भ ∘नि०आः; फा० सं०
1.	मै॰ श्री वाई॰ एस॰ सिन्टैक्स प्रोजेक्ट लि॰ श्री अम्बिका मिल्स नं॰ 2, कनकरिया रोड, अहमदाबाद ।	जी जे ्/ 307	2/1959/डी ्एल त्आई ० 8-4-93	16-12-92		2/326/80- डी ॰एल ॰आई ॰
2.	मै ॰ स्टैण्डर्ड इण्डस्ट्रीज नवाब वादी, बेगमपुरा, सुरत-395003	जीव्जेः/ 501	वही 22-4-93	31-7-92	1-8-92 31-7-95	2/4762/92— जीव्यलक्षाईव
3.	मैं ॰ बी अन्प इंजीनियरिंग प्रा॰ लि ॰, बा॰नं॰ 1158, अहमदाबाद- 380002	जी जे ः / 1912	बही 21-1-88	1-3-91		2/1165/8 <b>5</b> डी॰एल॰आई॰
4.	मै ॰ बाट लियाय एंड कं ॰ लि ॰, डाकघर बड़ौदा रेयन उधाना-394220	जी ब्जें e/ 4476	बही 6-4-93	1-10-91	2-10-91 1-10-94	2/663/82 <del>-</del> स्री ०एल ०आई ०
5.	श्री कृष्णा केशव लेबोटरीज लि ०, अमरवाडी रोड, अहमधाव/द	जी ंजे ल/ 5227	बही 54-93	30-9-92		2/275/79— डी ॰एल ॰आई ॰
6.	मैं तरांग रसायन एजेंसीज, मेनन बंगला कम्पाउण्ड सेंट्रल बैंक के पीछे, अमबावादी, अहमदाबाद।	जी ब्जे ०/ 10326	बही 1710-92	31-10-9	2 1-11-92	_
7.	मैं ॰ गुजरात कोप ॰ अ।यल सीडर ग्रोवर्स फैंडरेशन लि ॰, नरायन चम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009	जी ०जे ० 11429	वहीं 8-4-93	31-12-93	2 1-1-93 31-12-95	2/4434/92- डो ०एल ०आई ०
8.	मैं० के बी० मेहता एंड कं०	जीत्जेः/	—–वही—–	28-2-92		2/3327/90-
9.	धुन हाउस, भावरा, अहमदाबाव मैं ० कंडीट्रोनिक्स प्रा ० लि ०, ए-1 3708 फेस 4, जी ०आई ०डी ०सी ० वतवा, रामल गांव, वर्षे सं ० 424, अहमवाबाव।	11784 जी०जे० 12250	16-2-91 वही- 22-3-88	11-8-90		डी ०एल ०आई ० 2/1056/84 डी ०एल ०आई ०
10.	मै ० शाहीबाग, नपरोजी वकील कम्पाउण्ड, पुलिस लाइन सावीबाग, अहमदाबाद-380004	जी∘जे <i>∘ </i> 14299	–वहीं–– 6–4–93	31-8-92	1-9-92 31-8-95	2/4512/92- डी ॰एल ०आई ०
11	. मैं ० ईस्टांबीसन सिस्टम (इण्डिया) प्रा ० लि ०, प्लाट सं ० ३५ - शसनपुर, अहमदाबा	जी व्जे व्/ 14616 द।	——बही—— 30 <del>-</del> 1-91	6-2-92	7-2-92 6-2-95	2/1328/85 <b>-</b> डी ॰एल ॰आई ०
12	. मै ० प्रदीप इंजीनियरिंग वर्क्स, अनिल स्टार्च के पीछे, निकल आद्राय के पास, अहमदाबाद ।	जी ∘जे ∘/ 15881	2/1959/डी ०एल ०आई ० 5-4-93	28-2-92	2 1-3-92 28-2-95	2/4452/92— डी ॰एल ॰आई ॰
13	. म० अविर्श केमिकल्स एंड फर्टिल इजर्स लि०,	ों जी∘जः -/ 1366	एस-35014/55/88- 15-7-88	14-7-91	15-7-91 14-7-94	2/1803/88 - बी॰एस॰आई॰

# अनुस्ची-11

- 1. उक्त स्थापना को सम्बन्ध में नियांजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोंजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भंजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण को लिए एसी सृविधाएं प्रदान करेंगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निदं का करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत के साओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का आदि भी है, होने बाले सभी ब्ययों का बहुन नियोजक व्यारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिः और जद कभी उनमें सक्षीधन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्थना पट्ट पर प्रविधात करेगा।
- 5. यदि कोइं एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भिवष्य निधि का या उक्त किथिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भिवष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत बावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनृकाल हो जो उदत स्कीम के अधीन उनुकाय हैं।
- 7. सामृहिक वीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यांद किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम हैं जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के सावधिक वारिसों/नाम निवंशितों को प्रतिकर के रूप में दीनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपयंभों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना डिप्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवृक्त नियोजक उस नियस तारीश के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में उसफल रहता है और पालिसी को ध्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रहूव की जा सकती है।
- 11. नियोजक ध्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वका में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों मा विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न धी गई होती तो उकत स्कीम के बंतर्गत होते, बीमा नाभों को संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना की संबंध मे- निवोजक इस स्कीम की अधीन जाने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधिक विधिक वारिसों की बीमाकृत रावि प्राप्त होने के एक माह के भीक्षर सुनिविचक करोगा।

बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/606—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपज्ञन्थ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपभारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि में, बी. एतं. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मबारी कोई प्रलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा कि रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मबारियों के लिए कर्मबारी निक्षेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् रकीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ब्वारा प्रवत्त किक्तयों का प्रयोग करते हुए सथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिस्कृता संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शतीं के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संवालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुस्ची-1 में उनके नाम के सामने वर्शाया गया है।

			अनुसूची⊶1			
- ऋं० सं०	स्थापना कानाम वर्षता	कोड संख्या	भारत सरकार की अधि— सूचना दिनांक त्र संख्या जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई।	कूट समाप्ति की तिथि	ष्ट्र की बढ़ाई गई तिथि	के०भे०नि आ० फा०सं०
1.	मैं बी बड़ौदा रेयन कोर लि ०, पो ब्झार फतेह नगर, सुरत~394220 तथा इसकी माखा सहित।	जी जे ः/ 1383	एस-35014/193/83- भा/एस व्एस० 11/ 29-1-87	:		2/213/79/ डी एल आई ॰
2.	भै ॰ के एस ॰ इंजीनियरिंग वक्सें, एस~58, म्यृनिसिपल इण्ड ॰ एस्टेट, बापु नगर, अहमदाबाद।	जी जे ्/ 1969	2/1959/डी अएल व्याई ः/ एक्जम/89/भा-1 20-11-91		1-9-92	2/3456/91/ डी एल आई०
3.	मैं कोप वैंक आंफ अहमदाबाद लिए अहमदाबाद बैंक, चेम्बर्स आंफ रिनीफ रोड, अहमदाबाद-1 (णाखा सहित)	जी ॰जे ॰/ 4667	बही 1 <b>0</b> - 9 - 9 1	16-12-92	17-12-92 16-12-95	2/615/80/ स्री ∘एल ∘आई ०
4.	मै ० एलिज बिज कोप ० बैंक लि ०, अजन्ता कर्माशयस सेंटर, आश्रमरोड, अहमदाबाद।	जी ॰जे ॰/ 4685	बही 4-6-91	31-5-90	1-6-90 11-5-93	2/3582/91/ डी ःएल ःआई ः
5.	मैं ः ज्योति हास्पाटल नजदीक नूतन हाई स्कूल, सिव नगर-384315	जी जिं∘/ 1176	बही 7-1-93	31-1-92		2/4343/92/ डी ॰एल ॰आई ः
6.	मैं अमोल डिकलाइट लिं व जी आई डी सी व्यस्टेट, कादी-382715	जी ∘जे ∘/ 14606	बर्ग 28-2-90	31-10-92		2/4343/92/ डी ॰एल ॰आई ॰
7.	मैं । दी राजकोट जिला की राज्येंक लिं ।, सहयोग धरमाई रोड, राजकोट	जी ∘जे ∘/ 4660	एस-35014/85/82/ भा-II 1-5-86		28-8-88 27-8-91 91 से 27-8	डी एल ०आई०
8.	मैं ॰ इण्डोटैक्स मशीनरी 351/2, जी ॰ आई ॰ डी ॰ सी ॰ एस्टेट, ग्रोधव, अहमवाबाव-382416	जी ॰जे ॰/ 11268	2/1959/ঙী ৩৫ল ৩স। ছি ০/ 4—9—92	31-12-91	1-1-92 31-12-94	2/4073/92/ স্ত্রী ০ছল ০সার্ছ ০

# अनुसूची-II

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसकें पहचात् नियोजक कहा रया हैं) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिनेष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए एसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय गर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी की प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, जिक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रहा जाता, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी ध्ययों का अन्तर का व्वारा किया जाएगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित साम्हिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संद्योधभ किया जाए, तब उस संशोधम की प्रति तथा कर्मधारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्जना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निर्धि का या उथत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ण करेगा और उसकी बाबल बान्यम प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करेगा।
- 6. यिव उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपसब्ध लाभ वढ़ाए जात है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- चारियों को उपलब्ध लाओं में स्मृचित रूप से वृद्धि किए जाने को व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुको है।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती, जब 'वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर दशबर राशि का संदाय करोगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संगंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभागना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इण्डिकोण स्पष्ट करने का युक्तियक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीका निगम की उस गाम्हिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना णहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाना है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाने हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणविश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम निगत कर . प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यक्त हो जा। दिया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक त्वारा प्रीमियम के राष्ट्राय में किये गये किसी व्यतिकाम की देशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती सो उक्स भीन के अन्तर्गत होते, वीमा लाभों के मंदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।

12. अक्त स्थापना को सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अभीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू हाने पर उसके हकदार नाम निविधितों/विधिक वारिसों को दीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह को भीतर सुनिध्चित करोगा।

बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग1/622—जहां अनुसूची में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिषय निधि और प्रकीर्ण उपदन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चृंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्स इस बात से संसुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किसे बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के उन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में बिधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) दवारा प्रवत्त शिक्तरों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना मं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने वर्शायी गई है, के अनुसरण में सथा संलग्न अन्सची- 11 में निर्धारित इतों के रहते हुए में, बी. एन. सीम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट श्वान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची- 1 में उनके नाम के सामने वर्शाया गया है।

# अनुसूची-I

	4138 41 ° 2									
कमांक सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड संख्या	भारत सरकार की अधि- सूचना, दिनौंक व सं े जिसके द्वारा छूट प्रयान की गई	छूट की प्रभावीतियि		ई के०भा∘िन ःआा∘ फा∘सं०				
पुरु	्जी त्टी त्वी <mark>० स्पिनसँ प्रा ०लि ०,</mark> ननकीनर,पो ०आ ० उदमलपेट ०के ० कोयम्बटूर, जिला तमिलनाङ्	टी॰एम॰/ 10661	2/1959/डी ०एल ०आई ० दिनांक 3-5-91	29-2-92		2/3495/91- डी ०एल ०आई ०				
70	योकोन (प्रा०) लि०, 9, अवनाणी रोड, यम्बटूर−641018	टी ॰एन ०/ 16389	बही दिनोक 30-6-92	30-4-91	1-5-91 31-3-93	2/4218/92- डी॰एल <i>॰</i> आई1				

# अनूस्ची- II

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में तियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण की ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय शिवष्य निधि आयक्त, समय-समय पर निधिष्ठ करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के लण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दोश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंटर्गत लेकाओं का रखा जाना, विवयिण्यों का प्रस्तत किया जाना, वीषाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी ही, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

- 4 नियोजक, कोन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उत्में संशोधन किया जाए, तय उस सशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की इहु-गंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुयाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उवत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, जसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कोम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बलाए उन्ते हैं तो नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के अभीन कर्म- भारियों को उपलब्ध लग्भों में सम्चित रूप से बिद्ध किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अभिक अनुकल हो जो उका स्कीम के अधीन उन्हों हैं।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किमी कर्मनारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अर्धन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध हाती जब वह उक्त रकीम के अधीन होता तो, दियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदंधियों को प्रतिकार के रूप में बोनें राशियों के अन्तर दशबर राशि का मनाय करेग।
- 8 साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी सको भन्न मंति धन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं किया जाएंगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारिएों के हित पर प्रतिकान प्रभाव पउने की सभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आय्क्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को उपना इण्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन पीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चकी है अधीन त्यी रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किमी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस शियत तारील के भीतर जो भारतीय जीधन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम कर संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती है।

- 11. नियोजक ध्वारा प्रीमियमें के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकाय की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक वारिसो को नो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम को अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. जनत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के जधीन आर्थ वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविंशितो/विधिक वारिसो को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

बी एन सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त

स. 2/1959/डी एल. आई /एलजम/89/भाग-1/630—जहा अन्स्पी-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं से (जिस इसमें इसके परवात् उपत स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपतन्य अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की भाग 17 की उगधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के तिए आवेदन किया हैं। (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधि-नियम कहा गया हैं)।

चृकि मैं, थी एर. सेम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस जात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मवारी कोई अलग अरापन या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन वीमा के रूप में शारतीय जीवन बीमा निगम की साम्ब्रिक नीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मगारियों के तिए कर्मवारी निक्षेप सहबद्ध वीमा स्कीम, 1076 के सन्तर्भ रिक्षिक अनकान हैं। (जिसे इनमें नएके एरड़ स्कीम कहा गया है)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) इनारा प्रवत शिक्षायों का प्रयोग करते हुए तथा हम मंत्रालग भारत सरकार/केन्द्रीय भविषय निधि आयुवत की अधिमूचना स्था तथा निधि जो प्रत्येक स्थापा। के नाम के सामने दर्शींग गई है, के अनुसरण गो तथा संलग्न अनुस्ची-2 में निर्धारित इतीं के रहते हुए मैं, वी एनं. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संवालन से प्रत्येक उवत स्थापना को और 3 वर्ष की आदि के लिए छूट प्रवान करता हूं जैसा कि सलग्न उनुमूखी-1 में उनके नाम के सामने वर्षीया गया है।

### अनुसू**ची**-1

<b>क</b> ः सं ०	स्थापना का नाम व पता	कोड संख्या	भारत सरकार को अधि- सूचना, <b>दिनो</b> क व संख्या	छूट की समाप्ति की तिथि	65	के ०भ ०नि ०आ ० फा ०सं ०
1	2	3	4	5	6	7
	ं कनमोलिडेटि <b>ड काफी</b> लि०, पालीवेंटा, को <b>डा</b> ग् जिला कर्नाटक।	के०एन०/ 708	2/1959/डी० एल० ग्राई०/ 89/भा∸1/12—12—90	28 <b>-2-</b> 90		2/1150/85 डी॰एल॰म्रा <b>ई</b> ०

1	2	3	4	5	6	7
	ि इण्डियन एमसप्रेस (मयुराई) लि ०, बिनस रोड, अंगलौर—1	के ए <b>न</b> ्/ 3485	एस-35014/135/86- एम एस-II		) 11-4-89 10-4-92 श्रोर 11-4-9	2/1314/88- इ: २ ए त ० आई ० 2
म <sup>े</sup> प	० स(न इंजीनियरिंग एण्ड लोकी टिंव कं० लि०, ो ज्याप्न ० 4802 झाइट फेंल्ड रोड, बंगलीर–48	के एन० 4846	11-4-86 एन-35014/116/83 एस -एस० II 28-7-86	20-5-8	9 21-5-89 20-5-92 वीर 21-5-92 में 20-5-95	2/882/83/ डी ०एल ०आई०
q	भै० सिदागंगा आयल एक्सट्रभ्शन लि०, गे०बा० सं० 133, बंग एच रोड, गुम्फुट-572103	के ∘ एन ः/ 6395	2/1959/≆া ংएল ৹সাছি ৹ 21—12—89	30-10-90	1-11-90 30-10-93	2/1821/88 स्री ०एल ०आई ०
;	- मे ० मनंद एलो ज कास्टिंग्स प्रा⇒िल ०, 36–ए शिमोगा, भद्रावता इण्ड ० इरिया, मचन्हाला–577222	के ∘एन ०/ 13029	—-वहा 7-11-90	28-2-90	1-3-90 28-2-94	2/3087/90- क्षा व्यव व्याई व
' }	मै ० को ० की ० के ० मार्किटिंग सर्विसेज प्रा० लि ०, हुची हाउस, जे ० सी० नगर, हुवली – 580020	के ःएन ः/ 10363	—-बह्⊤ 25-9-89	31-12-91	1-1-92 31-12-94	2/2176/89 डी॰एल॰आई॰
;	- मै० विजापुर ग्रामीण बैंक, मृ०आ० नाहार विल्डिंग, कावराजी बाजार, विजापुर586101	के ०एन ०/ 10657	बही 21-12-89	30-9-91	1-10-91 30-9-94	2/3211/90 <del>-</del> डी ॰एल ॰आई ॰
	मै॰टैक्सस इंस्ट्रूमेंट्स (इण्डिया) ब्रा॰लि॰, 71 मिलर रोड़, बंगलीर—560052	के ०एन ०/ 11535	बही 2 1-1 2-89	28-2-94	1-3-91 28-2-91	2/3208-90 डी॰ एस॰ म्रा <b>ई॰</b>
9.	मै॰ दुरवानी केवल प्रा॰ लि॰ दयावसुन्धरा इण्ड॰ एरिया, महादेव दूरा बंगलौर48	के० एन०/ 4661	एस-35014/244/82/ एस एस II/13-1-86	3-12-88	4-12-88 3-12-94	2/728/82 इा॰एल॰फ्राई॰

## वनुस्यी-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रकात नियोजक कहा गया हैं) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि बायुक्त, को एसी विवरणियां भोजेगा और एसे लेखा रक्षेग तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के बण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृष्ट्रिक बीमा स्कीम के प्रवासन में, जिसको अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, हं खाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का सदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी अप्यों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
  4—469 01/93

- 4. निशंचक, केन्द्रीय सरकार घ्वारा अनुमोदित सामृह्यिक शीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब सत संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संस्था की भाषा में उसकी भृष्य बातों का अनुयाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. बिंद कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य विधि का पहले से ही सवस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीना स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त वर्ज करेगा और उसकी बावत बावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्क्रीम के निर्मेच कर्मचारियों का उपलब्ध लाभों में समृचित रूप हो वृद्धि किं। जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्क्रीम के अधीन उपलब्ध लाभों से धिक अन्कृत हो जो उक्त स्क्रीम के अधीन अनुक्रेय हैं।

7 सामृह्कि बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मधारी की मृत्यू पर इस स्कीम क अधीन सदय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उन दशा में सदय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितो को प्रतिकर के रूप मे राकियों के असर बराबर राक्षि का संवय करेगा।

- 8. राम्हिक टीमा स्कीम के उपबन्धे में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निषि छायुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी सक्षोधन से कर्मधारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, यहां क्षेत्रीय भिविष्य निधि आयुक्त अपना अनुसोबन बने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्ति-मुक्त अवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणव्या स्थापना को धर्मजारी भारतीय जीतत बीगा दिगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम की, जिसे स्थापना पहले अपना जुकी है अभीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किही रोति से कम हो जाते है तो यह रद्व की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवज्ञ नियोजक उस नियस हारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत बरो, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छाट खुद की जा सकती है।
- ं 1 ∱: नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा मे उन मृत स्दस्यों के नाम निर्देशितो या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के पंतर्गत होते लीमा लाभो के सद्दार का उत्तरवासित नियोजक पर होगा।

12. जक्त स्थापना को सम्बन्ध मा नियोजिक इस स्कीम को अधीन आ**ने वाले किसी सदस्य की मृ**त्यु होने पर उसके हकदार नाम निवंधिक तो रिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्प्रीनिविचत करेगा।

> बी एन सोम केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

एल 🖟 बाई /एक्जाम/89/भाग-1/ स 2/1959/डी. 638 - जहां प्रनुर्ची-1 में उल्लिखित नियोक्साओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्तर स्थापना कहा गया है) कर्मचारी मिवष्य निष्यि और प्रकीर्ण उपसन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की भारा 17 की उपभारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के निस्तार के लिए आवंदन किया है (जिसे इक्रमें इसके प्रचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चुकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निष्य भीश्वस्त इस धान से सत्ध्ट हुं कि उवत स्थापना के कर्मभारो को इ अलग अशयान या प्रीमियम की अदायनी किले किना जीवन धीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मशारियों के लिए कर्मशारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 को अंतर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गयाहरी) ।

अत: उक्त अभिनियम की धारा 17 की रणधाण 2(क) व्वारा प्रवस शक्तियो का ५योग करते हुए तथा श्रम मत्रालय , भारत सरकार/केन्द्रीय भनिष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शानी गरी है, के बन्सरन में तथा संलग्न अनम्बी-2 में निक्षित शतीं के रहते हुए मैं, बी. एन सोम, उक्त स्कीम के सभी उपव भी के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अविध के लिए धाट प्रदान करता हुं जीना कि संलग्न अगसली-३ ∓ें दे के नाम के सामने **दर्शाया गया है।** 

अन्सू ची--I

क० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड संख्या	भारत सरकार द्वारा अधिसूचना सं०व तिथि		छूट प्रभावी तिथि =========	के ∘भ ०मि ∘आ ० फा ०सं ०
1	मै ० हिन्दुस्ताम स्पीनिंग एंड बीविंग मिल्स लि ०, काउन डिविजन गोखले रोड (एस०) बम्बई-400025 (तथा इसके, गाखाएं सहित)	महा ०/ 1 0 1	2/1959/इति ० एस 23-12-91	०अगई ०/ 30–9–9		2/3911/91- इं≀ एल∍आई०
2:	मैं० जोहन वेथ (इ०) लि०, ए०प प्जे० हाउस, डिविशाह वाचा" रोइ, बम्बई-400020	भहाः/ 399 <b>5</b>	वर्ह, 191-93	20-8-91	21-8-91 20-8-94	2/128/78/

# अनुसूची-11

- ा. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके उक्काल नियाजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षत्रीय भिवष्य निर्धि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसे लेखा उखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रदान करेंगा जो लक्त्वीय भिथ्य निधि आयुक्त, समय-हमय एर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसि निर्मक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की निर्माण के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के गंधीन समय-समय पर निर्दोग करें।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लंखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्राप्तक का सदाय, लंखाओं का अनारण, निरीक्षण प्रभार का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक दवान किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक धीमा रकीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उनमें एकी प्रमा किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मनारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य वाही का अनुवार स्थापना के मुखना पट्ट पर प्रदर्शित करोगा।
- 5. निंद कोई ऐसा कर्मचारी जे कर्मवारी भीष्य किय क या जकत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोग और उसकी वाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का संदत्त करोग।
- 6. यदि उनत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लागों में समृचित रूप तो वृद्धि किये जाने ही व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के वित्य सामहिक वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लागों से विवक प्रमृक्षण हो जो जया स्कीम के अधीन अनुष्ये हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी रिंद किमी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीर संबंध राशि से कम हो जो कर्मवारी की उस दशा में संबंध होती जब यह उनत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक वारिस/नाम नियाधितां को प्रतिकर के रूप में बंध राशिशों के बंतर बराबर राशि को संबाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पर्व अन्मोदन के बिना नहीं जिला जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिनाए प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि प्रयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना स्टिक्सोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अयसर दोने।

- 9. यो र किसी कारणवश स्थापना के कर्मवारी भारतीय जीवन तीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना महले अपना बुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मवारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियस कर , प्रीमियम का जंबाद करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने विया जाता है तो छूट रवद की जा सकती है ।
- 11. नियोजक स्वारा प्रीमियम के संबाय में किए गए किसी व्यतिकान की दका में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितातों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उकत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उक्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम की अभीन आनं वाले जिसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकवार नाम निविधिक विधिक वारिसों की दीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह की शील मृतिश्चित करेगा।

हो. एन. सोम, कोन्द्रीय भिक्रिय निधि आयुक्त

सा. का. सं. 2/1959/डी. एल. आर्ड/एपजाम/89/भाग1/646—जहा अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्साओं ने (जिसे
इसमें इसके प्रकार उयत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिष्य्य
निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का
19) की भारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्यंश छूट के
विस्तार के लिए अञ्चेतन किया है (जिसे इसमें इसके प्रचात्
एक अधिनियम कहा गया है)।

चंकि मी, बी. एत. सोम, केन्द्रीय भितष्य निधि आयुक्त, इर प्रान में स्तृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मकारी कोई अलग अंश्वात या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निरम की गामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जोकि एसे कर्मकारियों के लिए कर्मधारी किनेष सहबद्ध गीमा स्कीम, 1976 के अंग्रिंग स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकाल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गयां हैं)।

कतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) किया प्रवत्त पिक्तयों का प्रणेग करते हुए तथा अम मंत्रालय प्रारत तरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त की अधिस्पना संकार तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शारी गई है, को अनुसरण में तथा संलग्न अनुस्ची-2 में निधीरित कसी के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपधेगों के संचालन में प्रत्येक उन्तर स्थापना की और 3 वर्ष की अविध के लिए छुट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुस्ची-1 में उनके ताम के सामने दर्शीया गया है।

अनु सुची ⊶I

			• 0			
ऋ ० सं ८	, , , , , , , , , , , , , , , , ,	कोड संख्या	भारत सरकार द्वारा अधिसूचना सं० व तिथि	छूट समाप्ति तिथि	छूट प्रभागी तिथि	के॰भ० त०आ० फा॰सं०
1.	मै ० सं.फ मैकेनिकल वर्क्स पा०मा० सं० 69, क्रपरा रोख,	जी जें c/ 6122	2/1959/दी ः एल ः आर्द्ध ः 6-4-93	30-11-		92 2/4507/92— 95 <b>ধী</b> ংল আছি
Ĭ	नयसरी					, , , , , ,
2.	मै ० दि वस्टोटन्स इंर्ज नियर्स,	জ⊹েজ ৹/	वही	31-12-9	1 1-1-92	2/4225/92-
	77-78 आदर्श इण्ड ० कोप ० एस्टेट रश्वियाल, अहमवाबाद	6945⊸∜	24-10-89		31-12-94	·
3.	मै ॰ वापी पोलामर्स प्रार्शन ॰,	र्जाः जे०/	- <b>-व</b> ही	28-2-9	3 1-3-93	2/2764/90-
	प्लाट सं० 203/2, र्ज क्लाई० की ब्ही ० वापी-396195	9449⊸₹	•		28-2-96	
4.	मै ० एंकर फार्मा प्रा ०लि ०,	भी वो ः	वहीं <del></del>	30-9-9	1 01-10-	-91 2/4687/92-
	पावतो भवन, दमन	9722	22-4-93		30-9-94	,,
5.	म ० वारत स्ट्रीम आनन्द सोजितरा	অ'⊹জৈ∘/	वही	31-12-92		2/4304/92-
	रोड, विठल विद्यानगर वरलभ,	10511	2-5-93		31-12-95	•
	विद्या नगर					
ø.	मै ० भाव नगर नागरिक सहकारा	जीःजेः/	<b>4</b> 87	31-7-9	2 1-8-92	2 2/4306/93#
	बैंक लि ०, 14, गंगा जालिया तलाब, भाव नगर	11958	2-5-93		1-7-95	"
7.	मै ० प्रोपलान प्रोडक्ट	जी ∘जे ः/	<del></del> -वि	30-11-92	1-12-92	2/4583/92-
,	शे बा ० सं ० 69, नीफ कम्पाउन्ड छपरा रोड, नवसार्र	15969	5-4-93	;	30-11-95	, 11
8.	मै ० देवः आरगेबिक प्रा ०लि ०,	र्ज∘जे∘/	वह:	31-1-93	1-2-93	2/4264/92-
; 2	साट सं० 42/2, फेस-1, भारताई स्वीर्सा० इण्ड० एरिया,ू भाषी-396193	17140	2-5-93	3	31-1-96	n

#### नन्स्या-

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रधात् नियाचक कहा गया है) सम्बन्धित क्षणीय भावच्य निधि सायुक्त, को ऐसी विवरणिया भवगा और एसे सेवा रचना तथा निरीक्षण के निए ऐसी सुनिधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोषक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक जास खी समाप्ति की 15 बिन के भीतर संबाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त विभिन्नियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क को जधीन समय-समय पर निदास करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के पेंशन में, जिसके अन्तर्गत संबाओं का रखा जाना, निवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय सेवाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय अपिद भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. निबोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुभीदित सामृष्टिक दीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें सशी-भन किया जाए, तब उस संकोभन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य शालों का अनुवाद स्थापना के बृथना पट्ट पर मक्तित करना।

- 5. यि कोई एसा कर्मभारी भविष्य निधि का या उसत अधिनियम के अभीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का यहल से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक नीमा स्कीम के सबस्य के स्था में उसका नाम तूरना वर्ष करेगा और उसकी बानत जानक्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अभीन कर्मकारियों को उपलब्ध साम द्वाय अले हैं तो नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के अभीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाओं में समृष्टित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकर्स हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोय हैं।
- 7. सामृहिक भीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो, नियोषक कर्मचारी को विभिक्त वारिस/नाम निवांशितों को प्रतिकर के रूप में वानों राशियों के कसर वरावर राशि का बंदान करोंगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपनग्धों में कोई शी संबोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भनिष्य निष्य जायूक्त अपना अनुबीदक के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारिकों के हित पर प्रतिकृत प्रभाग पड़ने की राभागना हो, वहां क्षेत्रीय भिष्य निष्य जायूक्त जयना अनुमीदन दोने से पूर्व कर्मचारिकों को नपना दिस्कोण स्पष्ट करने का बुक्तिवृत्त अवतर दोना।
- 9. यदि किसी कारणयथं स्थापना के कर्मचारी भारतीय चीचन नीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीन की, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी ही अधीन नहीं रह बाता ही या इस स्कीम की नधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने नासे साथ किसी रहिए से कम हो आते ही सो यह रहक की वा सकती ही।
- 10 विष किसी कारनथस निवोधक उस भिवत सारीन के भीतर को भारतीय जीवन बीका निवत निवस करो, बीजियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो धाने दिया जाता है तो छुट रवस की वा समसी है।
- 11. नियोजक व्यारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी क्यितिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम नियंशिक्षों या विधिक वारिसों को जो यदि छूट दी गर्इ हांसी तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा साभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोज पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधिकों/विधिक नारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्यित करोगा।

थी. एन. सोम. क्रेन्द्रीय भनिष्य निर्मिश्र जायुक्त

## नदं विस्ती, विशंक 17 जनवरी 1994

तं. 2/1959/बी. एक. बाई /एकजम/89/भाग-1/479—पहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं से (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निरिध और प्रकीर्ण उपबंध बीधनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के बंतर्गता छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त विधिनयम कहा गया है)।

चृंकि मैं, थी. एत. सोम, कैन्द्रीय भविष्य निर्मि शावृक्त, इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मवारी केंद्र अक्षद अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना बीयन बीमा के क्य में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीन का लाभ उठा रहें हैं, जोकि एसे कर्मवारियों के लिए कर्मवारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं) ।

अतः उक्त अभिनियम कौ भारा 17 कौ उपभारा 2(क) ध्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा अम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिस्कृता संस्था तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने वर्षायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निभारित धर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान करता हुं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने वार्षाया गया है।

### अनुसूची-1

क स्थापना का नाम ग्रौर पता स ०	कोड संख्या ३	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के विधसूचना की सं० सदा तिदि	छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए घौर छूट वी गई है	के०भ ०नि०आ ० फा० सं०
1. मै ० धर्मसी परीपया पी ०ए <b>च</b> ० रोड, मद्रास-10	टी ॰एन ०/ 3417	2/1959/डी ०एस ०आई ० एक्ट/89/पार्ट-1, दिनांक 13-9-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2543/90- बी॰एल॰आई०
2. मैं ∘ वेंकटस( एजेंसी, 43, चकार⊱न( गको, मद्रास-33	टी ॰एन ॰/ 5917 बी	दिनांक 4-10-90 '०		1-9-89 से 31-8-92 31-8-92 तर 1-9-92 से 31-8-95	2/2552/90- डी ॰एल ॰आई ॰ ग
3. मै ० एस ०एस वी ० इण्डस्ट्रीन लि ०, 827, माउण्ट रोड, मद्रास–2	टी ∍एन ०/ 11003	विनांक 27-12-89	30-11-9		2/2023/89 डी॰एल॰आई1
<ol> <li>मैं ० द एंनोर थर्मल पावर स्टेशन,</li> <li>इण्डस्ट्रियल को ०मो ० सर्विस सोसाइटी लि ०, एनोर, मद्रास</li> </ol>	टी ॰एन ∍/ 19676	एस-35014/48/88- एस एस-5	30-9-89		रे 2/1767/88- । क्री॰एल॰आई॰ 30-9-95
5 मैं	टी॰एम०/ 1 <b>733</b> 6	2/1939/डो:०एल० ग्राई०/एक्जम/पार्ट दि० 10-09-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93 तथ 1-3-93 से	।। डी॰एल∘आई०
6. मैं ० निर्माणपंत्रइंट बिस्थिम एण्ड ट्रेडिंग प्रा० लि० एक्प्रेस माउंट रोड, सङ्गास-13	ष्टी० एत∤ 1 <b>7824</b>		स 19 <b>-8-8</b> 6		2/14/8285/ था डी॰एल॰माई०

#### . असम्बद्धी - १

- 1. अक्स स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एंदी विवरणियां भेलेग और एसे लेखा स्थेगा तथा निरीक्षण की एसी स्विधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-सन्य पर निरिक्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रस्येक मास की समाप्ति को 15 दिन को भीतर संदाय करोगा को केन्द्रीय सरकार, उन्तर क्रिंभिनसम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के सण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाता, वीमा प्रीतिमयम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभा का संवाय कावि भी ही, होने बाले सभी व्ययों का वहन नियंजिक ववारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति सथा कर्मचरियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पहर पर प्रविश्वा करोगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सवस्य हैं, उसकी स्थापना में निये जित किया जाता हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्त्रीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तरन्त दर्ज करोगा और उसकी साइत आवर्य पीलियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्तु स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये पाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से बृद्धि किट जाने की अधवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए समृहि विमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन जनकुरेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जन वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवंधियों को प्रतिकर के रूप में दोनें राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- त माम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कीर्ड भी गंगीयम सम्बन्धित अंत्रीय भविष्य निधि आय्यत के पूर्व अनुमोदन के बिना न्हीं किया बाएमा और ज्हां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिता पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संशोधन हो, वहां क्षेत्रीय अविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पर्व कर्मचारियों को जपना दिष्टकोज़. स्पष्ट करने का य्वैक्तय्क्त जवसर दोना ।

- 9. यहेंव किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम को अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले लाभ किसी रीति सं कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर हो भारतीय कीवन बीम । निगम नियत करो, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो इन्ट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिकाम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदंशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होना।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इंग स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवाँकितों/विधिक बारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम केन्द्रीय भविष्य निधि आगूजर

स. 2/1959/डी. एल आह./एक्जाम/89/भाग 487—जहां अनुसूची में उन्लिखित गियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया हों) । कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए अन्नेबन किया है (जिसे इसमें इसके परचा उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि में, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि बागुम्त इस बात से संतुष्ट हुं कि उवत स्थाणना के धर्मचारों कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के स्प में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सह-बद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात स्कीम कह गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभारा 1(क) ब्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शतों के अनुसार में बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक को सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित िछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उनत स्थापना को क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त कोचीन ने स्क्रीम की धारा 28(7) के अंत- मंत्र जील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उनत स्क्रीम से संचानन की छट बोता है।

		अनुसूची-1		
क्रमां क	स्थापना का नाम व पतः	कोच संख्या	छूट की प्रभावी रिश्य	के भारत फाःसं
_	ाढीपो बा०सं 75,कोटायम, 686001	केऽआर /3881	1 -2-39 28-2-90	2/5307/93- डी एन आई
	तः स्टेट द्रग्स फारमास्यूटीकल <b>िल</b> ः, र उल्लपार्द-688522	के०आर∘/4396	1-7-88. 30-6-91	2/5308/93 - की एल आई०
	ह रेडडीयार डिस्ट्रीबूरान पो०बाटन० 75, केरला—686001	के० आप √3882	1-1-89 28-2-90	2/5335/93- ভী হুদ্ল জা <b>হ</b> ি
	त्र अर्थन को ऑप० टैंक लि ॄ न्निपुनोयूरा–682301, इ.भी क्रुलम, केरला	के० आर०/13128	1-2-91 31-1-94	2/5336/93– डी ∘एल ∘आई ०

# अनुसूची- II

- 1. उत्तर स्थापना के सम्बन्ध में नियोधक (धिसं इसमें-इसके प्रवात नियोधक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुन्त, को एसी विधरणियां भेजेना कोर एसे लंबा रहोगा तथा मिरीक्षण के लिए एसी स्विधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 ियोजक ऐसे निरिक्षण प्रभारों का प्रश्येक मास की समाध्या के 15 दिन के भीतर संबाद करेगा जो कोन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभारा (3-क) के खण्ड-क को अधीन समय-समय पर निर्वास करें।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रवासन में. जिसके अन्तर्गत लेलाओं का रक्षा पाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीक्षियम का संदाय, होताओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाने सभी अवयों ना वहन नियोजन दारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार इ्यारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमें की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्ष-चारियों की वह संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का बनुवाद स्थापना के संबन्ध पटट पर प्रविश्ति करोगा।
- 5. यदि कोडं एसा कर्मजारी भिष्य निधि का या उदक्त अधिनग्रम को अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना को भिन्ध निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको सापना मो नियोजित किया जाना है तो, नियोजिक सामहिक दीमा संतीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तात्स्य हुई करोग और उसकी बादत आवश्यक प्रीमियम भातिय जीवर दीमा नियम को संदत्त करोग।
- 6 गीर कल्ल ग्राम है यशीन वर्ष बारियों को उपलब्ध लाभ लगा। जातं है तो नियोजक सामित्रिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मकारियों हो उपलब्ध लाभों में सम्बद्धित रूप से बिद्धि किए जाने की त्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मकारियों के लिए सामित्र हो वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध साभों से अधिक अनुकास हो जो उक्स स्कीम के अधीन अनुकास हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध रागि उस राशि से कम हुं जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवंधिती को प्रसिक्त के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संबाध करना।
- 8. सामृहिक जीमा स्काम को उपबन्धों में कोई भी संशोधन मंबिक्षत क्षेत्रीय अविषय निधि व्यायुक्त को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापनां के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहने अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्ध की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियंजक उस वियत तारीच के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम वियत करो, प्रीमियम का संवाय करने मं असफल रहता हो और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता हो तो छूट रद्व की जा सकती हो।
- 11. नियोजक व्यारा प्रीमियम के संवाय में किए नए किसी व्यक्तिकम की वजा में उन मृत सवस्यों के नाम निविधितों या जिनिक वारिणों को जो यदि यह छूट न दी नई होती तो उन्त किसी के अन्तर्गत होते, बीमा नामों के संवाय का उन्तर-वारित नियोजक पर होता।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मत्य होने पर उसके हकदार नाम निवर्णीकानों/विधिक वारिसों की नीमाकृत गाकि प्राप्त होने के एक एक हो भीतर सनिविचल करना।

्री, **एन** सोम, **भोन्द्रीय अनिस्य निधि** आयुक्त सं. 2/1959/की. एल. आहै./एक्जाम/89/भाग-1/495—जहां अनुसूची 1 में उस्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पर्वात् उक्त स्थापना कहा गया है) । कर्मचारी भनिष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्सर्गत छूट के लिए आवेदन किया) जिसे इसमें पर्वात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मधारी कोइ अलग अंशवान या प्रीमित्रम की अंदायनी किए बिना जीवन शीमा के क्य में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक स्कीम का साभ उठा ्हें हैं, जीकि प्रेसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निकाप सह-बव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्कर्ल हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) व्यारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अन्-सची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार में बी. एन. सोम, प्रत्येक उन्तर स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीच से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को अंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोयम्बट्र ने स्कीम की भारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छुट बेता हैं।

# अनुसूची---I

क्रमांक स्थापनाकानामं व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ० फा०सं०
1. मैं वी इंजीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रियल फाउण्ड्री कं ० 80, श्रंसारी गली, रामनगर, कोयम्बदूर641009	टी ०एन ०/ 2356	1-3-88 28-2-91 मीर 1-3-91 से 28-2-94 तप	2/5236/93/ स्ती ॰एल ॰आई॰
2. मै॰ प्रोवमी प्रोडक्ट्स प्रा० लि॰, 3 एफ मिल रोड, गोभीचेट्टी पलायम-638476	टी ॰एन ०/21156	1-9-89 31-8-92 1-9-92 से 31-8-95 तक	2/5239/93/ स्रो उएस ०भाई०
<ol> <li>मै० केरला ह्यचेरीस (प्रा०) लि०,</li> <li>1202 द्विची रोड, कोयम्बटूर-641018</li> </ol>	टी ० एन ०/21635	1-9-92 31-8-95	2/5240/93/ ন্ত্ৰী ০ए ল০ সাৰ্ছী০
4. मै ॰ उमा महेश्वरी मिल्स लि ॰, प्लाट 86 सं 89 से पकोट इण्डस्ट्रियल काम्प <b>र्ण क्</b> स, होशूर ।	टी ०एन ०/16681	1-11-92 31-10-95	2/5252/93/ की ०ए ल ०अगई ०

## बमृस्ची-2

- 1. उचत स्थापना को सम्बन्ध में नियोचक (चिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरिणयां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण को जिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे मिरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति को 15 दिन को भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धार्य 17 की उपधारा (3-क) के सब्द-क के सभीन समय-समय पर निवर्षेष करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत होबाओं का रखा जाना, विसरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने बाले सभी व्ययों का बहन नियोजक क्षारों किया जानेगा।

- 4. निवोधक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और खंब कभी उनमें संशोधन किया खाये, तब उस संघोधन की प्रति तथा कर्म-चारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करगा।
- 5. बीद स्बोर्ड एसा कर्मचारी भनिष्य निधि का या उपल अधिनयम से अभीन छुट प्राप्त किसी स्थापना से भनिष्य निधि का ण्हले से ही सदस्य ही, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता ही तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य अने रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बागत जावश्वक ग्रीमिक्स भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये बाते हैं तो निरोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अभीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अन्भूल हो जी उक्त स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जी उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी बिव किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त रकीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक ट्रारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निश्चि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्म-चारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पार की संभावना हो. वहां क्षेत्रीय भविष्य निश्चि आयुक्त अपना अनुभोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का गुक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक होना स्कीम में, जिसे स्थापना पहले अपना च्की हैं अभीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अभी। कर्मचारियों को प्राण होने गाले गाभ किसी रौति से कम हो जाते हैं तो यह रबद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत हारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को अपनात हो जाने दिया जाता है तो छाट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवर्णियतों या विधिक धारिसों को जो यदि यह छूट न दी गर्ब होती हो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उनारदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उन्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्टिकत करेगा।

बी. एन. सोम*,* कॉन्क्सीय भविष्य निधि आय*क्त* 

# दिनांक 20 जनवरी 1994

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/503—कहां अन्स्ची-1 में जिल्लीखत नियोक्ताओं ने (जिसे इसके प्रचाल जबत स्थापना कहा गया ही) कर्मभारी भविषय निधि और प्रकीर्ण जपबन्ध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत कहा गया ही।

चृकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्री। अविषय निधि आगुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उसत स्थापना के कर्मचारी बोई अलग अंश्यान या प्रीमियम की अवागरी िध्ये जिला जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे व्यक्तियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाशों मे अधिक अन्कृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्त्यों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलंगन अन्सची-2 में उल्लिखित शतों को अन्सार मैं, बी. एन. सोम प्रश्लेत उक्त स्थापना को प्रत्लेक की सामने (अन्सूची-1 में) उदिल्खिन किली तारीक से प्रभागी वित्र ति ए से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आय्क्त दिल्ली में स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छुट देता है।

श्रनसची-1

ऋ० सं०	स्थापना का नाम भीर पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० म्रा० फाइल सं०
1. #	निसर्स हरियाणा पेट्रोकेमिकल्स	की० एस०   8575	1−6 <del>−</del> 87 से	2/2029/89-
Ę	लिमिटे <b>इ</b> , 101–102 पूर्वी मनसेन		31-5-90	डी० एल० म्राई •
	1-कौशिस्या पार्क, ही अखास, रई दिस्सी- 1 1 0 0 1 6 ा			
	नै ० इन्टर कापट लिमिटेड,	ड <u>ी</u> ० एस०/3594	1-4-87 से	2/2093/89-
Ę	1 6—ए, फैस—II, इण्डस्ट्रीयल एरिया,		31-3-90	डी० एल० ग्राई०
	नई दिल्ली—110028 । नै० साजथ इस्टर्न केररीस	डी० एल०/4288	1-6-88 से	2/2097/89-
5 7	गा० लिमिटेड, 34 श्रराकाणन गेड, रामनगर, (पहाड़ गंज), गई दिल्ली—110055	- , , , , - 2 - 0	31-5-91	डी० एल० आई०

# अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजन (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के बण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामुहिक बीरा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत से साओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक नगरा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुगेदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और अब कभी उनमें संकोधन किया जाए, तब उस संकोधन की प्रीत तथा कर्म- वारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सवस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है हो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समिषित रूप से बदिध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकेष हैं।
- 7. सामहिक बीमा स्कीम में किसी बात के दोते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के सांविधिक वार्सिनाम निव्योशितों को प्रतिकार के रूप में बोनें राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित कोत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपनी अनुबीदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के बिस पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की सभावना हो, वहां क्षेत्रीय अधिक निधि आयुक्त अपना अनमोदन दोने से पर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिय्कृत अधरूर देगा।

- 9. यदि किसी कारणयश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चूकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रहद की जा सकती है।
- 10 शिव किसी कारणब्श नियोजक उस नियम तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्त हो अपने विया जाता है तो छुट रव्व की जा स्टाली है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में कियो गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मत सदस्यों के नाम निविध्यातों या निर्धिक धारिसों को जो यदि यह छट न दी गर्ह होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के गंदाय का उत्तर-दाियत्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना को सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने एर उसके हकवार नाम निवाधिक विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिधिक करणा।

बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एस. आई./एकजम/89/भाग~II/ 519—जहां अनुसूची 1 में उल्लिखित नियोक्ताओं के (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया) जिसे इसमें परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूकि मैं, बी. एम. सोम, कन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किए जिना जीवन शीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम, का लाभ उठा रहें हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निकोप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उस्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) व्यारा प्रदत्त शांकितयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शतों के अनुसार में, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिम तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त विशाखापटनम ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ण की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संवालन की छूट देता हूं।

#### $\mathbf{u}$ मसर्ची $-\mathbf{I}$

फ० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	स्कूट की प्रघावी तिथि	के० भ० नि० घा० फाइल सं०
	मै॰ इण्डस्ट्रीयल भाक्सीजन कम्पनी लि॰, प्लाट नं॰ 92, ब्लाक डी, भाई॰ डी॰ ए॰ ओटो नगर, विशाखापटनम-530012।	ए० पी०/14334	1-4-92 31-3-95	2/5109/93/ श्री० एस० ग्राई०
	मै॰ कोस्टल भाग्नो इण्डस्ट्रीयल कम्पलेक्स (प्रा॰) लि॰, पी॰ बी॰ न॰ 27 टनुकु-534211 बेस्ट गोवावरी बिस्ट्रिक (ए॰ पी॰)	ए० पी०/14345	1-3-90 28-2-93	2/5110/93/ क्री० एस० झाई०

## अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भनिष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रक्षेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्स्रीय भनिष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के चण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रवासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया आएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संबोध्यन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्चना पट्ट पर प्रदक्षित करोगा।
- 5. यिव कोई एसा कर्मचारो भिवष्य निधि का या उक्त विधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिवष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्तः स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक बनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी बिद किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम हैं जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती अब बहु उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निद्धितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करोगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कांई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना मही किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रवुद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस के भीतर को भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ध्यपगत हां जाने दिया जाता है तो छुट ख्द की जा सकती ही।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धिति या विधिक वारिसो को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम को बन्तर्गत होंत, बीमा लाभों के संदाय का उसरवायित्व नियोजक पर होंगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्ने वितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्कित करेगा।

बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

# विनांक 14 जनवरी 1994

षं. 2/1959/डी. एल. आर्ष: /एकजम/89/भाग-1/550—जहां अनुसूची-1 में उस्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं)।

चृकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या शीमियम की अदायगी किए विना जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोिक एसे कर्मफारियों के लिए कर्मजारी रिक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची- 11 में उिल्लिखत शतों के अनुसार में बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उिल्लिखा पिछली तारीख में प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उड़ीसा ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हैं।

ग्रमसची-	1
AL T.	•

क०सं	० स्थापना का नाम व पता	- को <b>ड</b> सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० ग्रा० फाइल सं०
1.	मैसर्स उड़ीसा स्टेट को— श्रापरेटिव श्रायल सीड्स ग्रोवर्स फैंडरेशन लि०, शहीद नगर भुवनेशवर—751007 ।	म्रो० ग्रार०/2875	1-11-87 से 31-10-90 और 1-11-90 से 31-10-93	2/5244/93/ डी० एल० ग्राई०
2.	मे० हिन्द कुपत निवारन सघ, उड़ीसा स्टेट क्रांच, भुवनेष्वर 751007 ।	ग्रो० भ्रार०/2944	1-12-87 से 30-11-90 और 1-12-90 से	2/5243/93/
3.	मै <b>० उड़ीसा एयर प्रोडन्ट्</b> स लि०,	म्रो <i>०</i> म्रार०/3648	30-11-93 1-3-89 से	2 5248 93
4.	गुण्डी चपाडा, धनकल-759013। म्रोरी प्लास्ट लि०, भ्रो० टी० रोड, बालासोर-756001।	ग्रो० भार०/891	28-2-92 1-3-90 से 28-2-93	2/5276/93/
5.	मै॰ उड़ीसा एनट्रेजनस लि॰, गनेश्वरपुर इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, बालासीर-756019 ।	श्रो० ग्रार०/4010	1-7-92 से 30-6-95	2/5275/93/

# अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचास् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त, को एंसी विवरिणयां भेजेंगा और एंसे लेखा रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए एंसी सुविधाएं प्रकान करेंगा जो केन्त्रीय भिषय निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाग लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन निरोजक द्वारा किया जाएगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोवित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजिक किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिङ बीमा स्कीम के स्वस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाए जाते हैं तो नियों जक साम्हिक बीगा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्चित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृष हों जो उक्त स्कीम के अधीन अमुक्त हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बाल के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन सबेय राशि से कम है जो कर्मचारी बन्ने उस दशा में संबेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के प्राविधक धारिसों/नाम निर्वेशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी गंशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के विना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रितिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवृक्ष स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अथीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अथीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी राँति यो कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करें। में असफल रहता है और पालिसी को व्यवगत हो जाने विया जाता है तो छूट रदद की जा रकती है।
- 11. नियोजक ब्वारा प्रीमियम के तदाय में किये गये किसी व्यक्तिक की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होती, बीमा लाभों के संदाय का उत्तर-वायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्ने शितों/िधिक बारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निधि दायुक्त

## विनाक 14 जनवरी 1994

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/गाग 1/558—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसकें इसकें, पश्चात उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भियष्य निधि और प्रकीण उपबन्न अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेवन किया हैं। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गण हों)।

चूंकि मैं बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस शात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्भचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायगी किये विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की स्तमृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी गिक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके प्रचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः जक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय भारत सरकार/कोक्षीय अधिष्य निश्चि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शाणी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न जनूस्ची-2 में निर्धारित शर्ती के रहले हुए मैं, बी. एन. सोम, जक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के रहले हुए मैं, बी. एन. सोम, जक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के रंचालन से प्रत्येक उद्धत स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनकी नाम के सामने दर्शाणा गया है।

# श्रन्**सूची**~I

क्रम सं∘	स्थापना कानाम <b>भीर प</b> ता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना सं० तथा तिथि	च्यको समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई	के०भ०नि०आ फाइल सं०
1	2	3	4 -	5	6	7
1,	मैसर्स रंगात्रेल इन्डस्ट्रे त 5/44-ए मेथुपालयम रोड, थुवियालर, कोयम्बटूर- 641034	टी०एन०/10830	2/10830/ डी० एल० घाई०/ एक्स/89/पीर्ट/ विनांक 3-5-91	30-11-91		2/3415/911 ঙীও एলও आ <b>६</b> ও
2.	मैसर्स कार हाऊस कंसोली डिट प्रोडक्स लि० 15/28, कृष्णमास्वामी, मुदलीग्रार रोड, कीयम्बट्र-641002	टी०एन०/16426	दिनांक 7-12-89	29~4~91	30-4-91 中 29-4-93	2/1188/85/- डो० एल० फ्राई०

1	2	3	4	5	6	7
3.	मैसर्स विधा मन्दिर हायर	दी० एन०/21545	वि॰ 2-3-90	28-2-90	1-3-90 से	2/3345/90/
	सेकन्डरी स्कूल ग्रानम्बसरमन मैययानूर रोड सलैम 636004				30-6-91	डो० एल० माई०
4.	मैसर्स टी० टी० मेय एण्ड	टी॰ एन॰/6105	दि॰ 21-9-90	28-2-90	1-3-90 से	2/3089/90/
	पढिलकेशन लि० युनगर भवानी सागर–636451, पेरियार डिस्ट्रीक्ट				28 <b>-2-</b> 93	क्षी० एल० म्राई०
5.	मैसर्स एल० जी० बालाकृष्णन	टी० एन०/17412	বি॰ 26-10-89	31-8-90	1-8-90 से	2/2060/89/
	एण्ड ब्रावर्स लि० घेकयोर्ड रोट्रांबिंग डिवीजन, 1988 तिची रोड, कोयम्बद्र-				31-8-93	की० एल० मार्घ <i>०</i>

# बनुसूखी-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्स, को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो कोन्द्रीय भिषय निधि आयुक्त सभय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निद्या करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत सेखाओं का रखा जाना, वियरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंसरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी ध्ययों का बहुन नियोजक ब्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोविल साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सृषना एट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का वा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ष करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम को अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ भकाय जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-धारियों को उपलब्ध लाभों में समृद्धित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हाँ।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होते हुए भी यिव किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राधि से कम हैं जो कर्मचारी की उस दशा में संबंध होती जब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवंधिकों को प्रतिकार के रूप में वोनों राधियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा ।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि वायुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्म-चारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने स पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश्च स्थापना को कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम को, जिसं स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है गा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति सं कम हो जाते हैं तो यह रवद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपनत हो जाने दिवा जाता है तो छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की व्या में उन मृत सवस्यों के नाम निवासितों था विश्विक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्क्रीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निर्धे-शिलों/विधिक बारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निशिचत करेगा।

भी. एन. सोम, कैन्द्रीय भविष्य निधि जायुक्त सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/566—जहां अनुसूची में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है। कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया हैं) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूं िक मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हुं िक उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की शामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हुं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत है (जिसे इसमें इसके पश्चाम् स्कीम कहा गया है)।

अतः जकः अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अन्सूची-II में जिल्लिखत शर्तों के अनुसार में, बी. एन. शंम, प्रत्येक जक्त स्थापना को प्रस्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखिन पिछली तारील से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना कां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कलकत्ता ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत जील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए जक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची--ा

ऋम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट को प्रभावी तिथि	वेश ० भ ० नि ० आ०फा०सं०
1.	मैं इंस्टर्न स्वीतिंग मिल्स एंड इण्डस्ट्रीज लि॰ परिागच्चा, डाक कदमगच्ची बरसात 743201 तथा इसकी शाखा सहित	ड∎लयू. वी/ 12794	1-2-92 31-1-95	2/536/93 डी०एल०माई
2.	मैं० दी इण्डियन श्रायरन एण्ड स्टील कम्पनी लि० बरनपुर(कलकत्ता) तथा इसकी गाखा सहित	डब्स्यू० बी०/161	1-4-79 31-3-94	2/95/78 इ.ि. एस- आई-

# $\mathbf{a}$ नसूची $^{-1}$ $^{1}$

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भीवष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सृविधाएं प्रदान करगा जो केन्द्रीय भीवष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोग जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वोच करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होंने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक स्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संको-धन किया जाये, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहुं संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।

- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निभि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निभि का पहले से ही सबस्य हैं, उसको स्थापना में नियो-जित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संबत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से बदिध किए जाने की व्ययस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनक्ये हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेख राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेख होती जब तक वह उक्त स्कीम के अधीन होता ते, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में वोनों राशियों के उन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मधारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अथवा अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों के अपना दिख्योंण स्पष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता हैं या इस स्कीम के अधीन वर्ममारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश्च नियोजक उस नियस तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम निगस करो, प्रीमियम का संवाग करो में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जो दिया जाता है ते छूट रहद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवेदितों था विशेषक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उपत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तर-दिशस्त्र नियोजक पर होगा ।
- 12. जकत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी मदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्देशियों/विधिक वारिशों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक गह के भीतर सनिष्ठित करोगा।

बी. एत. सोम. कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

## दिनांक 27 जनवरी 1994

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/574— जहां अनुसूची-। मो जिल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसके पदचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण जपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की जपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पदचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चंकि मी, बी. एन. सोम, कोद्रीय भिष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुँ कि उकत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीम्यिम की अदायगी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्ट्रिक दीमा स्क्रीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेण सहवद्ध बीमा स्क्रीम, 1976 के अंतर्गत स्थीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्क्रीम कहा गया हैं)।

अतः उदल अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) त्यारा प्रदत्त शिक्रमों का प्रयोग करने हुए तथा इसके साथ संलग्न अन्म्ची-11 में उल्लिखित हार्टी के अनुसार में, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (जन्सूची-1) में उल्लिखित पिछली कारीख से प्रभानी जिस तिथि यो उत्तर स्थापना को कोत्रीय भविष्य निधि आयृक्त राजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट होता हूं।

## ग्रनुसू**ची**⊸ॉ

<b>郊</b> 。 सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार की ग्रधिसूचना ेंसं०व दिनांक	छूट समाप्ति तिथि	च्या चढ़ाई छूट बढ़ाई तिथि	के० भ० नि० श्रा० फा०स ०
1.	दि ग्रहमदाबद डिस्ट्रक्ट को० ग्रापरेटिय बैंक लि० नजदीक गांधी ब्रिज इनकम टैक्स के पीछे ग्रहमदाबाद	जी∘ <b>जे</b> ∘/4663		27-11-92	28-11-92 27-11-95	
2.	गाहसना डिस्ट्रिक्त को०भ्राप० यूनियन मिल्स प्रोडूसर य्नियन मेहसाना	र्ज °०जे °/ 4827 लि०,	–वही+ वि० 22 <b>−</b> 4−91	23-12-92	24-12-92 23-12-95	2/341/80 डी० एल० ग्राई०
3.	मै० श्रनुपम ए <b>ड</b> हैसिंव 159, विथल नगर, बलब, विधानगर	र्जाः०जे <i>० </i> 6891	–वही− दि० 4−10−91	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/3806/91 खी० एल <b>ः</b> प्राई
4.	मै० गुजरात स्टेट को० भ्राप० काटन फैडरेशन लि० सिलवर ऐरो ऐलिसक्रिज,	जं≀०जे ०/६7290	एस० 35014/43/ 85 एक्स०एस०/—II वि० 20-2-85		18-2-88 18-2-91	2/1167/85 डी० एल <b>० भ्राई</b> ०
	पो० बा० 3, श्रहमदाबाद				श्रौर 19-2-91 से 18-2-94	
5.	मै० मैटालिक एनटरप्राइजिज जी० श्राई० डी० सी० II प्लाट नं० 330 श्रुषी इण्डस्ट्रीयल एस्टेट नजदीक टैलीफोन एक्सचेंज राजकोट-360003 ।	ज⊹०जे ∘   16047	2/ 1959/ স্থী০ एल০ স্মাৰ্ছ০ एक्जम/भा०—1/ 1—1—90	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2501/90 डी० एल० भ्राई०

# अन्स्ची -!!

- 1. उक्त स्थाणना को संबंध में नियोजन (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेंगा और एसे लेखा रहेंगा तथा निरोक्षण के लिए एसी स्विधाएं प्रधान करोगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 2. निरोजक, एमे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर मंदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनिशम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वाश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्यारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदिस सामूहिक बीमा स्कीमों के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूख्य बासों का अनुवाद स्थापना के स्वान बट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निष्धि का या उयत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निष्धि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक टीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन टीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियां को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियो को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप में बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृह्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम हैं जो कर्मचारों को उस दशा में संदेश होती जब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के सार्विक वारिश/नाम निव्किततों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर असाबर राशि का संवाय करेगा ।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी सशोधन सम्बन्धित कंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपनी अनुमोदन के बिना मही किया जाएगा, और जहां किसी संशोधन से कर्मकारियों के कित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, बहां क्षेत्रीय 6—469 GI/93

भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस की भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का सवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ध्यपगत ही जाने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों या विधिक वारिसो को जो यदि यह लूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीम जाने वाले किसी मदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निदिश्वतों/विधिक वारिसो को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्वित करेगा।

बी. एन. सोम, कॅन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल आई /एकजम/89/भाग-1/614—जहा अनसूची में उन्लिख्तः नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पदचान् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आगेदन किया हैं (जिसे इसमें इसके पदचान् उक्त अधिनियम कहा गया हैं)।

चूंकि मैं, बी एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संत्रट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायमी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पञ्चान् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उकत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची- में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिक्य निधि आयुक्त कोयम्बटूर में स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उन्त स्कीम से संचालन की छूट दोता है!

	<del>अर्</del>	रुस्ची—1		
ऋम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1.	मैसर्स कोयम्बट्र पोइनर मिल्स लि० यूनिट जी० आर० जी० टेक्सटाईलस आलम पलायमः कोयम्बट्र	टी एन/ 5 5 <b>⊸</b> बी	1-3-92 से 28-2-95	2/5188/93/ जी॰एल॰आई॰
2.	मैं० ईलफोरज लि० प्लान्ट XII डीनकानी कोट रोख हुणर635109	टी एन   4754	1-1-88 से 31-12-90 और 1-1-91 से 31-12-94	2/5189-ए/93/ डी० एल० आई०
3.	मैं ने गनन टेक्सटाइल कारपोरेशन (टी एन एन्ड पी) लिं० एन० टा० सी० हाउस 10164 सोमामुन्दरम मिल्स रोड, कोयम्बदूर	टी एनं/ 7 5 1 0	1- 3- 88 से 28- 2-91 और 1-3-91 से 28-2-94	2/5189/93/ डी० एल० आई०
4.	मै० श्री विगनेश्वरा फा <b>उन्हरी,</b> 155 पंकजा मिल्स रोड, कोयम्बटूर-45	टी एन/11474	1-1-88 से 31-12-90 और 1-1-91 से 31-12-93	2/5190/93/ ভী০ एল০ आई <b>০</b>
5.	मै० मकेश स्पीनिर 1961 <b>तिथी रोड संगानरुर</b> कोयम्बट्टर-641005	टी एन/12327	1-6-89 से 28-2-90	2/5191/93/ ৱী ০ ড্ৰাত আছি ০
6.	मै॰ एक्यूक्सब इंजिनियरिंग टियू <b>डीयरुर (पी॰ औ॰)</b> कोयम्बटूर-641034	टी एन/19230	1-5-91 से 30-4-94	2/5192/93/ डी० एल० आई०
7.	मैं० पनडीर टी फेक्टरी अमीकुलम नाडूगानी (पी० ओ०) मुडक तालुक निलगिरी-643212	टी एन/21577	1−1−93 से 31−12−95	2/5194/93/ डी० एल० आई०
8.	मै ० दी ० सिल्कल मेट्यलयूरगक (प्रा०) लि ० 473 जे ० रमनयुजा नगर उप्पिलीपलायम कोयम्बट्र-641015	टी एन/25098	1−10−92 से 30−9−95	2/5195/93/ ृंडी० एल० आर्द्द०

# अनुसूची-II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, को एंसी वियरणियां भेजेगा और एंसे लेखा रखंगा तथा निरक्षिण के लिए एंसी सुविधाएं प्रदान करगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निधिष्ट कर्र।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रस्थेक सास की समाप्ति की 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के संड-क के अधीन समय-समय पर निद्या करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लंखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीपियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय लंखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय अवि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

- 4. नियोषक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोवित साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का जबत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सम्चित रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदय राशि से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में संदय होती जब तक उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के सायध्वक वारिस/नाम निदंशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामृष्टिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोइ भी संशोधन संबंधित कोशीय भीनध्य निधि आयुक्त अपनी अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभाधना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन बने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश के कर्मचारी भारतीय जीवन बीसा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले लाभ किसी रीहि से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक ब्नारा प्रीमियम को संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की बक्षा में उन मृत सदस्यों को नाम निद्धिितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्स स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकबार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को भीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

थी. एन. सोम, कोन्द्रीय भनिष्य निधि आयुक्त

राज्याट समाधि समिति

(राजघाट समाधि प्रधिनियम, 1951 के तहत गठित)

## नई दिल्ली, विनांक

एस म्रो --राजघाट समाधि अधिनियम, 1951 (1951 के 41) की धारा 7 की उप-धारा (1) में प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए समिति एतव्दारा, प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों को सूचनार्थ, उक्त अधिनियम धारा 7 की उप-धारा (2) द्वारा यथापेक्षित प्रस्तावित उप-नियमों का निम्नलिखित प्रारूप प्रकाशित करती है और एतव्हारा नोटिस दिया जाता है कि कथित प्रारूप पर भारत के राजपत्र में सर्वसाधारण के लिए इस अधिसूचना की उपलब्ध कराये जाने की तारीख अथवा उससे तीस दिनों की समान्ति के बाद विचार किया जायेगा।

जपर्युक्त निर्दिष्ट भवधि की समाप्ति से पहले ॄैजप-नियमों के कथित प्रारूप सम्बन्ध में किसी ब्यक्ति से राजबाट समाधि समिति को प्राप्त होने वाली किसी भ्रापिल भ्रथवा सुझाव पर उक्त समिति ॄैद्वारा विचार किया जाएगा :---

## उप-नियमों का प्रारूप

#### भाग–I

## प्रारम्भिक

- लण् गीर्षक तथा प्रारम्भ : (1) इन उप-नियमों को राजघाट समाधि समिति उप-नियमायली, 1993 पुकारा जायेगा ।
  - (2) ये उप-नियम भारत के राजपक्ष मे उनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।
- 2. उपयोग : में उप-नियम समिति के प्रशासनिक तथा थितीय प्रबन्ध के सभी मामलों मे श्रीर समिति के प्रत्येक कर्मचारी पर लागू होंगे।
- परिभाषा : यदि सन्दभ अलग न हुआ तो, इन उप-नियमों में :---
  - (क) किसी पद के सम्बन्ध में "नियुक्ति प्राधिकारी" से प्राप्य उस पद पर नियुक्ति करने में सक्षम प्राधिकारी से हैं।
  - (च) 'भाष्यक्ष' से भाषय समिति के भ्रष्टयक्ष से हैं।
  - (ग) "सिनिति" से भागय राजधाट समाधि ग्रिधिनियम, 1951
     (1951 का 41) के तहत गठित राजधाट समाधि सिनिति से हैं।
  - (भ) "कर्मवारी" से ध्रामय सम्बन्धित पदों के भर्ती नियमों में उन्लेखित किसी पद पर समिति मे सेवारत किसी व्यक्ति से है।
  - (क) "सचिव" ते प्राशय समिति के सचिव से है।

## भाग-11

## समिति की कार्ये प्रणाली

- सिमिति की बैठक : (1) प्रध्यक्ष कम से कम चार महीने में एक बार सिमिति की बठक बुला सकता है।
  - (2) किन्ही तीन सदस्यों का अनुरोध प्राप्त होने पर अध्यक्ष समिति की बठक बुला सकता है।
- बडकों का समय भीर स्थात: सभी बैडकों का समय भीर स्थात भध्यक्ष द्वारा निर्धारित किया जायेगा ।
- बठक का नोटिस :---
  - (1) प्रत्येक मैठक के लिए लिखित नोटिस निर्धारित तारीख से कम से कम दो दिन पहले प्रत्यक सबस्य को भजगा या परिचालित करना होगा।
  - (2) नोटिस में बठक के स्थान, दिनांक तथा समय और उनमें की जाने वाली कायवाही का वर्णन करना होगा ।
  - (3) प्राध्यक्ष की प्रनुमित के बिना किसी भी एमे कार्य पर त्रिचार नहीं किया जायगा जो कार्यसूची में शामिल न हो ।
- 7. समिति के समक्ष मामले लाने की प्रक्रिया :---

किसी भी सदस्य को, जो समिति के समक्ष कोई मामला लाने को इच्छुक हो, भ्रपना प्रस्ताव मिल्य को भेजना होना जो इसे आदेशायं प्रध्यक्ष की प्रस्तुत करेना । भ्रध्यक्ष उन प्रस्ताव को समिति को भेजेगा लेकिन ऐसे विशेष मामले में जियमे वह यह समक्षे कि प्रस्ताव समिति को भेजना भनुषयुक्त अथवा भ्रनाथभ्यक है तो वह लिखित में कारणों का उल्लेख करने हुए ऐना करने से इकार कर सकता है तथा इस प्रकार इन्कार किये जाने के पश्चात मामले को समाप्त समक्षा जायेगा ।

- 8 नणपूर्ति :—किसी बैठक के लिए गणपूर्ति हेतु तीन सबस्य होने आवश्यक होने ।
- 9. प्रध्यक्ष द्वारा बैठक की प्रध्यक्षता प्राच्यक्ष सिमिति की प्रत्येक बैठक की प्रध्यक्षता करेगा । उसकी अनुपस्थिति मे सदस्य किसी प्रत्य सदस्य को प्रध्यक्ष बना सकते हैं और तल्पश्चात् चुने गये सदस्य की प्रध्यक्षता मे बैठक की कायवाही की जायेगी ।
- 10 बहुमत द्वारा निणय बैठक मे समिति के समक्ष रखे सभी प्रश्नो धौर मामलो का निर्धारण मौजूद सदस्यों के बहुमत से किया जायेगा। भतो की समानता की स्थिति में बठक के अध्यक्ष को दूमरा अथवा निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।
- 11. तीन माह की समाप्ति से पहले एक ही प्रथन समिति के समक्ष नहीं लाया जायेंगा .— समिति के सकत्प द्वारा निर्णित किसी प्रथन की सकल्प की तिथि से तीन माह की समाप्ति तक पुन विचारार्थ नहीं लाया जायेंगा, बणतें कि प्रध्यक्ष उचित कारणों में ऐने प्रथन की किसी भी समय समिति के समभ लायें जाने की अनुनित न दे थे ।
- 12. कार्यवृतः —-पानांत की प्रत्येक बैठक को कार्ययाक्षी को मिलिय के हम्नाक्षर से कलमश्रद्ध किया जायेगा। आजामी बैठक र काकी पृष्टि किये जाने के पश्चान इस कार्यवृश्त पर भी अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरार्थ किये जायेगे।
- 13 धनराणि की रसीद निर्मित आरा खबरा उसकी घोर से प्रात किसी धनराणि बाबत कि द्वीय खबाना नियमावली के नियम 82 की गर्नी के प्रमुसार सिचन द्वयता उनके प्रयोगस्य द्वारा यदि वह ऐसा करने के लिए प्रधिकृत हो तो, रसीद जारी की जायेगी ।
- 14 वार्षिक रिपोर्ट मिनि मनाधि के प्रशासन सम्बन्धे। वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखा परीक्षक का बिनीय विवरण ग्रीर रिपोर्ट प्रकाणित करेगी।

भाग-III स्थापना

## 15. सविव ---

- (1) समिति किसी व्यक्ति को अग्रकालिक मित्रिक तियुक्त करेगी ताकि वह मिनि का राजवाट मनाधि अधिनियम, 1951 (1951 के 41) की आरा 5 के तहन सीने गये कार्यों के निष्पादन में समिति की सहायता कर सके।
- (2) इस प्रकार नियुक्त सिविद्य समिति द्वारा साथे गाँ कार्य करेगा।
- (3) सचित्र की समिति द्वारा समय-समय पर निर्धारित भने दिये जायेगे ।

## 16. ग्रंथ स्टाफ .--

- (1) कार्यालय के लिए आवयक केन्द्र सरहार रुपिय म धुन सी' घीर 'डी पदा के समरहन्य किसी पद का समिति के आवेशो पर सृजन किया जा सकता है तथा इन पदो के लिए कमश ग्राध्यक्ष घीर सजित नियुनित घाधिकारी होंगे।
- (2) समिति के कार्यालय मे युर 'ए' ग्रीर 'बी' के समनुख्य पदो के सुजन का श्रनुमोदन विलीय शक्ति नियमावली, 1978 के प्रत्यावर्तन प्रावधानों के श्रनुसार शहरी विकाल मन्त्रालय द्वारा किया जायेगा भीर इन पर 'नियनिक्यां' केन्द्रीय मिनिल सेवा (यर्गीकरण नियन्त्रण तथा श्रपील) नियमावली, 1965 के श्रनुसार की जायेंगी।
- (3) सामान्य सेवा णतों, वेतन श्रीर भत्तो, श्रवकाश वेतन, कार्यभार सभालने का समय (ज्वायनिंग टाइम) सम्बन्धी किसी भी मामले में, जिसका इन उप-नियमों में स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है केन्द्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू भूलभून नियमों के प्रावधान, श्रनुपूरक नियम, श्रादेश श्रीर निणय श्राव्यप्रक परिवर्तन सिक्त सिमित के कमचारियों पर लागू होगे।

17. पद तथा वेतनमान : सिमिति मे निम्निलिखित पद होगे जिनका वेतन प्रत्येक के सामने अकित है ---

有。	- <u>-</u> पद	— — वेतनसान	पदों की
स०			सख्या
_	 (ग्रुप'' सी''		
1.	म रक्षक	1400-40-1600-50-	
		2300ई० बी०-60-	
		2600 হত	1
2.	सहायक सरक्षक	1200-30-1500-€०	
		बी०402040 कु०	1
3.	लिपिक-सह-सामान्य सहायक	950-20-1150- ई० मी०	
		-25-1500 ত্	1
	ग्रुप-"श्री"		
4	अमादार	775—10—965—ई० <b>बी०</b> —	
		12-1025 ব্	1
5	चौकीदार	750-8-790 <b>-ई</b> ० बी०-	
		10→940 চ্>	25
6.	चपरासी	750-8-790-ई०को०-	
		10—940 ক্	1
7.	सफाई सेवक	750-8-790-ई∘बी०-	
		10-940 হৃ৹	7

18 श्रायु-सीमा ' विनियम 17 में उल्लिखित पदो पर नियुक्ति की न्यून-तम तथा श्रधिकतम श्रायु, केन्द्र सरकार में समतुख्य पदों के लिए सरकारी श्रादेणों में निर्धारित श्रायु के समान होगी सिवाय सिव पद के, जिसके लिए न्यूनलम श्रायु सीमा 21 वर्ष तथा श्रक्षिकतम श्रायु सीमा 50 वर्ष होगी ।

#### 19. योग्यताए ----

- (1) सरक्षक स्मातक होगा तथा कला म स्नातकोत्तर डिग्री बाले व्यक्ति को वरीयता दी जायगी। उसे गांधीबादी श्रवधाशी श्रीर विचारधाराश्री का पूर्ण ज्ञान तथा श्रवामनिक क्षमता होनी चाहिए ।
- (2) महायक सरक्षक स्नातक होगा तथा उसे गाधीयादी विचारधाराभी का भान होन। चाहिए ।
- (3) लिपि-सह-सामान्य सहायक कम से कम दसवी पास होगा भौर उसे टाइपिंग और मुक्किपिंग का ज्ञान होना चाहिए ।
- (4) जमादार, चौकीदार तथा घपरामी कम से कम ब्राटवी पास होगे। सः इकिल चलाने का ज्ञान वाछनीय है।
- (5) सफाई सेवक को परने लिखने तथा जोड-बाकी-गुणा-भाग करने का प्रारम्भिक क्षान होना चाहिए।
- (6) प्रनुस्चित जाति प्रथवा स्रनुस्चित जन-जाति उम्मोदवारोके मामले मेद्दस सम्बन्ध मे केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी द्वादेशो के प्रनुसार छूट दी जा सकती है।

# 20 नियुषित प्रधिकारी --

- (1) जमादारो, चौकीदारो, चपरासियो तथा सफाई सेवको के मामले में सचिव नियुक्ति श्रिधकारी होगा ।
- (2) सरक्षक, महायक सरक्षक तथा लिपिक-सह-सामान्य सहायक प्रथमा किसी प्रन्य पूर्णकालिक या प्रशकालिक स्टाफ के मामले मे ग्रध्यक्ष नियुक्ति प्रधिकारी होगा।
- 21 भर्ती ---(1) समिति में किसी भी पद पर भर्ती निम्मलिखित भें से किसी भी पद्मित का उपयोग करते हुए नियोजन भाषांलय (रिक्तियो की प्राथम्थक प्रिध्सूचना) प्रिधिनियम, 1951 (1951 का 31) के प्राथम्भनों में प्रनुसार तथा प्रनुसूचित जातियो भीर

ग्रनुसूचित जन-जातियों की रिक्तियों के ग्रारक्षण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले नियमों भीर भादेशों के भन्छ की जायेगी:—

- (क) सीधी भर्ती द्वारा;
- (ख) पदोन्नति भारा;
- (ग) केन्द्र ग्रथवा राज्य सरकार के अन्य किमागों से प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर नियुक्ति ग्रारा; या।
- (घ) विमोध ध्रवधि के लिए ठेके पर ।
- 22 निस्वित संवीका तथा स्थासीकरण '---
  - (1) प्रथम नियुक्ति पर चिकित्सा जांच : समिति में नियुक्ति के लिए चयनित उम्मीदवारों को समिति द्वारा निविष्ट चिकित्सा पाधिकारी में चिकित्मा-जांच करवानी होगी ।
  - (2) सबीता पीत्रो सर्वो इति प्रवत्न पदीत्रति द्वारा कि ी उच्च श्रेणी पद पर प्रारम्भिक नियुक्ति पर सिचव के प्रालाका प्रत्य कर्मचारी को दो वर्ष की प्रविध के लिए संबोधना पर परखा जायेगा, जिसेयदि प्रावश्यक हुया तो, नियुक्ति प्रसिकारी द्वारा बढाया जा सकता है।
  - (3) स्थायीकरण स्वीक्षा श्रवधि की मनोषप्रय मनाप्ति के पश्वान् समिति की सस्थापना मे स्थायी किया जा सकता है।

## भाग-IV

## कर्तत्व्य तथा माधार सहिता

23 कर्मविरियों के कर्त्तंब्य :--सिमिनि का सिविव सवा अभ्य कर्मवारी निविति द्वारा दो जिन्दिमी का प्रयोग करेंगे तथा समय-समब पर सीपे गये कार्यों का निष्पादन करेंगे।

## 24. ग्राचरणतथा अनुशासनः

- (1) प्राचरण : सिमिति के संभी कर्मकारियों पर धमय-समय पर सणोधित कंग्द्रीय मितिन सेवा (प्राचरन) निशमावली, 1964 लागू होगी ।
- (2) प्रनुशासन : सिमिति के सभी कर्मवारियों पर समय समय पर सशोधिन केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियम्बण तथा प्रपीस) नियमावली, 1965 लागू होनी । सिमिति के स्टाफ के सम्बर्ध्यूमे निम्नलिखित अनुशासनात्मक भीर अपील प्राधिकारी होगे :---

₹	टाफ श्रेणी	साधारण/प्रसाधारण	वण्ड
ų	नुशासनात्मक प्राधिकारी	प्रपील प्राधिकारी	
,	प 'ए' के समकक्ष	20.	
	चिव/ध्रष्ट्यक्ष र 'सी' के समकक्ष	प्रेजीस्ट	
	रक्षकं सहित सभी पद प'डी' के समक्षाः	मध्यक्ष	
-	मी पद सःचिव	मध्यक}	

#### मा**ग -** ∨

#### भरते तथा अन्य विविक्षालाभ

#### 25. भत्त तथा भन्य रियायते :---

(1) कमवारियो को, केन्द्र सरकार को समनुत्य रैक क कमवारियो को समय-समय पर वेय समान वरो और समान कालौ पर, निम्नलिखित भन्ने और रियायत वेय हैं:---1. मशुगई भन्ता ।

- 2. प्रतिपूर्ति भत्ता ।
- 4 बाल शैक्षणिक भत्ता तथा ट्युशन फीस की प्रतिपूर्ति।
- 4. मकान किराया भरा।
- 5. सफाई भक्ता **।**
- 6. भ्रवकाश यात्रा रियायत ।
- (2) चिकित्स्या भत्ता : ग्रुप 'सी' के समनुत्य कर्मचारियों को प्रति-वर्ष सात सौ रुपये ग्रीर ग्रुप 'डी' के समनुत्य कर्मचारियों को प्रतिवर्ष पाच सौ न्यये चिकित्सा भत्ता दिया जायेगा।

### 26 प्रवकाण स्वीकृति :---

- (1) स्वित के प्रताया प्रत्य कर्मच।रियों को सभी प्रवकास स्वित द्वारा स्वीकृत किये जायगे । स्वित को प्रवकाश प्रध्यक्ष द्वारा स्वीकृत किया जायेगा ।
- (2) कोई भी कनवारी एक करैंग्डर यर्प मे 12 प्राकृत्मिक प्रवकाश ले सकता है । ग्रन्थ प्रकार के भवकाश पर केन्द्रीय सिविधा सेवा (ग्रवकाश) नियमावली, 1972 लागू होगी ।
- (3) सप्ताहत श्रवकाश : प्रत्येक कर्मचारी एक सप्ताह मे एक दिस के श्रवकाश का हकदार होगा । यह सप्ताहात श्रवकास सिचव द्वारा अनुवार स्त्रोकृत किया आयेगा ताकि काम मे क्कावट न हो ।
- (4) छुट्टिया ं सभी कर्मनारी एक वर्ष मे समिति द्वारा समय-ममय पर निर्धारित अधिकतम 16 दिन की छुट्टियों के हुकवार होगे । इसके अतिरिक्त, कोई भी कर्मनारी एक वर्ष मे समिति द्वारा अधिसूचित छुट्टियों मे से एक वर्ष मे अधिक-सम 2 दिन का ऐक्छिक अवकाश का हुकवार होगा । यदि किसी कर्मनारी को किसी छुट्टी में दिन इयूटी करनी पड़े सो सिवा इसके बदले मे उसे कम से अतिपूरक अवकाश स्वीकृत कर सकता है ताकि समाधि मे कार्य मे क्काबट न भाय ।
- (5) परयेक श्रणी के कर्मचारियों के लिए कार्य समय समिति द्वारा निर्धारित किया जायेगा, परन्तु यह कार्य समय केन्द्र सरकार मे सनकत पदो के लिए निर्धारित कार्य समय से कम नदीं होगा ।
- 27. स्राप्तेम : कर्मवारिया को केख सरकार के कर्मवारियों पर लागू वेतनमानो और तिशन्त्रन तथा शर्नों के ज्ञहर्गत्योहार स्राप्तिम, साक्षकिल स्राग्नि, प्रथकाश वेतन श्राप्तिम पाने का हक होगा।
- 28. वर्दी : केन्द्र मरकार के ध्रुप 'डी' कर्मवारियों के बेतनमानों के अनुक्ष्म जमादारो, चौकीवारो, चारासियों और सफाई सेवकों को विदेश जारी की जामेंगी।
- 29. रिहायणी झावास : सरलक तथा सहायक संरक्षक के लिए समाधि परिसर में लाइमेंस नि शुल्क अपुमिजित रिहायशी झावास दिया जायगा । स्टाफ के अन्य सदस्यों को उन्तर्ग्ध झावास के लिए दिल्ली में केन्द्र सरकार के कर्मवारियों पर लागू नियमों के तहत कि इससे फीस वसूल की जायेगी । विजली, पानी तथा नगरपालिका कर, यदि कोई हो, का भुगान केन्द्र सरकार के कर्मवारियों पर समय-समय पर लागू दरों के हिसाब से रखलकार द्वारा किया जायेगा ।

# भाग VI सेवा रिकार्ड

- 30. सेत्रा पुस्तिकाए, प्रवकाण लेखा तथा व्यक्तिक काइलें :--समिति प्रत्येक कर्मचारी की सेवा पुस्तिकाए, प्रवकाण लेखे तथा वैयक्तिक फाईल रखेगी । सेत्रा पुस्तिकाक्रो, प्रवकाण लेखो मे प्रविष्टियो हर हालत मे सचिव द्वारा मस्यापित करवानी होगी ।
- 31. वरित्र पजी .—समिति द्वारा सभी पूप 'सी' फोर ऊपर के कर्म'वारियो की चरित्र पंजी रखी जायेगी। इसमें सेवा का संक्षिप्त क्योरा तथा कर्मचारी का स्व-मल्यांकन, रिपोर्ट लिखने वाले अधिकासी

,और मूल्यांकन भ्रधिकारियों की टिप्पणियां होंगी । युप 'सी' कमें चारियों के मामले में सचिव रिपोर्टिंग भ्रधिकारी तथा प्रध्यक्ष मूल्यांकन प्रक्षिकारी होगा । सिचव के मामले में रिपोर्टिंग/मूल्यांकन मधिकारी अध्यक्ष होगा ।

#### भाग-VII

## धंजीकरण, सेवा निवृति तथा सेवा समापन

#### 32. प्रस्थायी सेवाफ्री का समापन :----

- (1) प्रुप 'सी' श्रीर 'डी' समतुस्य श्रस्थायी कर्मवारी की सेवाश्रों को ग्रुप 'सी' तया 'डी' कर्मचारियों द्वारा समिति की या समिति द्वारा ग्रुप 'सी' तथा 'डी' समतुस्य कर्मचारी की दिय गये एक माह के लिखिल नोटिस पर समाप्त किया जा सकता है।
- (2) ऐसे नोटिस की अवधि एक माह होगी :——यदि सुप 'सी' श्रीर 'डी' के किसी कर्मजारी की सेवाएं तत्काल समाप्त की जाती है तो इस प्रकार सेवा समापन पर वह कर्मजारी नोटिस अवधि का उसी दर पर अपना देतन और भनों का हकदार होगा, जिस वर पर वह अपनी सेवा समाप्ति तुरन्त पहले देतन और भनों ने रहा था।
- (3) समिति के युप 'ए' भ्रौर 'की' ग्रस्थायी कर्मवारी की सेवा समाप्ति का मधिकार केन्द्र सरकार के पास होगे।

## 33. धनियार्य सेवा-निवृत्ति :---

- (1) समिति को यित, उसकी राय में ऐसा करना जनहित में हो तो पुत्र 'सी' अथवा पुत्र 'ही' समतुल्य किसी पद पर कार्यरत अपने कर्मवारी को 55 वर्ष की शायुगाप्त करने पर कम से कम ठीन माह का लिखित नोटिस अथवा ऐसे नोटिस के बदले में तीन माह का बेसन और भक्षे देकर सेवा निवृत करने का अधिकार होगा।
- (2) ग्रुप 'ए' प्रथवा थुप 'बी' समतुख्य पद पर समिति के किसी कर्मचारी की 55 वर्ष की भागु प्राप्त करने पर सेघा निवृक्ष करने के प्रधिकार केन्द्र सरकार के पास होंगे।

#### भाग-VIII

## सेवा निवृत्तन भीर सेवा निवृतन लाभ

34. सेवा निवृत्तन तथा भन्य लाभ : संरक्षक, सहायक संरक्षक भौर शिपिक सह सामान्य सहायक के लिए सेवा निवृत्तन की सामान्य भायु 58 वर्ष होगी । जनावार, चपरासी, भौकीदार तथा सफाई सेवक के लिए सेवा निवृत्तन की श्रायु 60 वर्ष होगी ।

## 35. ग्रंगदायी भविष्य निधि :---

- (1) सिमिति राजधाट समाधि अंशदायी भविष्य निधि नामक एक पृथक कोष रखेगी झौर संचालित करेगी । सिवाय संवीक्षाधीन कर्मचारी, झाकस्मिक कामगार अथवा किसी अंशकालिक कामगार के प्रत्येक कर्मचारी को समय-समय पर यथा संशोधित अंशवायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 में उल्लिखित दर पर झंशवायी भविष्य निधि में अंशवान करमा होगा भंशदान कर्मचारी के प्रत्येक माह के बेतन और भक्तों से बसूल किया जायेगा ।
- (2) समिति प्रतिवर्ष 31 मार्च को अपनी निश्चिस वर्ष के बौरान सम्बन्धित कर्मचारियों से बसूल की गई कुल धनराणि के बरावर पंशदान करेगी किन्तु यह ग्रंगवान समयन्समय पर यथासंगोधित ग्रंगदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 में उल्लिखित दर से श्रधिक नहीं होगा।
- (3) समिति कर्मभारी द्वारा दिये गये भंगवान पर श्रंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 में दिये गये प्रावधानो के अनुरूप ज्यान का भुगतान करेगी।

- (4) तिघि से प्रियम, निधि से धनराशि निकालने, निधि से भ्रांतिम निकासी भावि के सम्बन्ध में निधि के अंशवासाधों पर भी ग्रंगदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 के प्रावधान लागु होंगे
- 36 परिवान (ग्रेक्यूइटि): पांच वर्ष की झगातार सेवा पूरी करने वाले कर्मचारी को उसकी सेवा निवृक्ति पर छः छः माह की पूर्ण सेवा अवधि के एक बीयाई परिलब्धि के बराबर सेवानिवृक्ति परिवान स्वीकृत किया जायेगा जो परिलब्धि की 16 1/2 गुणा से प्रधिक नहीं होगा ।
  - (2) यवि किसी कर्भचारी की सेवा में रहते मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार को तालिका में दी गई दरों पर केन्द्रीय सिकिल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम (51) के उपनियम (1) में उल्लिखित पद्धति के ग्रनुसार मृत्यु परिदान विया जायेगा :

#### तालिका

सेवा श्रवधि	मृत्यु परिदान-दर
(1) 1 वर्ष से कम	माह की परिलब्धि की दो गुणा।
(2) एक वर्षभ्रयवाद्यधिक लेकिन	
5 वर्ष से कम (3) 5 वर्ष प्रथया भ्रधिक लेकिन 20	माह की परिलब्धि की छ: गुणा। वर्ष
से कम	माहको परिलक्षिककी बारहक्षा <i>।</i>
(4) 20 वर्षे मध्या प्रधिक	छ. छः माह की पूर्णसेव। भवधि
	की अप्धी परिलम्धि जो माह की परिलम्धि की 33 गुणा से ब्रधिक
	महीं होगा ।

- परन्तु मृत्युसह सेवा निवृत्तन परिदान किसी भी हालत में एक लाख रुपये से श्रीधक नहीं होगा ।
- (3) परिदान के प्रयोजनार्थ परिलन्धि नी गणना केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) नियमावली, 1972 के नियम 33 के प्रमुसार की जायेगी।
- (4) यदि पांच वर्ष से कम सेना बाले कर्मचारी को प्रमाणित बुब्यवहार के दण्डस्वरूप सेवा से निकाला या सेवा निवृत किया जाता है तो, जसको मृत्युसह सेवानिवृत्तन परिदान देय नहीं होगा।

#### भाग−1X

#### सामान्य

- 37. (1) यदि किसी उप-नियम की व्याख्या के बारे में कोई संदेह उत्पक्त होता है तो इस मामले को भारत सरकार के शहरी विकास मन्त्रालय को भेजा जायेगा जिसका निर्णय भ्रमंतिम होगा।
  - (2) भारत सरकार के गहरी विकास मन्द्रालय के पास ऐसे मामलों में, जिनका इन उप-नियमों में स्पष्टतः उल्लेख नहीं किया गया हो, समिति के नियमों या विनियमों तथा सरकारी विभागो में स्थापित पद्धतियों के अनुसार निर्णय लेने हेतु भविषद्ध गम्तियां होंगी ।

#### 38 निरसन तथा प्रतिबंध :---

(1) राजधाट समाधि समिति उप-नियम, 1993 के प्रारम्भ होने पर इन उप-नियमों में उल्लिखित किसी मामले, भारत सरकार के निर्माण, भावास तथा भ्रापूर्ति मन्त्रालय के दिनांक 11-8-1956 के पन्न सं० 777-बब्ल्यू १ 1156 (1956 के) हारा यथाभ्रनुमोदित उप नियसों भौर इन उप-नियमों के प्रारम्भ से तत्काल पहले प्रचालित उक्त मन्त्रालय के दिनांक 1 जनवरी 1962 के पन्न सं० 19-2-1960 बळ्यू 1 द्वारा भ्रमुमोदित भ्रमुपुरक उप-नियम रह हो जाक्षी।

## RESERVE BANK OF INDIA CENTRAL OFFICE

## DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS

#### Bombay the 19th February 1994

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 20th April, 1946 (as amended under the Notification No. F(8)/70-B/52 dated the 29th April, 1954 and the notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list for the month ended 30th September 93 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All persons other than the respective claiments named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief Accountant Reserve Bank of India Central Office, Department of Government & Bank Accounts Central Debt Division Bombay.

The list has been divided into two parts: List 'A' being securities now advertised for the first time and list 'B' the list of securities previous advertised.

*	TOT	6 A T
	IST.	'A'

No. of Security	Value ir Rs./Grm		name issued	From what date bearing interest	(s) for is and/or p	s) of the claimant ssue of duplicate payment targe value	No, an	d date of order issued
1			3	4		5		6
<u> </u>			New D	elhi Circle				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
		National	Defence Gold	Bond 1980	'A' Serie	es		
DH-010553	18 gms.	Shri Gurbi	achan Singh	27-10-67	Shri Gur	bachan Singh	PDO-M-3 (LN. 3/92	52/93-94 dated 2 <b>2-9-93</b> E)
			Hyde	rabad Circle	•			
		National 1	Defence Gold 1					
DH-002158	9 gms.	K.C. Ranga	anadhem	Date of	K.C. Ran	ganadham	113 dated	11-9-1993
				Madras Ci	rcle			
MS 013584	10 gms.	Na M. Nangayy	itional Defence	Gold Bond 27-10-66	<b>s 1980 'B'</b> Leelavath		DM DV	No. 24 dated 7th
1125 010501	10 8.11.	(since decea		27-10-00	Decim tutti,	,		: 1993 (LN 2632)
			9% Re	lief Bonds 1	987			
MS 001086	Rs. 20,00	0 Bala Mania Represented and natural N.V.S. Mar	l by father guardian	Post dated warrants issued upto 17-2-93	Represente	ed by father al guardian		No. 37 dated 30th 1993. (LN 2633)
			1	LIST 'B'				
No. of Security	Value Rs./Gms.	In whose Name Issued	From what bearing inte	date Name rest claims issue c cate/p	s of the ants for of dupli- ayment charge	No, and date of issued	f order	Date of publication under P.D. Act 9 of 1944 of list in which the security was first published.
1	2	3	4		5	6		7
				alcutta Circi				
				nversion Loa	и <b>1У40</b>			
CA 335844	•	onomala Sett Do,	16-9-80		omala Sett	-		
CA 335845	1,000/-	DU,	Do.		<b>D</b> o,	DY No. LCC dated 28-8-93 I 2472.		<u></u>
CA 335846	1,000/-	Do.	Do.		Do.	Do.		_
CA 335847	1,000/-	Do.	Do.		Do.	Do.		

CA 002009

Ltd, P.F.

1.00-000/-

1	2	3	4	5	6	7
			N	Madras Circle		<u></u>
		Nationa	al Defen <b>c</b> e Gol	d Bonds 1980 'B' Serie	:S-	
M\$ 001002	12 gms.	T.M. Chinna- samy	7-1-66	T.M. Chinna- samy	JM. DY. No. 99 dated 15-2-93 (LN 2365)	Gazette copies not received
		Nations	l Defence Gol	d Bonds 1980 'A' Seri	les-	
MS 039769	4 gms.	P.K. Komalangi (since deceased)	27-10-1967	A. Chinnan A.C. Remadevi A.C. Uma devi (Legal heirs)	JM, DY, No. 116 A dt. 4-3-93 (EN. 2630)	Do,
		National	Defence Gold	Bonds 1980 'B' Ser	ies	
MS 046250	13 gms,	V. Krishnaswami	27-10-1972	V. Krishnaswami	JM. DY. No. 153 dated 10-5-93 (LN 2301)	Do.

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 20th April, 1946 (as amended under the Notification No. F(8)/70 B/52 dated the 29th April, 1954 and the notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list for the month ended 31st August 1993 is hereby advertised of securities lost etc. in respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All persons other than the respective claiments named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chlef Accountant Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government & Bank Accounts, Central Debt Division, Bombay.

The list has been divided into two parts: List 'A' being securities now advertised for the first time—and list 'B'—the list—of—securities previous advertised.

UST 'A'

			U	191 A		
No. of Security	Value ii Grms,	n Rs./ In whose	name issu <b>e</b> d		Name(s) of the claimant (s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value.	No. and date of order issued
1	2	3	3 -	4	5	6
			Calcutta	Circle		
			3% Conversion	n Loan 1946		
CA-335844	500/-	Bonon	nala Sett	16-9-1980	Bonomala Sett	Jt. Manager's order DY.
CA-335845	1,000/-		Do.	Do.	Do.	No. LCO-48/93-94 dt.
CA-335846	1,000/-		Do.	Do.	Do.	28-8-93 File No I—
CA-335847	1,000/-		Do.	Do	Do.	2472.
				LIST 'B'		
No. of Security	Value Rs./Gms.	In whose name Issued		Name/s of the ng claimants for it of duplicate/ payment of dis- charge value		Date of publication under P.D. Act. 9 of 1944 of list in which the security was first published.
i	2	3	4	5	6	7
	<u> </u>	<b> </b>	CALCUT	IA CIRCLE		
			8%	Loan 2011		
CA 002007]	1,00,000/-	Trustees (Jessop & Co.	27-10-81	Trustees Jessop & Co.	Manager's Order DY No. LCO/289	1/92-93

Ltd. P.F.

27-4-88

dated 16-6-93

#### MADRAS CIRCLE

#### National Defence Gold Bonds 1930 'B' Series

M\$ 035316	2 g ns.	V.P. Phillip	27-10-67	V·P. Phillip	JMDY No. 48 dated 12-10-92 (LN 2628)
M3 016591	10 gms·	G. Sabapathy	27-10-66	G. Sabapathy	JMDY No. 64 dated 29-10-92 (LN 2255)
MS 001002	12 gins.	T.M. Chinnasamy	7-10-66	T.M. Chinnasamy	JMDY No. 99 dated 15-2-93 (LN 2365)
MS 046250	13 gms.	V. Krishnaswami	27-10-72	V. Krishnaswami	JMDY No. 153 dated 10-5-93 (LN 2301)

#### LIST 'B'

No. of Security	Value Rs./Gms.	In whose name Issued		Name/s of the claumants for issue of duplicate/payment of discharge value	No and date of order issued	Date of publication under P. D. Act. 9 of 1944 of list in which the security was first published.
1.	2.	3.	4	5,	6.	7.

#### MADRAS CIRCLE

#### National Defence Gold Bonds 1980 'A' Series

M3 039769	4 gm;.	P.K. Komulangi (since deceased)	27-10-67	A. Chinna, A.C. Rema A.C. Umadevi	JMDY No. 116A dated 4-3-1993 (LN 2630)	
_ <del></del>						

The Chief Accountant,
Reserve Bank of India,
Central Office,
Department of Government & Bank Accounts,
Central Debt Division,
Eombay-400 051.

## STATE BANK OF TRAVANCORE

# (ASSOCIATE OF THE STATE BANK OF INDIA) NOTICE

# Thiruvananthapuram, the 2nd February 1994

No. MID/AGM/1224.—Notice is bereby given that the Register of Shareholders of State Bank of Travancore will remain closed for transfer of shares from Friday the 1st Apr'l 1994 to Friday, the 15th April 1994 (both days inclusive).

K. RAMAKRISHNAN Managing Director

# THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

#### New Delhi-110002, the 21st January 1994

No. 13-CA(EXAM)/M/94.—In pursuance of Regulation 22 of the Chartered Accountants Regulations 1988, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify that the Intermediate and Pinal Examinations will be held on the dates given below at the following centres provided that sufficient number of candidates offer themselves to appear from each centre:—

#### INTERMEDIATE EXAMINATION:

Group I: 2nd, 3rd, 4th and 5th May 1994 Group II: 6th, 7th and 9th May 1994

## FINAL FXAMINATION:

Group I: 2nd. 3rd. 4th and 5th May 1994. Group II: 6th, 7th, 9th and 10th May 1994. 7—469 GI/93

# CENTRES:

- 1. AGRA.
- 2. AHMEDABAD,
- 3. ALLAHABAD.
- 4 AMBALA.
- 5. BANGALORE.
- 6. BARODA.
- 7. BELGAUM.
- 8. BHOPAL.
- 9. BOMBAY. 10. CALCUTTA.
- 11. CALICUT.
- 12. CHANDIGARH.
- 13. COIMBATORE.
- 14. CUTTACK.
- 15. DELHI/NEW DELHI.
- 16. FRHAKULAM.
- 17. GAUHATI.
- 18. GHAZIABAD.
- 19. HYDERABAD.
- 20. INDORE.
- 21. JAIPUR.
- 22. JAMMU.
- 23. JODHPUR.
- 24. KANPUR. 25. KATHMANDU.

- 26. KOTTAYAM.
- 27. LUCKNOW.
- 28. LUDHIANA.
- 29. MADRAS.
- 30. MADURAL
- 31, MANGALORE.
- 32. MEERUT.
- 33. MUSCAT.
- 34. MYSORE.
- 35. NAGPUR.
- 36. NASIK.
- 37. PATNA.
- 38. POONA.
- 39. RAIPUR.
- 40. SALEM.
- 41. SURAT.
- 41. 00M11.
- 42. TIRUCHIRAPALLI.
- 43. TRICHUR.
- 44. TRIVANDRUM.
- 45. UDAIPUR.
- 46. VIJAYAWADA.
- 47. VISAKHAPATNAM, and
- 48. YAMUNA NAGAR.

Payment of fees for the examinations should be made only by Demand Drafts. The Demand Drafts may be of any nationalised bank and should be drawn in favour of the Secretary to the Institute payable at New Delhi only.

The Council reserves the right to withdraw any centre at any stage without assigning any reasons.

Applications for admission to these examinations are required to be made on the relevant prescribed form, copies of which may be obtained from the Sculor Deputy Secretary (Examinations). The Institute of Chartered Accountants of India. Indraprastha Marg, New Delhi-110002, on payment of Rs. 5/- per application form.

Applications together with the necessary certificates and the prescribed fee by Demand Drafts of any nationalised bank may be sent so as to reach the Senior Deputy Secretary (Examinations) at New Delbi not later than 3rd March 1994. However, applications will also be received direct by Delbi Office after 3rd March 1994 upto 11th March 1994 with late fee of Rs. 50/-. Applications received after 11th March 1994 shall not be entertained. Applications will also be received by hand delivery at the office of the Institute at New Delbi and at the Regional and Branch Offices of the Institute at Bombay, Calcutta. Madras, Kanpur. Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad and Poona upto 3rd March 1994.

Candidates residing in these cities are advised to take advantage of this facility.

The fees payable for the various examinations are as under:-

#### INTERMEDIATE EXAMINATION:

For One Group only-Rs. 200/-.

For Both Groups-Rs. 350/-.

#### FINAL FXAMINATION:

For One Group only-Rs. 225/-.

For Both Groups-Rs. 400/-.

Special Category (Paper 4 or 5)-Rs. 100/-.

Special Category (Papers 4 and 5) -Rs. 175/-.

Candidates onting for Kathmandu centre are required to remit Rs. 500/- or its emivalent relevant foreign currency irrespective of whether the candidates appear in a single paper. In a group or both groups.

Candidates of the Intermediate and Final Examinations opting for Muscat centre are required to remit \$30 and \$40 respectively or its equivalent Indian currency irrespective of whether the candidates appear in a single paper, in a group or both groups.

## OPTION TO ANSWER PAPERS IN HINDI:

Candidates of Intermediate and Final Examinations will be allowed to use the Hindi medium for answering papers. Detailed information will be found printed in the information sheets attached to reelvant application form.

#### JAGDAMBA PRASAD

Senior Deputy Secretary (Examinations)

#### Bombay-400 005, the 2nd December 1993

No. 3WCA(4)1/93-94.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of of the powers conferred by clause (a) of the sub-section (i) of section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, with effect from the date mentioned against their names, the names of the following gentlemen.......

Sr. No.	MRN	Member Name & Address	Canc, Date
1	2	3	4
1.	000322	Mr. Italia Hormassi Pirossha, Habib & Co., Patharia Palace, 75Mohamed Ali Road, Bombay-400003.	10-6-93
2.	000831	Mr. Korke Yeshwant Trimbak Y.NT. Korke & Co. 186 Inst Road, Dharmpet Esxt. Nagpur.	15-12-92
3.	002184	Mr. Dastur Behramsha Cursetji B. C. Dastur & Co. 269 III Floor, Dr. D. N. Road, Bombay-400001.	20-04-93
4	003210	Mr. Chokshi Navnitlal Dhansukh Chokshi & Co., 501, Dhagya Laxmi, 18-C, Kennedy Bridge, Bombay-400004.	8-8-93
5.	003821	Mr. Shroff Purshottamdas Tribh C/o Habib & Co. 75, Mohammedalli Road, Bombay-400003.	2-10-92
6	007321	Mr Jambhekar Ramesh Ramchandra R. T Joshi & Co. Barve Building, Main Road, Nashik.	5-4-93
7.	017884	Mr. Bilimoria Savak Kavasji Flat 1, 11th Floor, Palmsprings, 157 Cuffe Parade Road, Colaba, Bombay-400005.	29-8-93

<del></del> -	<del></del>	3	4	1	2	
1	2		<del>4</del>	16,	031700	N K
8.	033077	Mr Poonawala Zohair Mohamedbi Z M Poonawala & Co V Floor, R No. 70A,	h 3-4-93			3
		Mohamed Manzil, 70 Mohamedali Road, Bombay-400003.		17.	036937	N H 3
9.	036437	Mr. Swaminathan Murari ACA 1223, Shukrawar Peth, Subhashnagar Road-4, Pune-411002.	7-5-93	18.	038975	B N 1' V
0	000745	Mr Joshi Dinkar Ganesh 8, Meghdoot, 162, Taikalwadi Road, Mahim, Bombay-400016.	7-6-92			
11	006339	Mr. Desai Bhalubhai Gopaljee Jivan Gruah, Gadkari Street, Navsarl-0.	12-4-93		PLOYEES New D	elhi
12.	007315	Mr. Sadikot Fakhruddin Shamsud Room No. 13, Karimji Building, 19, Dhandarj Street, Bombay-400003.	17-10-92	the e (here for e Empl	<ol> <li>No. 2/mployers of after referred version under the control of the co</li></ol>	f thed t nder vider
13.	009723	Mr. Kothari Kanhaiyalal Manake Kothari K. M. & Co. 71-73, Apollo St., II Floor Fort, Bombay-400023.	21-1-93	Come estable or pa	ID WHER! missioner, i lishment ar lyment of a p Insurance	s s e, v pren
14.	030218	Mr. Nadar Vijay Gajanan, Sai Prasad III Floor, Near Ramanand Soc Subhash Road Extension Vile Parle East, Bombay-400057.	18-11-92 I,.	of In favou under (here	dia in the trable to so the Emploismenter reference.  OW, THER	na uch oyec errec EF(
15,	030220	Mr. Dave Deepak Bhikhabai Deenak Dave & Co., 30, Embassy Market, Near Dinesh Hall Ashram Road, Ahmedabad-380009.	3-12-92	nuation Laborate number of the	ub-section 2 on of the ur/C.P.F.C ame of each tions specifions, hereby exited of 3 year names.	G ch of fied kem

1	2	3	4
16.	031700	Mr. Radadiya Kalubhai Jerambha K. J. Rululiya & Co., 312, Akshar Diamond Market Opp. Navratan Bldg., Mini Bazar- Surat-395006.	10-7-93 V,
17.	036937	Mr. Chhabra Ravi Prakash B-32 Juhu Sun N Sea Apts., 33-B Juhu Road, Juhu, Bombay-400049	28-7-93
18.	038975	Mr. Shah Bharat Kantilal, 17,Queens Lawn,III Floor S.V.R. Vile Parle West, Bombay-400056.	11-11-92
		A. K. MAJU	MDAR,

#### A. K. MAJUMDAR, Secretary.

#### MINISTRY OF LABOUR

EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION New Delhi-110 001, the 19th January 1994

S.O. No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/455.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Mixellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Minis'ry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No.	Name & address of the establishment	Code No	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	QPZC's Fils No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Indehem Electronics Ltd. 47, Developed Plots for Electricals & Electronics, Madras-96.	TN/11109	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt./3895 dt, 1-8-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/2730/90-DLI
2.	M/s. Sivakami Pressings, Plot No. 6, Industrial Estate, Perungadi, Madras-96.	TN/7466	Do. dt. 1-8-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/2736/90-DLI
3.	M/s. R.M. Trading Company, 156, Thambu Chetty Street, Madras-1.	TN/22300	Do, dt. 29-8-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/2737/90-DLI

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) Sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Schemes.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of Ind's as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of the Premium—the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the acceipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

# The 26th January 1994

S. O. No. 2/1939/DLI/Exemp./89/Pt.I/463.—WHEREAS, the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exemp' each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI, No.		Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of expiry	Period for exemption	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s Rail India Technical and Feonemic Service Limited, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhl.	DL/5633	S-35014/112/83-PF-II (SS-II) dated 2-6-86	20-5-89	21-5-89 to 20-5-92	2/866/83-DLI
2.	M/s Central Cottage Industries Corperation of India Limited, Janpath 'A' Jarracks, New Delhi-110001.	DL/1361	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I 368-85 dated 29-1-93	30-9-90	1-10-90 to 30-9-93	2/4760/92-DL1
3.	M/s Jay Engineering Works Ltd., Kasturba Gandhi Marg., New Delhi-110001.	DL/2694	2/1959/Exemp/DLI/89/Pt. 1 dated 29-1-93	31-5-92	1-6-92 to 31-5-95	2/4396/ <b>92-DL</b> I
4.	M/s Sona Fashions (Pvt.) Ltd., F-63, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020 (Including branches covered under this code No.)	DL/9555	Do. dated 22-12-92	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/4397/92-DLI
5.	M/s Foremost Davies Limited., 72 Januarh, New Dolli-110061	DL/3455	S-35014/149)/86-SS-II dated 21-4-86	20-4-39	21-4-89 to 20-4 <b>-</b> 92	2/1442/86-DLI
6.	M/s National Courtil for Hotel Management & Catering Technology Library Avenue, Pusa Complex. New Delhi-12	DL/9119	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. 1 dated 27-8-92	30-11-92	1-12-92 to 30-11-95	2/4291/92-DLI
7.	M/s Pure Dunks (New Delhi) Ltd. Mohan Singh Building, Commught Lane, New Delhi	DL/1091	2/1959/DLI/39/Exem./Pt. I dated 12-12-90	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/996/93-DLI
8.	M/s In ian Gil Corporation Ltd. Scope Complex, Core-2, 7-Institutional Area, Lodni Row, New Delhi-110003.	DL/1338	D3. dated 1-8-91	22-5-93	23-5-93 to 22-5-96	2/131/78-DLI
9	M/s Kegfarms LimiteJ, 8th Fibor, Erbs Apartment, 56 Nehru Place., New Delhi-110019.	DL/3630	2/1959/DLI/89/Pt. I dated 22-12-92	31-1-93	1-2-93 to 31-1-96	2/4323/92-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date. as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/471.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees the said establishment are, without making anv contribution or of premium, payment enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption.	Period for exemption further extended.	CPFC's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s Krishnaveni Kannan, 249/3, Meenakshi Nagar, Aruppukdtai, Main hoad, Madurai-12.	TN/955-E	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 14-3-90	30-11-91	1-12-91 to 30-11-94	2/2446/91/DLI
2.	M/s T.R.D. Senthilkumar, Veerabtadhra Pillari Compound, Main Road, Madurai-12.	TN/955-I	Do. dated 29-1-90	30-11-91	1-12-91 to 30-11-94	2/2458/90/DLI
3.	M/s K. Divya by F & G.T.R. Kannan, 243, 249/3, Meena Kshinagar, Aruppukottai Main Road, Madurai.	TN/955-L	Do. dated 29-1-90	30-11-91	1-12-91 to 30-11-94	2/2459/90/DLI
4.	M/s T.R.S. Vijairam, 11, Besant Road, Madurai-2.	TN/8911-B	Do. dated 29-1-90	30-12-91	1-12-91 to 31-11-94	2/2467/92/DLI

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct Clause (a) Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Centrol Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be limble to be cancelled.
- 10 Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corportaion of India, and the policy is allowed to tapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89|Pt. I|511.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THERFFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/CPFC. Notification No. and date shown against the name of each of the establ shment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto I, B, N SOM, hereby exempt each of the said establishments further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No.	Name & Address of the establishment	ColajNo.	No. & Date of Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended	Date of explry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	M/s Andhra Printers Limited, Andhra Jyothi Buildings, P.B. No. 712, Labbipet Vijayawada-520010 (A.P.)	AP/1480	2/1599/DLI/Exemp/89/Pt. I date1 7-4-93	28-9-95	29-9-92 to 28-9-95	2/1473/86/DLI
	M/s Hotel Manorama, 27-38-61, Bandur Road, Vijayawada-520002.	AP/3343	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 29-1-92	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/4386/92-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (here nafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct Clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on of the death of an employee the amounts navable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No emendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium e'c. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomine(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

#### New Delhi-110 001, the 25th January 1994

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/526.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2/A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS I, B. N. SOM. Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of henefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE in exercise of the powers conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of I about/CPFC Notification No and date shown against the name of each of the establishments and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto. I. B. N. SOM bereby exempt each of the said establishments further neriod of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-U

Sl. Name & Address of the No. Establishment	Code No.	No & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	CPF's File No.
M/s Mahoe Engineering Co.     Ammankulam Road,     P.N. Palayam     Colmbatore-18.	TV'()549	2/1959/DT/Josomo/39/Pt. I dt, 10-12-92	37-11-97	1-12-90 to 30-11-93	2/4413/92-DLT
<ol> <li>M/s. Sri Vignoswara Engineering 1095, Avanashi Road, P.N. Palavam, Coimbatore-37.</li> </ol>	TN/11985	Do, dt. 28-5-90	31-12-97	1-1-91 to 31-12-93	2/2682/90-D1 T
<ol> <li>M/s, Rajshroe Solnning Mills (P) Ltd 617A, Velankurichi Roa Peclamedu, Colmbatore-641004.</li> </ol>	TN/17505 d,	Do, dt. 6-4-93	31-1-91	1-2-91 to 31-1 94	2/4611/92-DI T
4. M/s, Sri Lakshmi Gavatri Engineering Works Ltd., Karamadai, Coimbatore-641014.	TN/19250	Do. đt. 2-1-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3303/00-DLI
5. M/s M M Sons Textiles, Sowringlayam P.O. Colmbatore-641028	TN/21346	Do, dt. 2-1-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3246/90-TXT

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct Clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the clause of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benfits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under the scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the decreased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/534.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 1 of the I-mployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the empployees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Depos't Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

		001120			
SI. Name & Address of the No. establishment		No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ further extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
1. M/s. Rayal Calcutta Truf Club 11. Russell Street, Calcutta-71	WB/9400	2/1959/DLI/Exemp/89-Pt. I dated 9-1-90	30-11-91	1-12-91 to 30-11-94	2/2308/89-DLI
2. M/s. Arim Metal Industries Pvt. Ltd., 23, Convent Road, Calcutta-700014 alongwth its branches	WB/1864	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated 30-7-92	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/4339/92-DLI
3. M/s Steel Authority of India Ltd., Central Marketing Organisation, Ispat Bhawan, 40, S. N. Road, Calcutta-71.	WB/9057	2/1959/DL1/Exem/89-Pt. I dated 14-2-92	5-9-90	6-9-90 10 5-9-93	2/1053/84-DLJ
4. M/s Kirloskar Electric Co. Ltd. 3rd Floor, 7 Camac Street, Calcutta-700001 alongwth its branches	WB/14118	2/1959/DLJ/Exem/89-Pt. I dated 22-7-91	16-1-91	17-1-91 to 16-1-94	2/269/79-DLI

## SCHEDULE-11

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct Clause (a) of Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas as employee, who is already a member of the Fundovees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding envithing contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts pavable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominees(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer,
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem/89|Pt. 1|542.—WHEREAS the employers of the establishments (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, In exercise of the power conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

St. No	Name & Address of the establishment	Code No.	No & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended,	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended.	C.P.F.C.'s File No.
١.	M/s Kinariwala Dye-Chem. Industries, S-52, Mun Industrial Estate, Bapunagar, Ahmedabad.	GJ/1385	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 15-5-90	31-1-92	1-2-92 to 31-1-95	2/2357/89-DL1
2.	M/s Harikripa Paper Co. 647, Khadia Char Rasta, Nava Darwaia Road Ahmedabad-380001.	GJ/6686	Do. dated 31-3-91	30-6-92	1-7-92 to 30-6-95	2/3380/91-DLT
3,	M/s Himatnagar Nagzik Sehkari Bank Ltd., Himatnagar-383001, Distt Saharkantha	GJ/14376	Do. dated 15-7-88	14-7-91	15-7-91 to 14-7-94	2/1772/88-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

#### The 27th January 1994

- S.O. No. 2/1959/DLI/Exemp./89 Pt. I/582.—WHERE-AS the employers of the establishments mentioned in Scheduled-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (heteinafter referred to as the said Scheme).
- NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section 2 (A) of section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment turther period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No	Name & Address of the Estt.	Code No.	No & Date of earlier Notification	Date of expiry carlier exemption	Period for exemption extended	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s Guiarat Transformers (P) Ltd, Maneja Vadodra-390013.	GJ/2524	2/1959/DL1/Exem/89/Pt. 1 dated 15-5-90	31-7-91	1-8-91 to 31-7-94	2/2359/89-DLI
2.	M/s Polychem Ltd., ABS Plant 18 PCC Area Post Petroffiles, Vadodara-391347.	GJ/10032	2/1959/DLI/Exem/89/Pt, I dated 29-8-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/891/83-DL.I
3.	M/s. Anjaleem Enterprises (P) Ltd., 101, B.N. Chembers R C. Dutt Road, Vadodara-390005	GJ/10481	2/1959/DLI/Exem/89/Pt, I dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3390/91-DL1
4.		GJ/11743	2/1959/DLI/Exem/89-Pt 1 dated 5-4-93	31-12-92	1-1-93 to 31-12-95	2/4450/92-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Nothwithstanding anything contained In the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any omendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said estabhshment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be concelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Lite Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal her(s) of deceased member who would have been covered under said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respects.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner.

No. 2.1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/590.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of I abour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishments and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B.N. SOM, hereby exempt each of the said establishment a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No.	Name & address of the C Establishment.	Code No.	No. & date of the earlier Notification.	Date of expiry of exemption.	Period for exemption/ extension	C.P.F.C's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s Indo German Plantation Machinery Co. Pvt. Limited, No 22-A, 3rd Main Road, Ist Phase, P.I.A., Bangalore-58.	KN/2438	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I Dt. 7-4-93	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/4573/92-DL1
2.	M/s Growel (India) Pvt. Limite No. 21A, 3rd Main Road, Ist Phase, P.I.A., Bangalore-58.	ed, KN-252	4 Do. Dt. 7-4-1993	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/4574/92-DL1

<u>(1)</u>	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
3.	M/s Decjay Enterprises Pvt. Ltd., St. Patricks Complex, 3rd floor, Brigade Road, Bangalore-25.	KN/8168	2/1959/DLI/Excm./89-Pt. I Dt. 25-9-89	31-3-91	1-4-91 to 31-3-94	2/1930/88-DLI
4.	M/s Bombay Brush (Belgaum) Pyt. Ltd., B-3/B-4, Angel Industrial Estate, Belgaum-8.	KN/11438	Do. Dt. 17-11-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3085/90-DLI
5,	M/s P. & J. Communication Devices Pvt. Ltd., Sumkadakatte Vishwaneedam Post, Bangalore-91.	KN/11455	Do. Dt. 7-4-93	31-8-92	1-9-92 to 31-8-95	2/ <b>4</b> 776/92-DL1

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hercinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89|Pt. I|598.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No	o. No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date o expiry earlier exempti	of for exemption	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s Sr <sub>1</sub> Y.S. Sintex Project Ltd., Sri Ambica Mills No. 2 Kankaria Road, Ahmedabad.	<b>G</b> J/307	2/1959/DLI/4-4-93	16-1 <b>2-9</b> 2	17-12-92 to 16-12-95	2/326/85-DLI
2.	M/s Standard Industries Nawab Vadi, Begumpura, Surat-395003.	<b>G</b> J/501	Do. Dt. 22-4-93	31-7-92	1-8-92 to 31-7-95	2/4762/92-DLI
<b>3</b> .	M/s The Anup Engineering Ltd., P.B. No. 1158, Ahmedabad-380002.	GJ/1912	Do. Dt. 21-1-88	1-3-91	2-3-91 to 1-3-94	2/1165/85-DLI
4.	M/s Bathboi and Co. Ltd., P.O. Baroda Rayon Udhana-394220.	<b>GJ</b> /4476	Do. Dt. 6-4-93	1-10-91	2-10-91 to 1-10-94	2/663/82-DLI
J.	M/s Sri Krishna Keshav Labotories Ltd., Amarvadi Road, Ahmedabad.	GJ/5227	Do Dt. 5-4-93	30-9-92	1-10-92 to 30-9-95	2/275/79-DLI
6.	M/s Rang Rasayan Agencies Menon, Bengla Compound, Behind Central Bank, Ambayadi, Ahmadabad.	GJ/10326	Do. Dt. 17-10-92	31-10-92	1-11-92 to 31-10-95	2/4107/92-DLI
7.	M/s Gujatat Coop. Oil Sceds Growers Fed. Ltd., Natain Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.	<b>G</b> J/11429	Do Dt. 8-4-93	31-12-92	1-1-93 to 31-12-95	2/4434 <sub>/</sub> 92-DLI
8.	M/s K.B. Mehta & Co. Dhun House Bhadra Ahmedabad,	GJ/11784	Do. Dt. 16-2-91	28-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/3327/90-DLI
9.	M/s Conditionics Pvt., Ltd., AJ, 3708, Phase IV GIDC, Vatva Ramal Goan Sarve No. 424, Ahmedabad.	GJ/12250	Do. Dt. 22-3-88	10-8-90	11-8-90 to 10-8-93	2/1056/84-DLI
10.	M/s Shahbagh Navrogi vakil compound, Police Lino, Sadibagh, Ahmedabad.	GJ/14299	Do. Dt. 6-4-93	31-8-92	1-9-92 to 31-8-95	2/4512/92 <b>-</b> DLI
11.	M/s Estavision System (India) Pvt. Ltd. Plot No. 35 Shesanpur Ahmedabad.	<b>GJ</b> /14616	Do. Dt. 30-1-91	6-2-92	7-2-92 to 6-2-95	2/1328/85-DLI
12.	M/s Pradip Engineering works Behind Anıl Starch Near Nichol Octroi, Ahmeda5ad,	<b>GJ</b> /15881	2/1959/DLI/5-4-93	28-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/4452/92-DL1
Ì3.	M/s A larsh Chemicals & Fortilise Ltd., Udhana-394210, Surat.	rs <b>G</b> J/1366	S-35014/55/88/15-7-88		15-7-91 to 14-7-94	2/1803/88-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India,
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the oremum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

S. O No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/606.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I, B, N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ further extended	Date of expiry/ earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. The Baroda Rayon Corporation, Ltd., P.O. Fatch Nagar, Surat-394220 including its branches.	GJ/1383	S-35014/193/83-PF, II/SS, II dt. 29-1-1987	28-10-89	29-10-89 28-10-92 29-10-92 28-10-95	2/213/79-DLI
2.	M/s K.S. Engineering Works, S/58, Municipal Industrial Estate Bapunagar-Ahmedabad,	<b>G</b> J/1969	2/1959/DLI/Exemp/89-Pt-I. dt. 20-11-91	31-8-92	1-9-92 to 31-8-95	2/3456/91-DLI
3.	M/s. Co-operative Bank of Ahmedabad Ltd., Abad Bank Chambers Relief Road, Ahmedabad-I including its branches.	GJ/4677	2/1959/DL1/Exem/89-Pt. I dt. 10-9-91	16-12-91	17-12-92 to 16-12-95	2/615/80-DLI
4.	M/s. Ellis Bridge Co-operative Bank Ltd., Alanta Commercial Contro, Ashram Road, Ahmedabad-380009.	GJ/4685	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. 1 dt. 4-6-91	31-5-90	1-6-90 to 31-5-93	2/3582/91-D1,I
<b>5</b> .	M/s. Jyoti Hospital, Near Nutan High School, Vis Nagar-384315	GJ/11769	2/1939/DL1/Exem/89-Pt·1 dt·7-1-93	31-1-92	1-2-92 to 31-1-95	2/4343/92- <b>D</b> LI
	M/s. Amol Dicalite Ltd. 1. G I.D.C. Estate, Kadi-382715.	GJ/14606	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dt. 28-2-90	31-10-92	1-11-92 to 31-10-95	2/3338/92- <b>p</b> L1
	M/s The Rajkot Distt. Co-op. Bank Ltd., "Sahyog" Dherbhai Road, Rajkot	GJ/4660	S-35014/85/82-Pt. II. SS. II dt. 1-5-86	27-8-88	28-8-88 27-8-91 28-8-91 27-8-94	2/696/82-DLI
	M/s. Indotex Machinery, 351/2, G.I.D.C. Estate, Adhav, Ahmedabad-382416.	GJ/11268	2/1959/DL1/Exem/89-Pt. 1 dt. 4-9-92	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/4073/92-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Beard of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9 Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in my manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner C. No. 2/1959/DLI Exemp./89/Pt1/622.—WHERE-AS the employers of the establishments mentioned in Scheduled I therematic referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees. Providing Tunds and Miscellaneous Providin Act, 1952 (19 of 1952) (herematter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I. B. N. SOM. Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of 1 ife Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 thereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2 (A) of section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of I about /CPFC Notification No. and shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment further period of 3 years as indicated in attached, Schedule-I against their names

#### SCHEDULE-I

Sl, No.	Name & Address of the establishment.	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of expiry/earlier exemption	Period for exemption further extended	C P.F.C 's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
P	M/s G.T.V.S. Spinners Pvt Ltd., Pulankinar (P.O) Udumapet aluk, Coimbatore-Distt.	TN/10661	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dt. 3-5-91	29-2-92	1-3-92 to 31-3-93	2/3495/91-DLI
70	A/s Precicon (P) Ltd. 09, Avanashi Road, Coimbatore-641018.	TN/6389	Do. dt. 30-6-92	30-4-91	1-5-91 to 31-3-93	2/4218/92-DLI

## SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the rCentral Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

9-469 GI/93

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to cff. adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date. as fixed by the Life Insurance Corporation of Ind'a, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner S. O. No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/630.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ further extended	Date of expiry/ earlier exemption,	Period for exemption further extended	C.P.F.C 's File No.
1.	M/s. Consolidated Coffee Ltd., Pollibetta, Kodagu Distt. Karnataka.	KN/708	2/1959/DLI/Exem/89-Pt I dated 12-12-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/1150/85-DLI
2.	M/s. Indian Express (Madurai) Ltd. Queens Road, Bangalore-1.	KN/3485	S-35014/145/86-SS II dated 11-4-86	10-4-89	11-4-89 10-4-92 11-4-92 10-4-95	2/1314/88-DLI Pt,
3.	M/s. San Engineering and Locomotive Co. Ltd., P.B. No. 4802, whitefield Road, Bangalore-48	KN/4846	S-35014/116/83-SS, II dated 28-7-86	20-5-89	21-5-89 20-5-92 21-5-92 20-5-95	2/882/83-DLI
4.	M/s. Siddaganga Oil Extractions Ltd., P.B. No. 133, B.H. Road Tumkur-572103.	KN/6395	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated 21-12-89	30-10-90	1-11-90 to 30-10-93	2/1821/88-DLI
5.	M/s. Malnad Alloy Castings Pvt. Ltd., 36-A, Shimoga, Bhadravathi Industrial Area, Machenahalli-577222.	KN/13029	2/1959/DLI/Exem/89-Pt, I dated 7-11-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3087/90-DLI
	M/s. BDK Marketing Services Pvt. Ltd., Kutchi House J.C. Nagar, Hubli-580020.	<b>KN</b> /10363	2/1959/DLI/Exem/89-Pt, I dated 25-9-89	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/2176/89-DLI
7.	M/s. Bijapur Grameena Bank H O. Nahar Building, Kabragi Bazar, Bijapur-586101	KN/10657	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated 21-12-89	30-9-91	1-10-91 to 30-9-94	2/3211/90-DLI
8,	M/s. Texas Instruments (India) Pvt. Ltd. Miller Road, Bangalore-560052,	KN/11535	2/1959/DLI/Exem/89-Pt, I dated 21-12-89	28-2-91	1-3-91 to 28-2-94	2/3208/90-DL1
9	M/s. Dooravani Cables (P) Ltd., Dyavasandra Industrial Area Mahadevapura, Bangalore-48.	KN/4661	S-35014/244/82-SS, II dated 13-1-86	3-12-88	4-12-88 to 3-12-94	2/728/82-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation
- 8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) /legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/638.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneus Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS I, B. N SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourabe to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No	Name and address of the Estt.	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of Expiry of earlier exemption	Period for Exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s Hindustan Spg. & Wvg. Mills Ltd. Division Crown, Gokhale Road(s), Bombay-400025, (including branches)	MH/101	2/1959/DLI/Exem/89/Pt I dated 23-12-91	30-9-92	1-10-92 to 30-9-95	2/3911/91-DLI
2.	M/s John Wyeth (India) Ltd., Appejay House, Divishaw Wadia Road, Bombay-400020.	MH/3995	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 19-1-93	20-8-91	21-8-91 to 20-8-94	2/128/78-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to he employees under the sand Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, it on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal herr(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, his approval, give a reasonable opportunity the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/646.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. SOM, Central Provient Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Si. Name of the Estt.	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which	Date of expiry of earlier	Period for exemption further	C P.F.C 's File No
		exemption was granted extended	exemption	extended	
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
<ol> <li>M/s Nif Mechanical Works</li> <li>P.B. No 69, Chapra Road, Navsari.</li> </ol>	GJ/6122	2/1959/DL1/6-4-93	30-11-92	1-12-92 to 30-11-95	2/4507/92-DLI
<ol> <li>M/s The Vestotex Engineers 77-78 Adarash Indl. Coop. Estate, Rakhial, Ahmedabad.</li> </ol>	GJ/6945C	Do. dt. 24-10-89	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/4225/92-DLI

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
3.	M/s Vapi Polymers Pvt Ltd. Plot No. 203/2, GIDC, Vapi-396195.	GJ/9449	2/1959/DLI dt. 10-1-91	28-2-93	1-3-93 to 28-2-96	2/2764/90-DL1
4.	M/s Anchar Pharma Pvt. Ltd. Parti Bhavan, Daman Ahmedabad.	GJ/9722	Do. dt. 22-4-93	30-9-91	1-10-91 to 30-9-94	2/4687/92-DL1
5.	M/s Varat Stream Anand Sojitra Road, Vithal Vidya Nagar Vallabh Vidya Nagar, Gujarat.	GJ/10511	Do. dt. 2-5-93	31-12-92	1-1-93 to 31-1 <b>2</b> -95	2/4304/92-DL
6,	M/s Bhav Nagar Nagarik Sahakari Bank Ltd., 14, Ganga Jaha Talab, Bhav Nagar Gujarat.	GJ/11958	Do. dt-2-5-93	31-7-92	1-8-92 to 31-7-95	2/4306/9 <b>2-</b> DI.
7,	M/s Proplis Project P.B. No. 69, NIF Compound Chhapra Road Navsari	GJ/15969	Do. dt. 5-4-93	30-11-92	1-12-92 to 30-11-95	2/4583/92-DL1
8,	M/s Devi Organics Pvt Ltd., Plot No. 42/2 Phase I, GIDC Indl. Area Vapi-396193.	GJ/17140	Do, dt, 2-5-93	31-1-93	1-2-93 to 31-1-96	2/4264/92-DL/

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such Inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) under of Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transter of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner The 20th January 1994

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/479.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more

favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

--- -

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-1

SI.				Date of expiry of earlier exemption		C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Dharmsec Parpia, 185, P.H. Road, Madras-10	TN/3417	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I Dt. 13-9-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/2543/90-DLI
2.	M/s. Venkatesa Agencies, 43, Chakrapani Street, Madras-33.	TN/5917-B	Do. dt. 4-10-90	31-8-86	1-9-89 to 31-8-92 & 1-9-92 to 31-8-95	2/2552/90-DLI
3.	M/s. SSB Industries Ltd. 827, Mount Road, Madras-2.	TN/11003	Do. dt. 27-12-89	30-11-90	1-12-90 to 30-11-93	2/2023/89-DLI
4.	M/s. The Engore Thermol Power Station, Industrial Co-op. Service Society, Ltd., Ennore, Madras-57.	TN/19676	S-35014/48/88-SS-I	30-9-89	1-10-89 to 30-9-92 & 1-10-92 to 30-9-95	2/1767/88- <b>DLI</b>
5.	M/s. Trend Garments P. Ltd. Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.	TN/17336	2/1959/DL1/Exemp/Pt. I dt. 10-9-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93 & 1-3-93 to 28-2-96	2/2818/90-DLI
6.	M/s. Nariman Point Building Services & Trading Pvt. Ltd., Express Estate, Mount Road, Madras-12.	TN/17824	S-35014(214)86-SS-II. dt. 20-8-86	19-8-89	20-8-89 to 19-8-92 & 19-8-92 to 20-8-95.	2/14821/86-DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Fmployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in this establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the shid Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed

- to lapse, the exemption shall be liable to be concelled
- II In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominer(s)/legal helr(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

S.O. No. 2/1959/DUI/Fremp/Pt I/487 --WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have appplied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned establishment in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the R.P.F.C. Cochin from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## **SCHEDULE 1**

Sr. No.	Name & Address of the establishment					Code No.	Effective date of exemption	C P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)				
1.	M/s, Seemathi P. B. No. 75, Kottayam, Kerala-686001.	•	•	•		KR/3881	1-2-89 to 28-2-90	2/5307/93—DLI
2.	M/s Kerala State Diugs Pharmaceutical Ltd. Kalavoor, Alleppey-688522.		٠	•		KR/4396	1-7-88 to 30-6-91	2/5308/93—DLI
3,	M/s. Veerian Reddiar Distribution, P. B. No. 75, Kottayam, Kerala-686001.	ė	•	•	•	KR/3882	1-1-89 to 28-2-90	2/5335/93—DL1
4.	M/s. People's Urban Co-onerative Bank Ltd. No 51, Tripunithura-682301, Ernakulam, Kerala.	٠		•	•	KR/13128	1-2-91 to 31-1-94	2/5336/93—DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, neluding maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the sald Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where pry amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of In his shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims comple's in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

S O. No. 2/1959/DL1/Exemp/89/Pt 1/549.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned establishment in Schedule 1 against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

Si. No.	Name & Address of the establishment.							Code No.	Effective date of exemption.	C.P.F.C.'s File No.
1	2							3	4	5
1.	M/s. The Engineering and Industria 80, Ansari Street,	ıl For	ındı y	Co.	•	•		TN/2356	1-3-88 to 28-2-91 & 1-3-91 to 28-2-94	2/5236/93—DLI
2.	Ram Nagar, Coimbatore-641009. M/s. Provimi Producets (P) Ltd. 3 F Mill Road,	•		•	•			TN/21156	1-9-89 to 31-8-92 &: 1-9-92 to 31-8-95	2/5239/93DL1
3.	Gobichettipalyam-Pin-638476. M/s. Kerala Hatcheries (P) Ltd. 1202, Trichy Road, Coimbatore-641018.			•	•		•	TN/21635	1-9-92 to 31-8-95	2/5240/93 <b>DLI</b>
4.	M/s. Uma Maheswari Mills Ltd. Plot No 86 to 89 Sipcot Industrial Complex Hosur.		•		•	•		TN/16681	1-11-92 to 31-10-95	2/5252/93—DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees Under the Group Insurance Schemes appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the mployees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal helr(s) of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any torson, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any mide by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/logal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N SOM Central Provident Fund Commissioner

No 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt I/503.—WHFREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commission r is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B N. SOM hereby exempt each of the said mentioned establishment Schedule-I against said scheme has been granted by the R.P.F.C. Delhi, from the operation of the scheme for a period of 3 years.

Sr.	Name & Address of the establishment		Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	: <sub>2</sub>		3	4	5
1.	M/s. Haryana Petrochemicals Ltd		DL/8575	1-6-87 to 31-5-90	2/2029/89—DL1
2.	New Delhi-110016.  M/s. Inter-craft Limited		DL/3594	1-1-87 to 31-3-90	3/2093/89—DLI
3.	Industrial Area, Naraina, New Deihl-110028. M/s. South Eastern Carriers Pvt. Ltd. 34, Arakashan Road, Ram Nagar, (Pahar Ganj) New Deihi-110053.	. ,	DU/4288	1-6-93 to 31-5-91	2/2097/39 <b>–DLI</b>

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection. as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhace the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the sald Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(5)/legal heir(s) of deceased member, who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/579.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AS WHEREAS I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourabe to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and sub-ject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Visakhapatnam from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

Sr.	Name & Address of the establishment		Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C 's File No.
1	2	_	3	4	5
1,	M/s. Industrial Oxygen Co. Limited	•	AT/14334	1492 to 31-3-95	2/5109/93—DLI
2,	M/s. Coastal Agro Industrial Complex (P) Ltd P. B. No. 27, Tanuku-534211, West Godavari Dt. (A. P.).	•	AT/14345	1-3-90 to 28-2-93	2/5110/93—DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection. as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of jeturns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhace the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Gorup Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the errologer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member, who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

## The 25th January 1994

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/550.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinfater referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 Chereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said scheme has been granted by the R.P.F.C. Orissa from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

S. No.	Name & Address of the	estts		_				Code No.	Effective date of exemption	C. P. F. C. 's Pile No.
1.	M/s. The Orissa State Co-operative Sahed Nagar, Bhubaneswar-751007.	ołi Se	ds gr	owcis	Fede	ratio	Ltd.	OR/2875	1-11-87 to 31-10-90 and 1-11-90 to 31-10-93	2/5244/93/DLI
2.	M/s. Hind Kusht Nivarana Sangh Orissa State Branch, Bhubaneswar-751007.	•	•	•	•	•	•	OR/2944	1-12-87 to 30-11-90 and 1-12-90 to 30-11-93	2/5243/93/ <b>D</b> LI
3.	M/s. Orissa Air Products Ltd Gundi Chapada, Dhenkanal-759013.	•	•	•	•	•	•	OR/3648	1-3-89 to 28-2-92	2/5248/93/DLI
4.	M/s. Ori Plast Ltd , O. T. Road, Balasore-756001.	•	•	•		•	•	OR/891	1-3-90 to 28-2-93	2/5276/93/DLI
5.	M/s. Orissa Entrusions Ltd. Ganeswarpur Industrial Estate, Bajasore-756019.	•	•	•	•	•	•	OR/4010	1-7-92 to 30-6-95	2/5275,93/ <b>D</b> LI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinatter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, atongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exemputed under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premaum in respect of him to the Lite Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee that the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer snall pay the difference to the nom nee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

- Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporatoin of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt, J/558.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule—I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-rection (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labout/C.P.F.C.'s Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 Years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Si. No.	Name & Address of the establishment	Co15 No.	No & Date of the Gove's Notification vide which exemption was granted/ extended	Date of expiry earlier exemption	exemptic further	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Rangavale Industries, 5/44A, Mattupalayam Road, Thudiyalur, Coimbatore-641034.	TN/10830	2/1959/OLI/Exem/89/Pt, I Dated 3-5-91	30-11-91	2-12-91 30-11-94	2/3415/91/DLI
2.	M/s. Car House, Consolidated, Products (P) Ltd., 15/28, Krishnaswamy, Mudaliar Road, Coimbator-641092.	TN/16426	Do. Dated 7-12-1989	29-4-91	30-4-91 29-4-94	7/1188/85/ <b>DL</b> I
3.	M/s. Sci Vidya Mandir Higher Secondary School Nandasramam, Mayyanur Road, Salem Pin-636004.	TN/21545	Do. Dated 2-3-1990	28-2-90	1-3-90 30-6-91	2/3345/90/DL1

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
; ] (	1/s. T.T. Maps & Publications Ltd., (Paper Division) Formerly known as T.T. Cardboards and papers Mills Ltd., Pungar Village	TN/6105	2/1959/DLI/Excm/89/Pt. I Dated 21-9-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3089/90/ <b>DL</b> I
<b>5.</b> ]	Bhavanisagar Post-638451.  M/s. L.G. Balakrishnan & brothers Ltd., Procured Retreading Division, 1988, Trichy Road, Singanaliur, Coimbatore-641005.	TN/17412	2/1959/DLI/Exem/89/Ft. I dated 26-10-89	31-8-90	1-9-90 31-8-93	2/2060/89/DL1

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinatter referred to as the employer) shall submit such returns to the Kegional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exemputed under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees that the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporatoin of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/560.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (heremafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schdule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned establishment in Schedule-I against said scheme has been granted by the R.P.F.C. Calcutta from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SI.	·			•	Code No.	Effective date	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Eastern Spinning Mills and Industries Ltd. Vill-Pitegachha, P. O. Kadamgachhi, Barsat-743201. alongwith its branches.			•	WB/12794	1-2-92 to 31-1-95	2/5361/93/DLI
2.	M/s. Indian Iron and Steel Co. Ltd	•	•	•	<b>WB</b> /161	1-4-79 to 31-3-94	2/95/78/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exemputed under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Prem um in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee that the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any 1 cason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

- Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

## The 27th January 1993

No. 2/1959/DLI/Fxemp/89/Pt.I/574.—WHEREAS the employers of the establishments' mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees' of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourabe to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Govenrment of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C.'s Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 Years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of expiry carlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	M/s. The Ahmedabad Distt. Co-op. Bank Ltd. Nr. Gandhi Bridge, Opp Income Tax Office Ahmedabad-380009 (alongwith its 100 branches.)	GJ/4663	S/1959/1)LI/Exem/89/Pt, I dated 16-7-91	27-11-92	28-11-92 to 27-11-95	2/377/88/DLI
_	Mis Mehsana Distt. Co-op. Union Milk Produces Union	GJ/4827	Do. dated 22-4-91	23-12-92	24-12-92 to 23-12-95	2/341/80/ <b>DL</b> I
3.	Ltd., Mehsana-384002. M/s Anoopam Adkesives, 159, Vithal Udyognagar, Vallabh Vidyanagar.	<b>G</b> I/6891	.Do. dated 4-10-91	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/3806/91/DLI

(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
M/s Gujanat State Co-op Co Federation Ltd., Silver Arc, Elisbridge, Post Bag No. 3 Ahemdabad-6		S-35014/43/85-SS, II dated 20-2-85	19-2-88	19-2-88 to 20-2-91 & 19-2-91 to 20-2-94	2/116 <b>7/85-DL</b> I
M/s. Metallic Enterprises GIDC-II, Plot No. 330, Ali Indl. Estate, Nr. Telephone Exchange, Rajkot-360003.	GJ/16047	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 1-1-90	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/2501/90-DLl

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9 Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insutance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

S O. No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/614—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident und Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishment mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimba'ore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

Sr. No.	Name & Address of the establish	ment					Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)				,		(3)	(4)	(5)
1.	M/s. Coimbatore Poineer Mills Ltd Unit G.R. G. Textiles Alampalayam, Coimbatore-638559.	•		,	•	•	TN/55-B	1-3-92 to 28-2-95	2/5188/93—DLI
2.	M/s. El Forge Ltd	•	•	•	•	•	TN/4754-A	1-1-88 to 31-12-90 & 1-1-91 to 31-12-94	2/5189-A/93DL1
3.	M/s. National Textiles Corporn. (TN. & SP) Ltd. N. T. C. House, 10/64, Somasundhram Mills Road, Coimbatore-641009.			•	•	•	TN/7510	1-3-88 to 28-2-91 & 1-3-91 to 28-2-94	2/5189/93/—DLI
4.	M/s. Sri Vigneswari Foundry 155, Pankaja Mills Road, Coimbatore-45.	•	•	•	•	•	TN/11474	1-1-88 to 31-12-90 & 1-1-91 to 31-12-93	2/5190/93—DLI
<b>5</b> .	M/s. Makesh Spinniners 1961, Trichy Road, Singanallur, Coimbatore-641005.	•	•		•	•	TN/12327	1-6-89 to 28-2-90	2/5191/93DLI
6.	M/s. Aquesub Engineering Tudiyalur (PO), Coimbatore-641034.	•	•	•	•	•	TN/19230	1-5-91 to 30-4-94	2/5192/93—DLI
7.	M/s. Pandiar Tea Factory Amaikulam, Nadugari (PO) Gudalur Ta Nilgiris-643212.	aluk,	•	•	•	٠	TN/21577	1-1-93 to 31-12-95	2/5194/93 <b>DL</b> I
8.	M/s. The Silcal Mettaliurgic (P) Ltd 473-J, Ramanuja Nagar, Uppitipalyam, Coimbatore-641015.	·	•	•	•	•	TN/25098	1-10-92 to 30-9-95	2/5195/93—DLI

# SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

#### RAJGHAT SAMADHI COMMITTEE

(Constituted under the Rajghat Samadhi Act, 1951)

New Delhi, the .....

#### NOTIFICATION

S.O.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 7 of the Rajghat Samadhi Act, 1951 (41 of 1951), the Committee, with the approval of the Central Government, hereby publish the following draft of the proposed Bye-Laws as required by sub-section (2) of the Section 7 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of thirty days from the date on which the Gazette of India containing this notification is made available to the public;

Any objection or suggestion which may be received by the Raighat Samadhi Committee, Mahatma Gandhi Marg, New Delhi-110 002 from any person with respect to the said draft Bye-laws before the expiry of the period specified above, will be considered by the said Committee:—

Sd./- ILLEGIBLE

Secretary

# DRAFT BYE LAWS

## PART I PRELIMINARY

- 1. Short title and commencement: (1) These Bye-laws may be called the Rajghat Samadhi Committee Bye-Laws, 1993.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Gazette of India.
- 2. Application: These Bye-laws shall apply in all matters of Administrative and Financial Management of the Committee and to every employee of the Committee.
- 3. Definitions: In these Bye-laws, unless the context otherwise requires
  - (a) "Appointing Authority" in relation to any post, means the authority competent to make appointment to that post;
  - (b) "Chairman" means the Chairman of the Committee;
  - (c) "Committee' means the Rajghat Samadhi Committee constituted under the Rajghat Samadhi Act, 1951 (41 of 1951);
  - (d) "employee" means any person serving the Committee in any post specified in the Recruitment Rules for the posts concerned;
  - (e) "Secretary" means the Secretary of the Committee.

## PART II

# FUNCTIONING OF THE COMMITTEE

- 4. Meeting of the Committee: (1) The Chairman Shall convene a meeting of the Committee at least once in four months.
- (2) The Chairman may, on the receipt of a requisition of any three members, convene a meeting of the Committee.
- 5. Time and Place of Meetings: The time and place of all the meetings shall be fixed by the Chairman.
- 6. Notice of meeting: (1) A written notice for every meeting shall be sent or circulated to every member at least two days before the scheduled date.
- (2) The notice shall state the place, the date and the time of the meeting and shall specify the business to be transacted threat.

- (3) No business, which is not on the agenda, shall be considered at the meeting without the permission of the Chairman.
  - 7. Procedure for bringing matters before the Committee:---

Any member wishing to bring any matter before the Committee shall send his proposal to the Secretary who shall submit it to the Chairman for orders. The Chairman shall refer the proposal to the Committee, but, in special case, in which he considers reference of the proposal to the Committee is inexpedient or unnecessary, he may, for reasons to be recorded in writing, refuse to do so and after such refusal the matter shall be deemed to be dropped.

- 8. Quorum :—Three members shall form the quorum for a meeting.
- 9. Chairman to preside at meeting:—The Chairman shall preside at every meeting of the Committee. In his absence, the members present may elect any other member as Chairman and, thereupon, the business of the meeting shall be transacted under the Chairmanship of the member so elected.
- 10. Decision by majority:—All questions and matters before the Committee at a meeting shall be decided by a majority of votes of the members present. In case of equality of votes, the Chairman of the meeting shall have a second or casting vote.
- 11. Same question not to be brought before Committee until after lapse of three months:—Any question decided by a resolution of the Committee shall not again be brought for consideration until after a lapse of three months from the date of the resolution. Provided that the Chairman may, for sufficient reasons, allow any such question to be brought before the Committee at any time.
- 12. Minutes:—The minutes of the proceedings of every meeting of the Committee shall be recorded in a book under the signature of the Secretary. The minutes shall also be signed by the Chairman at the next meeting after the same are confirmed.
- 13. Receipts for money:—A receipt shall be issued for any money received by or on behalf of the Committee, by the Secretary or by his subordinate, if he is authorised by the Secretary to do so, in terms of rule 82 of the Central Treasury Rules.
- 14. Annual Report:—The Committee shall publish as Annual Report on the administration of the Samadhi together with a financial statement and the report of the Auditor.

## PART III

## **ESTABLISHMENT**

- 15. Secretary:—(1) The Committee shall appoint a person as a part-time Secretary to assist it in the efficient performance of its duties assigned under section 5 of the Rajghat Samadhi Act, 1951 (41 of 1951).
- (2) The Secretary so appointed shall perform such duties as may be entrusted to him by the Committee.
- (3) The Secretary shall be paid such allowances as the Committee may decide from time to time.
- 16. Other Staff:—(1) Any other post needed for the office of the Committee, equivalent to the post in Group 'C' and 'D' in the Central Government Offices, may be created on the orders of the Committee and the Chairman and the Secretary respectively shall be the appointing authorities for these posts.
- (2) The creation of posts equivalent to Group 'A' and 'B' in the office of the Committee shall be approved by the Ministry of Urban Development as per the provisions of the Delegation of Financial Power Rules, 1978, and appointments thereto be made as per the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965.

- (3) In respect of any matter not specifically provided in these Bye-laws regarding general conditions of service, pay and allowances, leave salary, joining time, the provisions of the Fundamental Rules, the Supplementary Rules and the orders and decisions applicable to the Central Government servant's shall apply, mutatis mutandls to the employees of the Committee
- 17. Posts and Pay Scales:—The Committee may have the following posts in the scale of pay noted against each:—

S. No.	Posts	Scale of pay	No. of posts
•	Group C		
(i)	Sanrakshak	Rs. 1400-40-1600-50-2300-ÉB- 60-2600.	1
(ii)	Sahayak Sanrakshak,	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.	1
(iii)	Clerk-cum- General Assistant	Rs. 950-20-1150-EB-25-1500,	1
	Group D		
(iv)	Jamedar	Rs. 775-10-965-EB-12-1025.	1
(v)	Chowkidar .	R <sub>5</sub> . 750-8-790-EB-10-940.	2.5
(vi)	Peon	Rs. 750-8-790-EB-10-940.	1
(vii)	Safai Sewak .	Rs. 750-8-790-EB-10-940.	7

- 18. Age limits:—The minimum and maximum age of appointment to posts mentioned in regulation 17 shall be as laid down in Government orders for corresponding posts in the Central Government except for the post of Secretary, for whom the lower age limit shall be 21 years and the upper age limit shall be 50 years.
- 19. Qualifications:—(1) The Sanrakshak shall be a graduate and preference shall be given to a person holding the Degree of Master of Arts. He shall be well versed in Gandhian concepts and ideologies and possess administrative capacity.
- (2) Sahayak Sanrakshak shall be a Graduate and shall possess the knowledge of Gandhian concept.
- (3) Clerk-cum-General Assistant shall be atleast a Matriculate with fair knowledge of typing and book-keeping.
- (4) Jamadar, Chowkidars and Peons shall be atleast middle School pass. Knowledge of cycling is desirable.
- (5) Safai sewak shall have elementary knowledge of reading, writing and arithmetic.
- (6) In case of the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe candidates qualifications may be relaxed, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.
- 20. Appointing Authority:—(1) The Secretary shall be the appointing authority in respect of posts of Jamadars Chowkidar, Peons and Safai Sewak.

- (2) The Chairman shall be the appointing authority in respect of posts of Sanrakshak, Sahayak Sanrakshak and Clerk-cum-General Assistant or any other full time or part time staff.
- 21. Recruitment: (1) Recruitment to a post under the Committee shall be made as per the provisions of the Employment Exchange (Compulsory Notification of Vacancies) Act, 1959, (31 of 1959) and in accordance with such rules and orders for the reservation of vacancies for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as have been or may be issued by the Central Government from time-to-time by adopting any of the following methods namely:—
  - (a) by direct recruitment;
  - (b) by promotion;
- (c) by appointment on deputation basis from other Central or State Government Departments; or
  - (d) on contract for a specified period.
  - 22. Appointment, Probation and Confirmation:
  - (1) Medical Examination on first appointment:

Candidates selected for appointment in the Committee shall be required to undergo a medical examination by a Medical Authority as may be specified by the Committee.

- (2) Probation: On initial appointment, either by direct recruitment or by Promotion to a higher category of post, an employee other than the Secretary shall be placed on Probation for a period of two years which may be extended by the Appointing Authority, if necessary.
- (3) Confirmation: After satisfactory completion of the period of probation an employee may be confirmed in the establishment of the Committee.

#### PART IV

## DUTIES AND CODE OF CONDUCT

- 23. Duties of the Employees: The Secretary and other employees of the Committee shall exercise such powers and perform such duties as the Committee may, from time-to-time passing to them.
- 24. Conduct and Discipline: (1) Conduct: The Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, as amended from time-to-time, shall be applicable to all employees of the Committee.
- (2) Discipline: The Central Civil Services (Classification. Control and Appeal) Rules, 1965 as amended from time-to-time shall be applicable to all employees of the Committee. The following shall be the Disciplinary and Appellate Authorities in respect of the Staff of the Committee:—

Category of Staff	Minor/Major Penalties
Disciplinary Authority	Appellate Authority,
Equivalent to Group 'A'	
Secretai y/Chairman	. President
Equivalent to Group 'C'	
All posts including Sanrakshak Secretary.	Chairman
Equivalent to Group 'D'	
Allposts Secretary :	, Chairman

#### PART-IV

# ALLOWANCES AND OTHER MISCELLANEOUS BENIFITS

- 25. Allowances and other concessions: (1) The following allowances and concessions shall be admissible to the employees, at the same rates and on the same condition, as are admissible to the Central Government employees of comparable rank, from time-to-time:—
  - 1. Dearness Allowance.
  - 2. Compensatory Allowance.
  - 3. Children's Education Allowance and Reimbursement of tuition fees.
  - 4. House Rent Allowance.
  - 5. Washing Allowance.
  - 6. Leave Travel Concession.
- (2) Medical Allowance: Medical Allowance shall be paid at rupees seven hundred per year to employees equivalent to Group 'C' and at rupees five hundred per year to employees equivalent to Group 'D'.
- 26. Grant of Leave: (1) leave to the employees of the Committee other than the Secretary may be sanctioned by the Secretary. Leave to the Secretary may be sanctioned by the Chairman.
- (2) An employee can avail of casual leave for 12 days in a calendar year. The grant of any other kind of leave shall be governed by the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.
- (3) Weekly Rest: Every employee shall be entitled to one day's rest in a week. This weekly rest shall be granted by the Secretary in rotation so that the work does not suffer.
- (4) Holidays: All the employees shall be entitled to holidays for not more than 16 days in a year as may be declared by the Committee from time-to-time. In addition, an employee may also avail of Restricted holiday for not more than 2 days in a year out of a list of such holidays to be notified by the Committee in each year. If an employee is required to perform any duties on a holiday, he shall be allowed compensatory leave in lieu thereof by the Sccretary in rotation so that the work at the Samadhi does not suffer
- (5) The working hours for each category of employees, shall be such as may be decided by the Committee but these shall not be less than those prescribed for comparable posts in the Central Government.
- 27. Advance: The employees shall be entitled to Festival Advance, Cycle advance, Leave Salary Advance on the scales and under the terms and conditions as are applicable to the Central Government Employees.
- 28. Uniforms: Uniforms shall be issued to Jamadars, Chowkidars, Peons and Safai Sewaks in accordance with the scales as are applicable to the Group 'D' employees of the Cetral Government.
- 29. Residential accommodation: Unfurnished residential accommodation may be provided for the Sanrakshak and the Sahayak Sanrakshak at the Samadhi premises free of licence fee. For the accommodation provided to the other members of staff, licence fee shall be charged under the rules applicable to the Central Government Employees at Delhi. Charges for electricity, water and municipal-taxes, if any, shall be payable by the occupant, at the rates as applicable to the Central Government Employees from time-to-time.

## PART-VI

## RECORDS OF SERVICE

30. Service Books, Leave Accounts and Personal files. The Committee shall maintain service books, leave accounts, and personal files of each employee. Entries in the service books, leave accounts shall be attested by the Secretary in all cases.

31. Character Rolls.—Character Rolls of all Group 'C' and above employees of the Committee shall be maintained. It shall contain brief service particulars and self-appraisal of the employees, remarks of the Reporting Officer and Reviewing Officers. In the case of Group 'C' employees, Secretary shall be the Reporting Officer and Chairman shall be the Reviewing Officer. In the case of the Secretary, the Reporting/Reviewing Officer shall be the Chairman.

#### PART-VII

# REGISTRATION, RETIREMENT AND TERMINATION OF SERVICES

- 32. Termination of Temporary Services.—(1) The Services of a temporary employee equivalent to Group C and D shall be liable to termination at any time by a notice in writing given either by the employees equivalent to Group C and D to the Committee orby the Committee to the employee equivalent to Group C and D.
- (2) The period of such notice shall be one month.—Provided that the services of any such employee equivalent to Group C and D may be terminated forthwith and on such termination the employee shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing. The pay and allowances immediately before the termination of his service or, as the case may be, for the period by which such a notice falls short of one month.
- (3) The powers of termination of services of a temporary employee of the Committee equivalent to Group A and B shall vest in the Central Government.
- 33. Compulsory Retirement.—(1) The Committee shall, if it is of the opinion that it is in the Public interest so to do, have the right to retire any of its employees, in a post equivalent to Group C or Group D by giving him or her a notice of not less than three months in writing or three months pay and allowances in lieu of such notice after he of she has attained the age of 55 years.
- (2) The powers to retire an employee of the Committee who is holding a post equivalent to Group 'A' of Group 'B' after he has attained the age of 50 years, shall vest in the Central Government.

## PART-VIII

## RETIREMENT AND RETIREMENT BENEFITS

- 34. Recruitment and other benefits.—The normal age of retirement shall be 58 years for Sanrakshak, Shayak Sanrakshak and Clerk-cum-General Assistant. For Jamedar, Peon, Chowkidar and Safai sewak the age of retirement shall be 60 years.
- 35. Contributory Provident Fund.—(1) The Committee shall maintain and administer a separate fund to be known as Rajghat Samadhi Committee Contributory Provident Fund. Every employee, except probationer or a casual worker or a part-time worker, shall contribute to the Contributory Providend Fund at such rate as is contained in the Contributory Providend Fund (India) Rules, 1962, as amended from time-to-time. The contribution shall be realisable from each month's pay and allowances of the employees.
- (2) The Committe shall contribute, from its own funds to the account of every employee in the Contributory Providend Fund on 31st March of every year, an amount equal to the total amount realised during the year from the employees concerned but not exceeding the rate contained in the Contributory Providend Fund (India) Rules, 1962, as amenamended from time-to-time.

- (3) The Committee shall pay interest on the subscription made by an employee in accordance with the provisions contained in the Contributory Providend Fund (India) Rules, 1962.
- (4) The provisions of Contributory Providend Fund (India) Rules, 1962 shall also apply to the subscribers to the Fund, in regard to advances from the Fund, withdrawal from the Fund, final withdrawal of accumulations in the Fund etc
- 36. Graduity.—(1) An employee, who has completed five years continuous service, shall on his retirement, be granted retirement graduity equal to one fourth of his emolument for each completed six month period of service subject to a maximum of 16½ times of the emoluments.
- (2) If an employee dies while in service, the death gratuity shall be paid to his family in the same manner indicated in sub-rule (1) of rule 51 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 at the rates given in Table below:

## TABLE

Length of service		Rate of death gratulty
(i) Less than 1 year .	•	, 2 times of month's
(ii) One year or more	but les	3
than 5 years	•	. 6 times of month's emoluments.
(iii) 5 years or more but	less tha	n
20 years	•	. 12 times of month's emoluments.
(iv) 20 years or more .	•	Half the emoluments for every completed six monthly period of service subject to a maximum of 33 times of month's emoluments.

Provided that the amount of death-cum-retirement gratuity shall in no case exceed rupees one lakh.

- (3) The emoluments for the purpose of gratuity shall be reckoned in accordance with rule 33 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
- (4) The death-cum-retirement gratuity shall not be amadissible to an employee with less than 5 years service if he is dismissed or retired from service as a measure of penalty for a proven misconduct.

## PART-IX

#### **GFNERAL**

- 37. (1) If any doubt arised about the interpretation of any of these bye-laws, the matter shall be referred to the Government of India in the Ministry of Urban Development whose decision shall be final.
- (2) The Government of India in the Ministry of Urban Development shall have residuary powers to decide matters not specifically provided for in these bye-laws in accordance with the rules or regulations of the Committee and established practices in the Government Departments.
- 38. Repeal and Savings.— (1) On the commencement of the Rajghat Samadhi Committee Bye-laws, 1993, the bye-laws as approved by the Government of India in the Ministry of Works, Housing & Supply Letter No. 7771-W 1156. (of 1956) dated 11-8-56 and Supplementary bye-laws as approved by the said Ministry's Letter No. 19-2-60 WK, dated the 1st January 1962 in force immediately before such commencement, shall in so far as it provides for any of the matters contained in these bye-laws cases to operate.

Sd/- ILLEGIBLE SECRETARY Rajghat Samadhi Committee New Delbi-110002